

शिक्षा की प्राप्ति

१६६५-६६



शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश में शिक्षा की प्रगति

भाग-1

सामान्य शिक्षा

1975-76

शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश

इलाहाबाद

विषय-सूची

अध्याय	पृष्ठ-संख्या
1--सामान्य पर्यवेक्षण	1-3
2--प्राथमिक शिक्षा	4
3--पूर्व माध्यमिक शिक्षा	5
4--उच्चतर माध्यमिक शिक्षा	6-7
5--प्रशिक्षण	8-10
6--उच्च शिक्षा	11-12
7--विविध	13-17
8--विभाग की अन्य उल्लेखनीय उपलब्धियां	18-22

शुद्धि-पत्र

पृष्ठ सं०	स्तम्भ/अनुच्छेद	पंक्ति/मद	ग्रन्थ	शुद्धि
12	8	प्रथम	कालेजों में	कालेजों ने
13	2-स के बाद	—	—	3-संस्कृत शिक्षा
32	टिप्पणी (व)	—	इंटर कला	इंटर कक्षा
34	10	11	19,420	11,420
44	टिप्पणी	4	()	(*)
		(((च) के नीचे)		
47	10	2	76,777	7,777
52	4	5	36.06	36.60
53	10	योग	7,179	7,189
54	4	10	17,760	17,670
57	10	49	61,511	81,511
57	5	50	1,02,704	1,02,784
57	2	योग से पूर्व	अखिल	आगल
60	9	29	4;200	4,280

अध्याय—1

सामान्य पर्यवेक्षण

1—वर्ष 1975-76 पंचम पंचवर्षीय योजना का द्वितीय वर्ष अन्तर्राष्ट्रीय महिला वर्ष आर्थिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण वर्ष रहा है। प्रधान मन्त्री जी द्वारा 20 सूत्री आर्थिक कार्यक्रम चलाया गया है। प्रदेश में शिक्षा के नये आर्थिक कार्यक्रमों, पर्वतीय एवं पिछड़े क्षेत्रों की विकास योजनाओं, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन-जाति, पिछड़ी जाति के लिए विशेष सुविधायें तथा भाषायी अल्प संख्यकों की शिक्षा सुविधा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाये गये हैं। छात्रों की विशेष सुविधा के लिए उनको पाठ्य पुस्तकें, अभ्यास पुस्तिकायें तथा छात्रावासों में आवश्यक सामग्री की पूर्ति निर्धारित मूल्यों में उपलब्ध कराये गये हैं। प्रारम्भिक एवं माध्यमिक शिक्षा के गुणात्मक सुधार हेतु अनेक कार्य किये जा रहे हैं। विज्ञान शिक्षा के प्रसार हेतु अनेक कार्यक्रम चलाये गये हैं। शिक्षक समाज की सेवा सुरक्षा तथा शिक्षण संस्थाओं पर नियंत्रण एवं प्रशासन को सुदृढ़ करने हेतु नवीन अधिनियम बनाये गये।

2—शिक्षा में गुणात्मक सुधार—(अ) प्रारम्भिक स्तर पर ह्रास एवं अवरोध को दूर करने एवं आर्थिक तथा अन्य कारणों आदि के फलस्वरूप बीच में अध्ययन छोड़ देने वाले 14 वर्ष तक के बालक/बालिकाओं के लिए अंशकालिक शिक्षा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्राविधान किया गया है। प्रारम्भिक स्तर के 6,000 अप्रशिक्षित अध्यापकों को गत वर्ष दीक्षित किया जा चुका है तथा 6,000 अध्यापकों को इस वर्ष प्रशिक्षित किया जा रहा है। माध्यमिक स्तर के अप्रशिक्षित अध्यापकों को सेवारत प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराने की भी व्यवस्था की गई है। प्रारम्भिक स्तर के विद्यालयों में विज्ञान के नये पाठ्यक्रम को पढ़ाने हेतु विज्ञान अध्यापकों के लिए प्रत्येक जनपद में एक विज्ञान दीक्षा विद्यालय चलाया गया है। 37,000 प्राइमरी तथा 2,850 जूनियर हाई स्कूलों को 'यूनिसेफ' द्वारा प्रवक्त विज्ञान किट दिये गये हैं।

(ब) माध्यमिक स्तर—हाई स्कूल एवं इन्टरमीडिएट स्तर पर भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, गणित तथा जीव विज्ञान में जुलाई 74 से नया कोर्स चालू किया गया। विज्ञान की परीक्षा में सुधार करने के लिए नवीन मानकों पर 2,000 प्रश्नों के प्रश्न संग्रह तैयार किये गये हैं। विज्ञान एवं गणित के नये कोर्सों को पढ़ाने के लिए 'समर इंस्टीट्यूट' के माध्यम से हाई स्कूल के 10,000 तथा इन्टर कालेजों के 5,000 अध्यापकों को प्रशिक्षित किया गया। राज्य के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में गृह परीक्षा प्रणाली, विद्यार्थियों को लगातार पूरे साल भर अध्ययन रत रहने के लिए परिवर्तित की गई। इस वर्ष अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में भी यह कार्यक्रम बढ़ाया जा रहा है। माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण की योजना के लिए 10 लाख रुपये का प्राविधान किया गया है।

3—शैक्षिक योजनायें—(अ) 1974-75 में तृतीय अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण कार्य पूरा किया गया है। प्राइमरी, जूनियर, सेकेंडरी तथा डिग्री स्तर पर असेवित क्षेत्रों का निर्धारण करते हुए नवीन विद्यालयों के स्थानों का चयन करने में इससे बड़ी सहायता प्राप्त हुई है।

(ब) असेवित क्षेत्रों में शैक्षिक सुविधायें उपलब्ध कराने हेतु 2,464 जूनियर बेसिक स्कूल, 189 सीनियर बेसिक स्कूल, 194 क्रमोत्तर कक्षायें, 62 राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, 6 राजकीय डिग्री कालेज और 5 विद्वविद्यालय खोले गये।

(स) प्रत्येक जनपद में अनौपचारिक शिक्षा योजना के अन्तर्गत—(अ) 11-14 आयु वर्ग के बालक/बालिकाओं को भाषा ज्ञान, अंक ज्ञान तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण देन हेतु

अंशकालिक कक्षाएँ, (ब) आयु वर्ग 15-25 के लिए साक्षरता केन्द्रों, (स) तथा 16 जनपदों में किसान साक्षरता केन्द्रों को चलाया जा रहा है।

4—अध्यापक कल्याण कार्यक्रम—(अ) प्रारम्भिक स्तर—बेसिक शिक्षा परिषद के समस्त जूनियर बसिक और सीनियर बेसिक स्कूलों के अध्यापकों का वेतनमान फरवरी, 1, 1974 से संशोधित कर दिया गया है। 10 वर्ष या उससे अधिक अनुभव रखने वाले अप्रशिक्षित अध्यापकों को प्रशिक्षित करने हेतु ए०टी०सी० परीक्षा की व्यवस्था की गई। 5 वर्ष से अधिक किन्तु 10 वर्ष से कम की सेवाओं वाले अप्रशिक्षित अध्यापकों को पत्राचार प्रणाली द्वारा प्रशिक्षित करने की सुविधा प्रदान की गई।

(ब) माध्यमिक स्तर—इण्टरमीडिएट एजुकेशन (अमेन्डमेंट) ऐक्ट, 1975 में यह व्यवस्था की गई है कि किसी अध्यापक को 60 दिन से अधिक बिना विद्यालय निरीक्षक की अनुमति के निलम्बित नहीं रखा जा सकता है।

(स) डिग्री स्तर—पहली अप्रैल, 1975 से नई वेतन वितरण प्रणाली के अनुसार सभी महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों एवं शिक्षणोत्तर कर्मचारियों के वेतन का भुगतान सरकारी एजेंसी के माध्यम से कराया जा रहा है।

5—छात्रों के लिए विशेष सुविधायें—(1) वर्ष 1974-75 से प्रतिभावान छात्रों के लिए कक्षा 9 व 10 में आवासीय शिक्षा की सुविधा देने की योजना प्रोजेक्ट रूप में राजकीय इण्टर कालेज, अल्मोड़ा और श्रीनगर (गढ़वाल) में चलाई जा रही है। यह प्रतिभावान छात्र कक्षा 8 के पश्चात् एकीकृत छात्रवृत्ति परीक्षा के आधार पर चुने जाते हैं।

(2) सीमा सुरक्षा बल के आश्रितों को निःशुल्क शिक्षा एवं छात्र वेतन की सुविधायें उपलब्ध की गई हैं।

(3) पुस्तकीय सहायता एवं छात्र वेतन विद्यालयों में पर्याप्त संख्या में बढ़ा दिये गये हैं।

6—अनुसूचित / अनुसूचित जन-जाति के अभ्यर्थियों को शैक्षिक सुविधायें (1) शैक्षिक संस्थाओं में 6 में से 1 प्रवेश स्थान अनुसूचित जाति के बच्चों/अभ्यर्थियों के लिए सुरक्षित रखा जाता है।

(2) अनुसूचित जाति के ऐसे अभिभावकों, जिनकी प्रतिमास आय 500 रु० तक है, के बच्चों को कक्षा 12 तक निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था उपलब्ध की गई है।

(3) राजकीय एवं अराजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों, महाविद्यालयों, प्रशिक्षण संस्थाओं, प्राविधिक संस्थाओं तथा बेसिक शिक्षा परिषद् के छात्रावासों में 18 प्रतिशत स्थान अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों के लिए सुरक्षित रखे गये हैं।

(4) अनुसूचित जाति के छात्रों के छात्र वेतन में 50 प्रतिशत की वृद्धि कर दी गयी है और उसके भुगतान के लिए उस धनराशि को छात्रों के नाम में डाकघर में खुले खाते में जमा करने के आदेश दिये गये हैं जिससे उन्हें छात्र वेतन मिलने में कोई बाधा न हो।

(5) अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन-जाति के छात्रों की शिक्षा के लिए आश्रम पद्धति के विद्यालय खोलकर निःशुल्क आवास तथा शिक्षा की व्यवस्था की गई है।

(6) अनुसूचित जाति/जन-जाति के अभ्यर्थियों को शिक्षण तथा गैर शिक्षण पदों पर नियुक्ति के लिए स्थान सुरक्षित हैं।

(7) बेसिक शिक्षा परिषद् में नियुक्ति के लिए अनुसूचित जाति एवं जन-जाति के सुरक्षित पदों को क्रमशः 18 प्रतिशत तथा 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 45 प्रतिशत कर दिया गया है।

7—अल्प संख्यक जाति एवं उर्दू शिक्षा की सुविधायें—(अ) प्रशिक्षित उर्दू अध्यापकों को उपलब्ध करने के लिए प्रदेश में 4 बी० टी० सी० प्रशिक्षण इकाईयां चलाई जा रही हैं। सेवारत अप्रशिक्षित अध्यापकों को प्रशिक्षित करने के लिए सेवारत प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान की गई है।

(ब) जूनियर हाई स्कूल तथा हाई स्कूल कक्षाओं में उर्दू दक्षता परीक्षा पास करने वाले अध्यापकों को प्रोत्साहन स्वरूप प्रथम श्रेणी को 200 रु० और द्वितीय श्रेणी को 100 रु० तथा तृतीय श्रेणी को मान पत्र प्रदान किया जाता है।

(स) कक्षा 1 से 8 तक की राष्ट्रीयकृत पाठ्य पुस्तकें उर्दू में उपलब्ध हैं। आवश्यकतानुसार उर्दू अकादमी को उर्दू की पुस्तकें लिखने का कार्य सौंपा गया है।

(द) मकतबों का अनुदान दुगुना कर दिया गया है।

(य) अशासकीय डिग्री कालेजों में जहां उर्दू की शिक्षा दी जाती है उस संकाय को प्रथम वर्ष से ही अनुदान सूची पर लाया जाता है।

(र) राजकीय संस्थाओं में जहां एक भी छात्र उर्दू पढ़ना चाहता है वहां उर्दू अध्यापक उपलब्ध करा दिया जाता है।

8—प्राच्य एवं दक्षिण भारतीय भाषाओं की सुविधायें—प्राच्य भाषाओं की शिक्षण संस्थाओं में कार्यरत अध्यापकों को नियत वेतन मान देकर संस्कृत एवं अरबी संस्थाओं का स्तर उठाने का प्रयास किया जा रहा है। दक्षिण भारतीय भाषाएं तामिल, तेलगू, कन्नड़ तथा मलयालम के शिक्षण की व्यवस्था उपलब्ध है।

9—युवक कल्याण कार्यक्रमः—युवकों के सर्वांगीण विकास हेतु शारीरिक शिक्षा, खेलकूद तथा समाज सेवा के विद्यालय, जिला, मण्डल तथा राज्य स्तर पर चलाये जा रहे हैं।

(1) प्रदेश में कक्षा 6 से 8 तक बालचर (स्कार्टिंग) कार्य-क्रम अनिवार्य कर दिया गया है।

(2) लाभप्रद भारतीय पद्धति के व्यायाम और यौगिक आसनों को बेसिक स्कूलों के पाठ्य-क्रम का अनिवार्य अंग बना दिया गया है।

(3) प्रतिभावान खिलाड़ियों को छात्र वेतन देने की योजना बनाई गई है।

(4) अगले सत्र से खेलकूद अतिरिक्त वैकल्पिक विषय के रूप में हाई स्कूल तक पढ़ाया जायगा।

(5) महाविद्यालयों के छात्रों के राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत "रोग और गन्दगी के विरुद्ध अभियान" संबंधी शिविर संचालित किये गये हैं।

(6) विद्यालयों में वन योजना के अन्तर्गत विगत वर्षी ऋतु में लगभग 10 लाख पौधों का रोपण किया गया है।

(7) 'लखनऊ टेलीविजन केन्द्र' 27 नवम्बर, 1975 से प्रारम्भ हो गया है। उसके द्वारा विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों के प्रदर्शन से जनता लाभान्वित होगी।

10—विभिन्न स्तरों एवं वर्षों के प्रगति सम्बन्धी राज्य स्तरीय सांख्यिकी समन्वय समिति द्वारा पारित विस्तृत आंकड़े संलग्न सारणी में दिये गये हैं।

अध्याय --2

प्राथमिक शिक्षा

(1) पूर्व माध्यमिक (शिशु) शिक्षा—

1--इस प्रकार की शिक्षा आयु वर्ग 3-6 वर्ष तक के बालक/बालिकाओं को दी जाती है। अधिकांश पूर्व प्राथमिक (शिशु) विद्यालय निजी संस्थाओं द्वारा संचालित है। चूंकि शिशु शिक्षा पद्धति महंगी पड़ती है, अतः शासन प्रयोगात्मक रूप से कुछ शिक्षण संस्थायें चला रही हैं। सरकार द्वारा अशासकीय मान्यता प्राप्त शिशु संस्थाओं को आवर्तक एवं अनावर्तक अनुदान दिया जाता है।

2--वर्ष 1974-75 में राजकीय बालिका इन्टर कालेज, गोपेश्वर (चमोली) में पूर्व प्राथमिक कक्षाएँ चालू की गईं। वर्ष 1974-75 में मान्यता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों को 3,11,985 रु० का आवर्तक तथा 10,000 रु० का अनावर्तक अनुदान स्वीकृत किया गया। वर्ष 1975-76 में 3,20,000 रु० का आवर्तक तथा 10,000 रु० का अनावर्तक अनुदान स्वीकृत करने का प्राविधान है।

(2) प्राथमिक (जूनियर बेसिक) शिक्षा—

1--भारतीय संविधान में निहित निर्देशक तत्वों के अनुरूप प्राथमिक शिक्षा के विस्तार को सर्वाधिक महत्व दिया जा रहा है। पांचवी योजना काल में बच्चों को मैदानी क्षेत्र में डेढ़ किलोमीटर तथा पर्वतीय क्षेत्र में एक किलोमीटर की परिधि में जूनियर बेसिक स्कूलों की सुविधायें उपलब्ध कराने का उद्देश्य सामने रखा गया।

2--पर्वतीय जिलों में वर्ष 1975-76 में ग्रामीण क्षेत्रों में 87 मिश्रित जूनियर बेसिक स्कूल खोले गए।

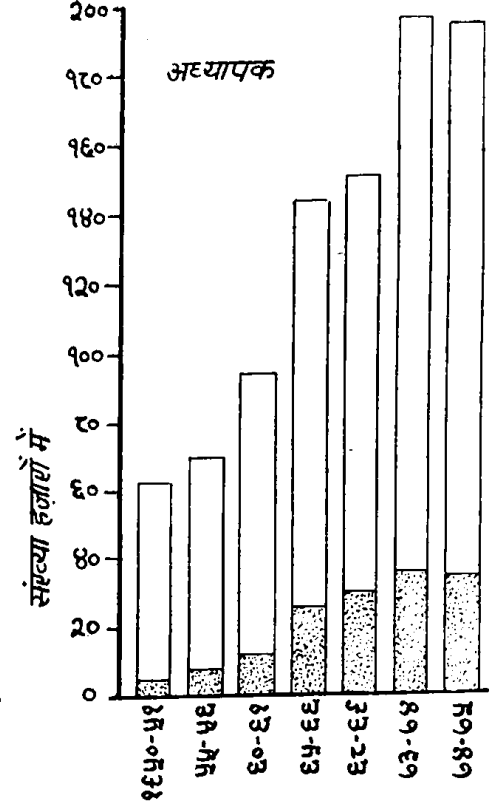
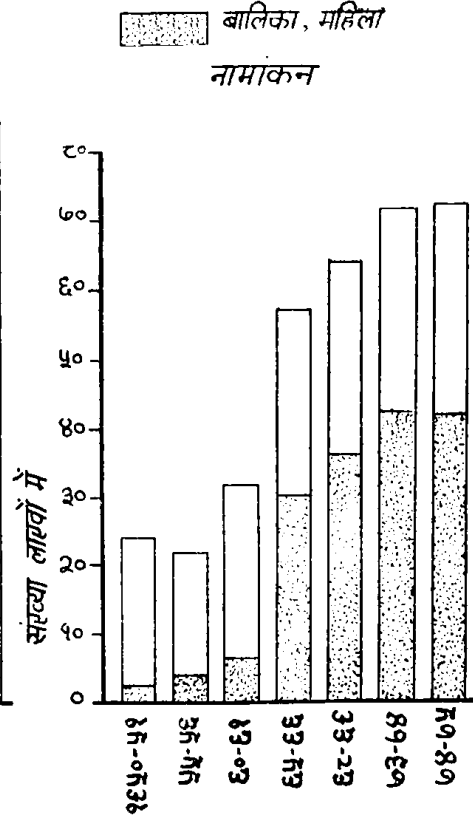
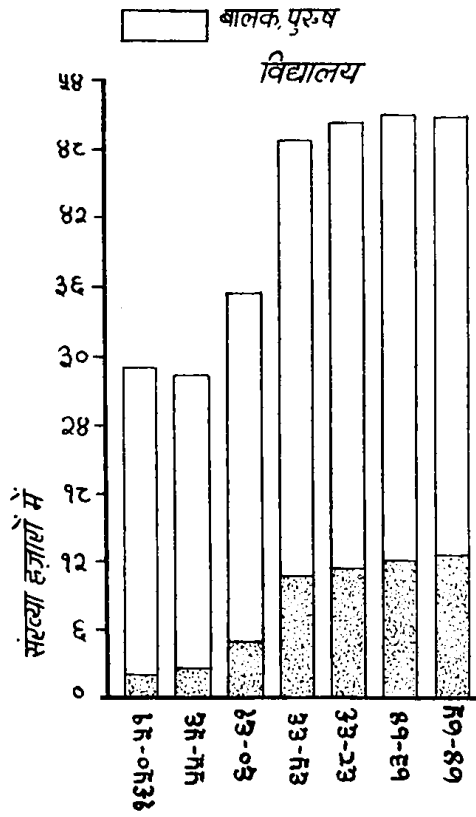
3--वर्ष 1975-76 में मैदानी जिलों में लक्ष्य न होने पर भी एक जूनियर बेसिक स्कूल खोला गया। यूनीसेफ सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत 9.46 लाख रु० की विज्ञान की पाठ्यपुस्तकें भी बुक बैंक के माध्यम से निःशुल्क दी गईं। ग्रामीण क्षेत्रों की 33,333 तथा नगर क्षेत्रों की 10,000 छात्र/छात्राओं के लिए बुक बैंक के माध्यम से पाठ्यपुस्तकें प्रदान की जायेंगी।

प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्र में 58,663 तथा नगर क्षेत्र में 5,121 प्राथमिक (जूनियर बेसिक) विद्यालय चल रहे हैं।

4--बेसिक विद्यालयों के अध्यापक/अध्यापिकाओं को दक्षता पुरस्कार प्रदान करने की योजना अन्तर्गत वर्ष 1974-75 में पर्वतीय क्षेत्र के 10 तथा मैदानी क्षेत्र के 80 अध्यापकों को 500 रु० प्रति अध्यापक की दर से पुरस्कार वितरित किया गया। वर्ष 1975-76 में पर्वतीय क्षेत्र के 20 तथा मैदानी क्षेत्र के 180 अध्यापकों को 500 रु० प्रति अध्यापक की दर से पुरस्कार वितरित किया जायेगा।

5--वर्ष 1974-75 में उर्दू की कक्षा 4 व 5 की भाषा विषयक पाठ्यपुस्तकों की पुनर्रचना हुई जो वर्ष 1975-76 के सत्र से प्रचलित हो रही है। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीयकृत पाठ्यपुस्तकों की प्रसार योजना के अन्तर्गत कक्षा 5 के लिए "हमारी दुनिया हमारा समाज" भाग-3 तैयार की गई जो 1975-76 सत्र से प्रचलित हो रही है।

जूनियर बेसिक विद्यालय



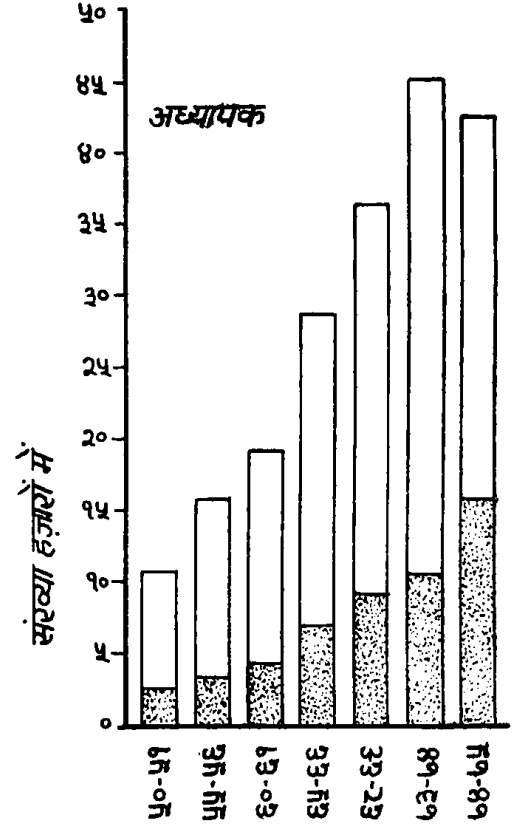
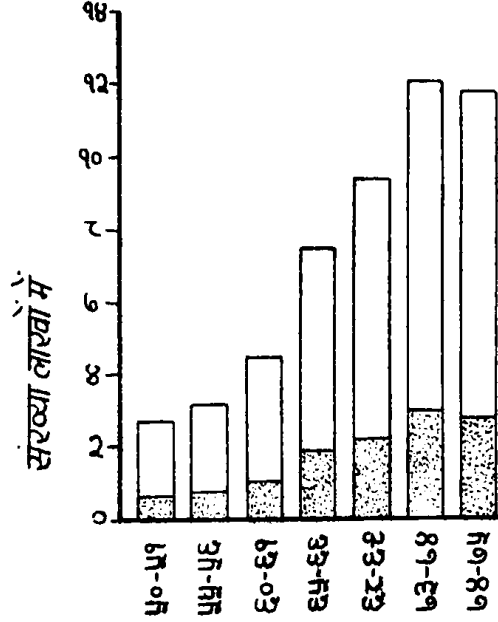
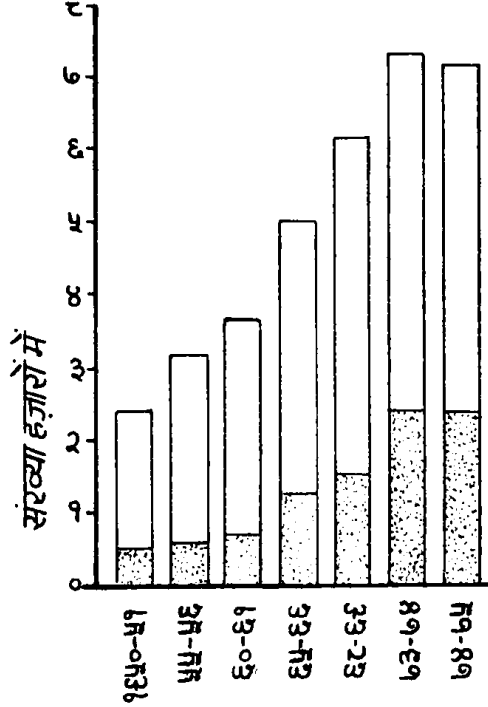
सीनियर बेसिक स्कूल

बालक, पुरुष

बालिका, महिला

विद्यालय

नामांकन



अध्याय—3

पूर्व माध्यमिक (सीनियर बेसिक) शिक्षा--

1-- इस स्तर की शिक्षा के विस्तार हेतु वर्ष 1975-76 में पर्वतीय जिलों में 30 नये सीनियर बेसिक स्कूल तथा 18 क्रमोत्तर कक्षाएँ खोली गयीं। इसके अतिरिक्त कानपुर नगर क्षेत्र में मेहतरों के बच्चों के लिए आश्रम पद्धति का एक सीनियर बेसिक स्कूल खोला गया।

2-- ग्रामीण क्षेत्र में 8,026 तथा नगर क्षेत्र में 1,593 पूर्व माध्यमिक (सीनियर बेसिक) विद्यालय चल रहे हैं।

3-- मान्यता प्राप्त असहायिक जूनियर हाई स्कूलों को अनुरक्षण अनुदान देने की योजनान्तर्गत 1974-75 में 108 मंदानी तथा 40 पर्वतीय विद्यालयों को अनुदान स्वीकृत किया गया। वर्ष 1975-76 में मंदानी क्षेत्र के 250 अशासकीय सीनियर विद्यालयों को अनुरक्षण अनुदान देने का प्राविधान है। पर्वतीय क्षेत्र के ऐसे 47 विद्यालयों को अनुदान सूची पर लाया जायगा।

4-- इस स्तर पर शिक्षा पुनर्व्यवस्था योजना एक विशिष्ट योजना है जिसके अन्तर्गत 3,950 विद्यालयों में कृषि शिल्प विषय को मुख्य रूप से अपनाया गया है ताकि बालक अधिक से अधिक स्वावलम्बी बन सके। 150 विद्यालयों में कार्यानुभव योजना के प्रारम्भ से इस दिशा में विशेष रूप से जागरूकता लाने का प्रयास हो रहा है। उपर्युक्त दोनों योजनाओं के निमित्त निम्नलिखित वित्तीय प्राविधान किया गया:--

योजना	प्राविधान	
	1974-75	1975-76
	₹0	₹0
पुनर्व्यवस्था योजना	1,30,22,800	1,39,98,400
कार्यानुभव योजना	8,21,500	8,40,800

5 -- वर्ष 1975-76 में कक्षा 1 से 8 तक की राष्ट्रीयकृत पाठ्य पुस्तकों की 2.35 करोड़ प्रतियाँ छापने की व्यवस्था की गई। इसके अतिरिक्त पाठ्य पुस्तकों के राष्ट्रीयकृत योजना के प्रसार के फलस्वरूप निम्नलिखित पुस्तकें तैयार की गईं जो शिक्षा सत्र 1975-76 से कक्षा 7 व 8 में प्रचलित हो रही हैं।

पुस्तक का नाम	कक्षा
1--हमारा इतिहास और नागरिक जीवन भाग-- 2	7
2-- हमारा भूमण्डल भाग-- 2	7
3 --हमारी जवान भाग-- 2	7
4 -- प्रारम्भिक विज्ञान भाग-- 3	8
5--बेसिक इंग्लिश रीडर बुक--3	8

अध्याय—4

माध्यमिक शिक्षा

1--प्रदेश में 3,543 बालक, 658 बालिकाओं के तथा कुल 4,201 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चल रहे हैं। अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की आर्थिक स्थिति सुवृद्ध करने की दृष्टि से वर्ष 1975-76 में मैदानी जिलों को 219 तथा पर्वतीय जिलों को 47 विद्यालयों को अनुदान सूची पर लाया गया।

2--सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को दक्षता अनुदान देने की योजना अन्तर्गत वर्ष 1975-76 में 102 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को दक्षता अनुदान स्वीकृत किया गया।

3--जहां उक्त स्तर की शिक्षा के लिए कोई व्यवस्था उपलब्ध नहीं रहती वहां शासकीय विद्यालयों की स्थापना की जाती है तथा शासकीय जूनियर हाई स्कूलों एवं हाई स्कूलों को उच्चीकृत करके शिक्षा का प्रबन्ध किया जाता है। वर्ष 1975-76 में 47 राजकीय हाई स्कूल खोले जा चुके हैं जिनमें 5 विद्यालय बालिकाओं के भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त सात बालकों के तथा एक बालिका राजकीय हाई स्कूल को इन्टर स्तर पर उच्चीकृत किया गया है।

4--अराजकीय माध्यमिक विद्यालयों में छात्रों के प्रवेश का अत्यधिक दबाव को ध्यान में रख कर वर्ष 1974-75 में राजकीय इन्टर कालेज, रायबरेली तथा बरेली में द्विपाली प्रथा चालू की गयी। इस प्रकार प्रदेश के पांच राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में प्रयोगात्मक रूप में यह योजना चल रही है। वर्ष 1975-76 में राजकीय कन्या इन्टर कालेज, प्रतापगढ़ में उक्त योजना चलाने का प्रस्ताव है।

5--राजकीय विद्यालयों में विज्ञान वर्ग की शिक्षा के प्रबन्ध हेतु वर्ष 1974-75 में 4 राजकीय विद्यालयों (2 हाई स्कूल तथा 2 इन्टर कालेज) में विज्ञान का समावेश किया गया। वर्ष 1975-76 में पर्वतीय क्षेत्र के 7 विद्यालयों (2 इन्टर कालेजों तथा 5 हाई स्कूलों) में विज्ञान विषय का समावेश किया गया है।

6--पर्वतीय जिलों के आर्थिक रूप से विपन्न 35 जूनियर हाई स्कूल तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों का वर्ष 1975-76 में प्रान्तीयकरण किया गया है।

7--हाईस्कूल एवं इन्टरमीडिएट स्तर पर पाठ्यपुस्तकों को राष्ट्रीयकरण योजना के अन्तर्गत जुलाई, 75 से अनिवार्य अध्ययन हेतु हिन्दी की निम्नलिखित पुस्तकें तैयार कर प्रकाशित की गई हैं:-

हाईस्कूल स्तर	इन्टरमीडिएट स्तर
गद्य संकलन	गद्य गरिमा
काव्य संकलन	काव्याञ्जलि
रंग भारती	कथा भारती
संस्कृत परिचायिका	संस्कृत विवेकशिका

8--माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद के अन्तर्गत पाठ्यक्रम शोध एवं मूल्यांकन इकाई की स्थापना की गई है। इस इकाई ने मार्च, 1975 से कार्य आरम्भ कर दिया

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय

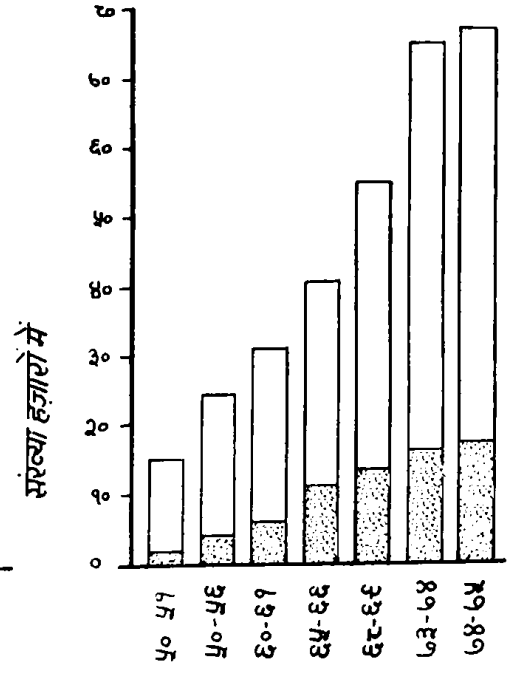
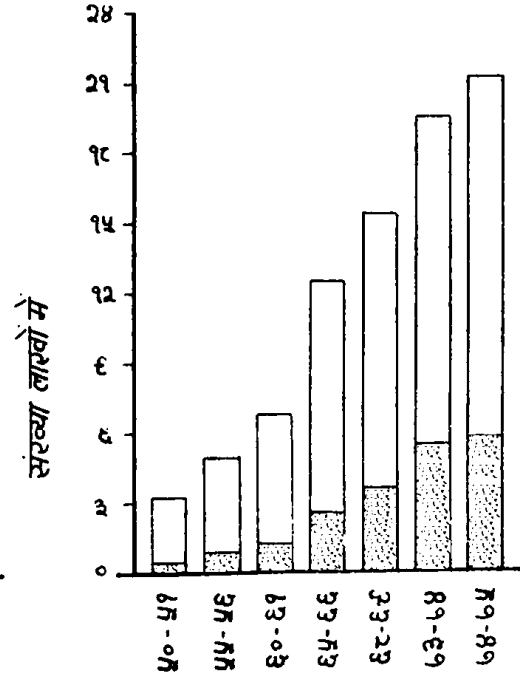
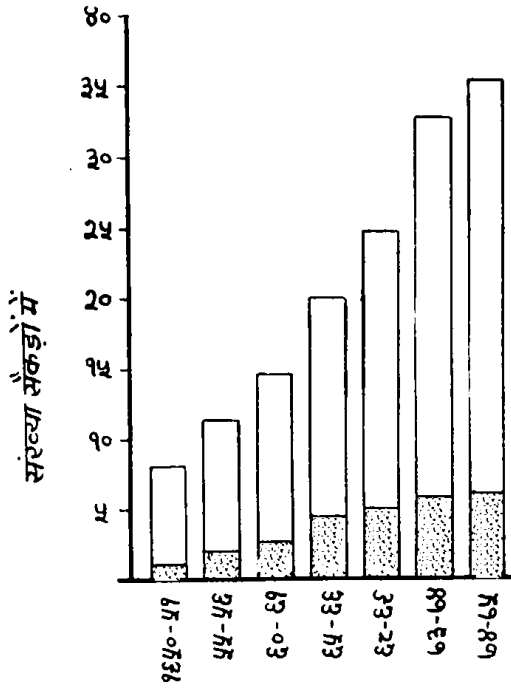
□ बालक, पुरुष

▨ बालिका, महिला

विद्यालय

नामांकन

अध्यापक



है। भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं गणित के संशोधित आधुनिकीकृत एवं उच्चोक्त पाठ्यक्रमों के सन्दर्भ में 1975 की हाई स्कूल एवं इन्टरमीडिएट परीक्षा के इन विषयों के प्रधान, उप प्रधान परीक्षकों की गोष्ठियां आयोजित कर राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान के सहयोग से आदर्श प्रश्न पत्रों का निर्माण करा कर प्रधानाचार्य के पास भेजा गया।

9—प्रदेश के राजकीय तथा मान्यता प्राप्त अराजकीय विभिन्न प्रकार की शिक्षा संस्थाओं में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं की शिक्षा के विभिन्न (प्राइमरी से इन्टरमीडिएट) स्तर पर विभिन्न दरों से भारत सरकार/राज्य सरकार द्वारा कुल 27,633 छात्रवृत्तियां योग्यता क्रम से स्वीकृत की जाती हैं। वर्ष 1974-75 में हाई स्कूल तथा इन्टर योग्यता छात्रवृत्तियों की दरों में वृद्धि के साथ-साथ कक्षा 6-8 तथा 9-12 में अतिरिक्त योग्यता छात्रवृत्तियां स्वीकृत की गईं। इसके अतिरिक्त जूनियर हाई स्कूल स्तर तक अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन-जाति/आदिवासी/पिछड़ी जाति के लिए प्रलग से 18,520 छात्रवृत्तियां स्वीकृत की गईं हैं।

अध्याय—5

अध्यापक प्रशिक्षण

1—पूर्व प्राथमिक स्तर—

इस स्तर पर अध्यापिकाओं को प्रशिक्षित करने के लिए 5 शिशु प्रशिक्षण महाविद्यालय (2 राजकीय तथा 3 अराजकीय) हैं जिसमें 2 वर्षीय सी 0 टी 0 (नर्सरी) पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रति वर्ष 144 महिलाओं को प्रशिक्षित करने हेतु स्थान निर्धारित है ।

2—प्राथमिक स्तर—

इस स्तर पर अध्यापकों को प्रशिक्षित करने के लिए 1975-76 में दीक्षा विद्यालयों की कुल संख्या 188 है ।

प्रारम्भिक स्तर पर बी 0 टी 0 सी 0 प्रशिक्षित अध्यापकों का उत्पादन अधिक होने के कारण पुरुषों हेतु अशासकीय मान्यता प्राप्त 60 बी 0 टी 0 सी 0 इकाइयों को जुलाई, 1975 से बन्द कर दिया गया है । इस प्रकार इस समय पुरुषों की कुल 119 तथा महिलाओं को 69 प्रशिक्षण संस्थायें उपलब्ध हैं ।

चतुर्थ पंचवर्षीय योजना काल में राज्य शिक्षा संस्थान, इलाहाबाद में पत्राधारित प्रशिक्षण इकाई की स्थापना की गई, जिसके द्वारा प्राथमिक पाठशालाओं के अप्रशिक्षित अध्यापकों को पत्र व्यवहार प्रणाली द्वारा प्रशिक्षण देने की योजना कार्यान्वित की गई थी ।

वर्ष 1975-76 में बी 0 टी 0 सी 0 प्रशिक्षण में प्रवेश पाने के लिये अभ्यर्थियों का चयन वरीयता क्रम में किया गया है । वरीयता क्रम का निर्धारण निम्नांकित लब्धांक प्रदान करके किया गया है :—

परीक्षा	श्रेणी	प्रथम	द्वितीय	तृतीय/पूरक
हाई स्कूल	समकक्ष	40	20	5
इंटरमीडियेट	समकक्ष	60	40	10

समान लब्धांक वाले अभ्यर्थियों का वरीयता क्रम हाई स्कूल परीक्षा के मार्क्स (नम्बर) के आधार पर निश्चित किया जायेगा ।

निम्नलिखित श्रेणियों के अन्तर्गत आने वाले अभ्यर्थियों के स्थान सुरक्षित रखे गये हैं:—

(1) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के प्रवेश हेतु जिले की समस्त प्रशिक्षण संस्थाओं की सीटों के क्रमशः 18 प्रतिशत एवं 2 प्रतिशत स्थान ।

(2) सुरक्षा विभाग में कार्य करने वाले कर्मचारियों तथा भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके पुत्र, पुत्री, सगे भाई, सगी बहन एवं पत्नी को प्रशिक्षण संस्था की सीटों के 10 प्रतिशत स्थान ।

(3) स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के पुत्र, पुत्री, सगे भाई, सगी बहन, पत्नी, पौत्र, पौत्री, भतीजे तथा भतीजी के लिये 10 प्रतिशत स्थान ।

(4) शिक्षा विभाग में कार्यरत तथा 500 रु० तक प्रतिमाह वेतन पाने वाले शिक्षणोत्तर कर्मचारियों के पुत्र, पुत्री, पत्नी, तथा सगी बहन जिसकी शादी न हुई हो, तथा उनके भाई यदि उनके पिता जीवित न हो के लिये, 5 प्रतिशत स्थान ।

(5) विज्ञान के अभ्यर्थियों के लिये सामान्य अभ्यर्थियों के 25 प्रतिशत स्थान ।

(6) छात्रवृत्ति केवल 25 प्रतिशत प्रतिभावान छात्राध्यापकों/छात्राध्यापिकाओं को ही स्वीकृत की जायेगी ।

(7) आयु सीमा पुरुष एवं महिला --

न्यूनतम	..	17 वर्ष
अधिकतम	..	26 वर्ष

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिये अधिकतम आयु सीमा 29 वर्ष होगी ।

मान्यता प्राप्त संस्था के कार्यरत अप्रशिक्षित अध्यापकों के लिये यदि संस्था प्रशिक्षण के पश्चात् उन्हें अपनी संस्था में रखने के लिये तैयार हो तो जितने वर्ष की सेवा हो गई हो उतने वर्ष की अधिकतम आयु बन्धन से छूट प्रदान कर दी जायेगी ।

न्यूनतम आयु सीमा से मुक्ति देने का कोई प्राविधान नहीं है ।

3—सीनियर बेसिक स्तर—

इस स्तर पर अध्यापकों/अध्यापिकाओं को प्रशिक्षित करने हेतु वर्ष 1975-76 में प्रशिक्षण संस्थाओं की स्थिति निम्नवत् है:--

		पुरुष	महिला	योग
1--राजकीय जूनियर बेसिक ट्रेनिंग कालेज	..	4	--	4
2-- अशासकीय " "	..	1	--	1
3--राजकीय सी० टी० ट्रेनिंग कालेज	3	3
4-- अशासकीय " "	..	--	2	2
5--राजकीय गृह विज्ञान सी० टी० कालेज	1	1
6-- राजकीय शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय	..	1	1	2
7-- अशासकीय " "	..	2	--	2
योग	..	8	7	15

एलिमेंटरी स्तर पर शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने के दृष्टिकोण से वर्ष 1963-64 में राज्य शिक्षा संस्थान, इलाहाबाद को स्थापना की गई । वर्ष 1974-75 में राज्य शिक्षा संस्थान, इलाहाबाद में अध्यापकों के रिक्रेशर कोर्स हेतु विभिन्न विषयों पर साहित्य तैयार करने, उनके छपवाने तथा रिक्रेशर कोर्स केन्द्रों को वितरित करने हेतु एक प्राविधिक इकाई (टेक्निकल यूनिट) की स्थापना की गई है ।

4--उच्चतर माध्यमिक स्तर--

इस स्तर पर अध्यापकों को प्रशिक्षित करने के लिए प्रदेश में चार राजकीय तथा सात अशासकीय एल० टी० प्रशिक्षण महाविद्यालय हैं। इनमें से एक राजकीय एल० टी० प्रशिक्षण महाविद्यालय में महिला अभ्यर्थियों का प्रवेश होता है। इसके अतिरिक्त उपाधि महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में भी बी० एड०/बी० टी० प्रशिक्षण की व्यवस्था है। बेसिक शिक्षा के लिए राजकीय बेसिक प्रशिक्षण महाविद्यालय, वाराणसी में एल० टी० (बेसिक) प्रशिक्षण हेतु कुल निर्धारित प्रवेश स्थानों में से 50 प्रतिशत स्थान महिलाओं के लिये निर्धारित है।

5--विस्तार सेवा केन्द्र--

प्रदेश में विस्तार सेवा योजना 14 राजकीय तथा अशासकीय प्रशिक्षण महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के शिक्षा विभाग में चल रही है। इनका आर्थिक भार अब प्रदेश सरकार द्वारा वहन किया जा रहा है।

अध्याय--6

उच्च शिक्षा

1--प्रदेश में इस समय 19 विश्वविद्यालय चल रहे हैं। इन विश्वविद्यालयों में रुड़की (सहारनपुर) स्थित इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय, पंतनगर (नैनीताल) स्थित कृषि विश्वविद्यालय, वाराणसी स्थित सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय एवं काशी विद्यापीठ, फैजाबाद स्थित नरेन्द्रदेव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय तथा कानपुर स्थित चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय शामिल हैं। शेष तेरह विश्वविद्यालय लखनऊ, इलाहाबाद, आगरा, वाराणसी, अलीगढ़, गोरखपुर, कानपुर, मेरठ, नैनीताल, श्रीनगर (पौड़ी-गढ़वाल), झांसी, फैजाबाद तथा बरेली में हैं। इसके अतिरिक्त गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार (सहारनपुर) भी है जिसे विश्वविद्यालय जैसी संस्था का स्तर शासन द्वारा चौथी योजना में ही प्रदान किया जा चुका है।

2--वर्ष 1975-76 में पर्वतीय क्षेत्र में एक राजकीय डिग्री कालेज, बेरी नाग (पिथौरागढ़) में तथा मैदानी क्षेत्र में एक राजकीय महाविद्यालय, हमीरपुर में कला संकाय में खोला गया। राज्य में इस समय डिग्री कालेजों की संख्या 363 है। इनमें 24 राजकीय डिग्री कालेज सम्मिलित हैं। निम्नलिखित राजकीय महाविद्यालयों में नये 1,976 विषय एवं संकाय खोले गये तथा उच्चोक्त किये गये।

1--संकाय--

- (1) राजकीय महाविद्यालय, काशीपुर (नैनीताल) विज्ञान संकाय, भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, प्राणि शास्त्र, बनस्पति शास्त्र तथा गणित।
- (2) राजकीय महाविद्यालय, कोटद्वार (गढ़वाल) वाणिज्य संकाय, वाणिज्य।
- (3) राजकीय महाविद्यालय, जहरीखाल (गढ़वाल) कला संकाय, हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी सा०, संस्कृत, अर्थशास्त्र, इतिहास तथा भूगोल।
- (4) राजकीय महाविद्यालय ऋषिकेश (देहरादून) कला तथा वाणिज्यसंकाय, हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, भूगोल, अर्थशास्त्र तथा वाणिज्य।

ब--उच्चोक्त --

- (1) राजकीय महाविद्यालय, गोपेश्वर (चमोली) स्नातकोत्तर स्तर, अर्थशास्त्र, राजनीति शास्त्र, रसायन शास्त्र, गणित तथा बनस्पति शास्त्र।
- (2) राजकीय महाविद्यालय, उत्तरकाशी, स्नातकोत्तर, अर्थशास्त्र, हिन्दी, राजनीति शास्त्र, रसायन शास्त्र तथा बनस्पति शास्त्र।

3--इलाहाबाद स्थित पब्लिक लाइब्रेरी का प्रांतीयकरण 15 अगस्त, 1975 को किया गया है।

4--अशासकीय डिग्री कालेजों को विकास अनुदान हेतु योजनान्तर्गत वर्ष 1975-76 में मैदानी क्षेत्र के कालेजों को 7,00,000 रुपये तथा पर्वतीय क्षेत्र के कालेजों को 25,000 रुपये का विकास अनुदान स्वीकृत किया जायगा। बालकों के अशासकीय स्नातक तथा स्नातकोत्तर कालेजों में बालिकाओं की विशेष सुविधा हेतु वर्ष 1975-76 में 50,000 रुपये का प्राविधान किया गया है। गणित

समिति एयं गणित संस्थाओं को अनुदान देने हेतु वर्ष 1975-76 में 10,000 रुपये का प्राविधान किया गया है।

5- - छात्रवृत्ति—विश्वविद्यालय एवं डिग्री कालेजों के प्रतिभाशाली एवं परिश्रमी छात्रों को प्रोत्साहन देने, उनकी शिक्षा में व्यवधान को दूर करने के लिये विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं। निर्धन एवं मेधावी छात्र/छात्राओं को भी आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। वर्ष 1975-76 में आयोजनेतर बजट से 34, 43, 500 रुपये का प्राविधान स्नातक, स्नातकोत्तर तथा शोध कक्षाओं में पढ़ने वाले छात्रों के लिये है जिससे 2,128 नवीन छात्र और 3,687 पुराने छात्र लाभान्वित होंगे।

स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को अतिरिक्त छात्रवृत्तियां प्रदान करने की योजनान्तर्गत वर्ष 1975-76 में 67 बर्सरी 60 रु० प्रतिमाह की दर से तथा 67 पुस्तकीय सहायता 100 रु० वार्षिक की दर से देने हेतु 38,860 रु० का प्राविधान किया गया है।

उत्तराखण्ड जिलों के सामान्य एवं प्राविधिक शिक्षा में उच्च अध्ययन करने वाले छात्रों को छात्रवृत्तियां प्रदान करने की योजनान्तर्गत वर्ष 1975-76 में 2,94,400 रुपये की स्वीकृति दी गई। इसका कोई भौतिक लक्ष्य निर्धारित नहीं है। उपलब्ध धनराशि के आधार पर विभिन्न पाठ्यक्रमों में ये स्नातक में छात्रवृत्तियां स्वीकृत की जायंगी।

6--वर्ष 1975-76 में 1-4-75 से नये ऐक्ट के अनुसार राज्य निधि से सहायता प्राप्त करने वाले समस्त अशासकीय डिग्री कालेजों को शिक्षा विधि संशोधन अधिनियम, 1975 के अन्तर्गत महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों एवं कर्मचारियों के वेतन का भुगतान सरकारी एजेन्सी के माध्यम से मंडलीय उप शिक्षा निदेशक या उनके द्वारा एतदर्थ प्राधिकृत अधिकारी के माध्यम से कराया जा रहा है।

7--शासन ने उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 द्वारा विनियमित विश्व-विद्यालयों तथा उनसे सम्बद्ध/सहयुक्त गैर सरकारी डिग्री कालेजों (सम्पूर्ण नन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी से सम्बद्ध महाविद्यालयों को छोड़कर) के अध्यापकों के लिये विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की संस्तुति पर केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकृत नवीन वेतन मानों को लागू कर दिया है।

8--पाठ्य पुस्तक बैंक और लेंडिंग लाइब्रेरी—प्रदेश में 231 डिग्री कालेजों में बुक बैंक स्थापित करने हेतु अनुदान प्राप्त करने के लिये प्रार्थना पत्र विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को भेज दिये हैं। इनमें से अधिकांश को अनुदान प्राप्त हो गया है तथा बुक बैंक वहाँ स्थापित हो गये हैं। विश्व-विद्यालय अनुदान आयोग द्वारा बुक बैंक की स्थापना हेतु डिग्री कालेजों को स्वीकृत अनुदान के अंशदान के रूप में कालज द्वारा लगाये जाने वाले 25 प्रतिशत भाग के लिये 10 प्रतिशत ब्याज की दर से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से ऋण की व्यवस्था कर दी गई है। इलाहाबाद, लखनऊ और गोरखपुर विश्वविद्यालयों में कोआपरेटिव लेंडिंग लाइब्रेरी की व्यवस्था चल रही है। लखनऊ विश्वविद्यालय न प्रयोगात्मक रूप से चक्रमुद्रित पाठ्य-पुस्तकों की योजना आरम्भ की है।

1--सामाजिक शिक्षा--

इसके लिये शिक्षा प्रसार विभाग द्वारा सन् 1938 से निरन्तर अनुभव जनित तत्वों, विशिष्ट व्यक्तियों के माध्यम से निरक्षरता उन्मूलन का कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। ग्रामीण अंचलों में 1,400 राजकीय ग्रामीण पुस्तकालय एवं 3,600 वाचनालय चलाये जा रहे हैं। 8 जनपदों के 11 जनता पुस्तकालयों को वर्ष 1974-75 में 1,000 रु० की धनराशि स्वीकृत की गई है। विभागीय अधिकारियों के उपयोग के लिये मुख्यावास पर एक पुस्तकालय है। समाज शिक्षा संचालित करने के लिये चार सचल दल मिल कर पूर्ण इकाई के रूप में कार्य करते हैं। विभाग के पास चल चित्र निर्माण, प्रादेशिक चल चित्रालय तथा श्रव्य-दृश्य प्रशिक्षण केन्द्र भी हैं।

प्रदेश में उन्मुक्त स्वाध्याय की सुविधायें सुलभ करने एवं सार्वजनिक पुस्तकालय सेवा के उत्थान एवं प्रसार की दृष्टि से केंद्रीय राज्य पुस्तकालय तथा 10 जिला राजकीय पुस्तकालय कार्य कर रहे हैं। पंचम पंचवर्षीय योजना में प्रदेश के उत्कृष्ट सार्वजनिक पुस्तकालयों को आचलक, अनावलक तथा न्यून अनुदान दिया जा रहा है।

2--अनौपचारिक शिक्षा--

सामाजिक एवं आर्थिक कारणों से बच्चे बीच में ही पढ़ाई छोड़ देते हैं तथा निरक्षर रह जाते हैं। ऐसे बच्चों एवं युवकों को साक्षर बनाने हेतु अनौपचारिक शिक्षा के निम्नलिखित कार्यक्रम प्रारम्भ किये गये हैं :-

अ--11-14 वय वर्ग के बच्चों के लिए अंशकालिक कक्षाएँ--इस योजना के अन्तर्गत प्रदेश के 47 मैदानी जनपदों तथा नैनीताल जनपद में 35-35 केन्द्र और शेष 7 पर्वतीय जनपदों में 15-15 केन्द्र चल रहे हैं। एक केन्द्र पर 40 बच्चों को शिक्षित करने का लक्ष्य है।

ब--15-25 वय वर्ग के लिए अंशकालिक शिक्षा केन्द्रों की स्थापना--इस योजना के अन्तर्गत प्रदेश के 47 मैदानी जनपदों तथा नैनीताल जनपद में 25-25 केन्द्र और शेष 7 पर्वतीय जनपदों में 15-15 केन्द्र चलाये जा रहे हैं। प्रत्येक केन्द्र पर 40 व्यक्तियों को शिक्षित किया जाता है।

स--केंद्रीय सरकार की किसान साक्षरता योजना--यह योजना वर्ष 1975-76 में प्रदेश के 11 जनपदों (लखनऊ, आगरा, रायबरेली, गाजीपुर, फैजाबाद, आजमगढ़, सहारनपुर नैनीताल, कानपुर, इटावा तथा प्रतापगढ़) में चल रही है। प्रत्येक जनपद में सह परिियोजना-धिकारी तथा 2 पर्यवेक्षक नियुक्त किये गये हैं। प्रत्येक जनपद में 60 केन्द्र हैं। आलोच्य वर्ष में 5 अन्य जिलों में इस योजना का विस्तार किया गया है।

वर्ष 1974-75 के अन्त में संस्कृत पाठशालाओं की संख्या 938 रही। वर्ष 1974-75 में मैदानी क्षेत्र के 11 तथा पर्वतीय क्षेत्र के 2 संस्कृत पाठशालाओं को अनुरक्षण अनुदान, मैदानी क्षेत्र के 18 तथा 3 पर्वतीय क्षेत्र की संस्कृत पाठशालाओं को विकास अनुदान दिया गया। वर्ष 1975-76 में मैदानी क्षेत्र के 5 तथा पर्वतीय क्षेत्र की 1 संस्कृत पाठशाला को अनुरक्षण अनुदान, मैदानी क्षेत्र की 8 संस्कृत पाठशालाओं को विकास अनुदान देने का प्राविधान है।

संस्कृत के असहाय विद्वानों को जो अपने ही आचास पर विद्यार्थियों को पढ़ाते हैं अथवा अनुसंधान कार्य में योगदान देने हैं, ऐसे 26 विद्वानों को 7,500 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। वर्ष 1974-75 में 61 विद्वानों को 86,173 रु की आर्थिक सहायता दी गई। इसके अतिरिक्त प्रदेश के वेद पंडितों को पुरस्कार देने की योजनागतगत 1,500 रु प्रति वेद पंडित की दर से 10 पंडितों को 15,000 रुपये स्वीकृत किया गया। वर्ष 1975-76 में भी उपर्युक्त आर्थिक सहायताएँ एवं पुरस्कार प्रदान किया जायगा। वर्ष 1974 में 2 संस्कृत अध्यापकों को राष्ट्रीय पुरस्कार देकर भारत सरकार ने सम्मान प्रदान किया। वर्ष 1975 में भी 2 अध्यापकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जायगा।

4—अरबी तथा फारसी शिक्षा—

प्रदेश में अरबी तथा फारसी की कुल मान्यता प्राप्त मदरसों की संख्या 153 है। इनमें से 127 मदरसे राज्य से सहायता प्राप्त अनुदान सूची पर हैं। सहायता प्राप्त मदरसों के अतिरिक्त एक राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मिर्जापुर का ओरियन्टल सेक्शन और दूसरा राजकीय ओरियन्टल कालेज, रामपुर है। वर्ष 1974-75 में मैदानी क्षेत्र के 14 मदरसों को विकास एवं प्रारम्भिक अनुदान 1,32,740 रु स्वीकृत किया गया। वर्ष 1975-76 में भी आवर्तक एवं अनावर्तक अनुदान मदरसों को स्वीकृत किया जायगा।

अरबी, फारसी मदरसों की देख भाल के लिए प्रदेश में एक निरीक्षक अरेबिक मदरसा है। अरबी, फारसी की परीक्षाओं के लिये शासन द्वारा गठित एक बोर्ड है। यह बोर्ड आवश्यकतानुसार पाठ्यक्रम में सुधार एवं संशोधन करता है।

5—उर्दू शिक्षा एवं अल्प संख्यकों की सुविधा—

प्रदेश में अल्प संख्यकों को विशेष सुविधा एवं उर्दू शिक्षा एवं उर्दू साहित्य के विकास, प्रस्तर तथा उन्नयन के लिये उर्दू अकादमी स्थापित की गई है। उर्दू अकादमी को वर्ष 1974-75 में शासन न 5,10,000 रुपये का अनुदान दिया है। अन्जुमन-ए-तरक्की-ए-उर्दू को, 6 बड़े शहरों में उर्दू माध्यम से 5 वीं कक्षा तक के माडल स्कूल खोलने हेतु तथा 6 से 10 जनपदों में प्रौढ़ माडल साक्षरता कक्षाएँ प्रारम्भ करने हेतु 80,000 रुपये एकमुश्त स्वीकृत किया गया।

6—आंग्ल भारतीय शिक्षा—

प्रदेश में इस समय विभिन्न स्तर की शिक्षा के लिये 67 अंग्रेजी माध्यम शिक्षण संस्थायें हैं। इनमें एक शिक्षक प्रशिक्षण संस्था भी शामिल है। आंग्ल भारतीय विद्यालयों की परीक्षा कौंसिल फार इंडियन स्कूल सर्टीफिकेट इन्वैजामिनेशन, नई दिल्ली द्वारा संचालित होती है। आई0 एस0सी की अंतिम परीक्षा दिसम्बर, 1975 में हुई। वर्ष 1976 से कौंसिल द्वारा अब 10+2 वर्षीय पाठ्यक्रम प्रारम्भ कर दिया गया है। छः हाई/हायर सेकेंड्री स्कूलों को माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा भी मान्यता प्रदान की गई है। पांच विद्यालय केंद्रीय सरकार के रेल मंत्रालय द्वारा संचालित हैं शेष सभी विद्यालय निजी प्रबन्ध समितियों द्वारा चलाये जाते हैं। इन विद्यालयों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ तथा अनुशासन उत्तम है। आख्यागत वर्ष में केवल आठ विद्यालय आवर्तन अनुदक्षण अनुदान सूची में हैं।

जनपद नैनीताल के जिला विद्यालय निरीक्षक इन विद्यालयों के भी निरीक्षण का कार्य सम्पादित करते हैं।

7—दक्षिण भारतीय भाषाओं तथा अन्य क्षेत्रीय भाषाओं की शिक्षा—

भावात्मक एवं राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहन प्रदान करने के उद्देश्य से दक्षिण भारतीय भाषाओं के शिक्षण की योजनागतगत वर्ष 1975-76 के आयोजनेत्तर बजट में 2,30,000 रु व्यय करने

का प्राविधान है। मोती लाल नेमोरियल सोसाइटी, लखनऊ द्वारा संचालित दक्षिण भारतीय भाषाओं (तामिल तथा तेलगू) का उच्च अध्ययन चल रहा है। इसके अतिरिक्त भारत सरकार तथा प्रदेशीय शासन द्वारा प्रदान की गयी आर्थिक सहायता से उक्त सोसाइटी द्वारा कन्नड़ तथा मलयालम भाषाओं की कक्षाएं भी चलाई जा रही हैं।

केंद्र सरकार द्वारा पोषित क्षेत्रीय भाषाओं के शिक्षण की नई याज्जान्तर्गत क्षेत्रीय भाषाओं में प्रशिक्षित अध्यापकों को 20 रु० प्रतिमाह प्रति अध्यापक विशेष वेतन देने की व्यवस्था की गई है। यह विशेष वेतन उन प्रशिक्षित अध्यापकों को देय होगा जो संबंधित भाषा के कम से कम 10 छात्रों को पढ़ाते हैं।

8--कृषि शिक्षा--

प्रवेश की विद्यालय कृषि शिक्षा को प्रभावशाली बनाने के लिये वर्ष 1974-75 से परिवर्द्धित कार्यक्रम का प्रयास प्रारम्भ हुआ। प्रत्येक विद्यालय में साधन तथा सुविधा को ध्यान में रख कर एक कृषि परियोजना का चयन करके परियोजना का संचालन कराया गया। निदेशक, उद्यान द्वारा साग-सब्जी उत्पादन में विद्यार्थियों के सक्रिय सहयोग की अपेक्षा की गई। फलस्वरूप अधिकांश विद्यालयों में साग-सब्जी उत्पादन को एक परियोजना के रूप में अपनाया गया। पर्वतीय क्षेत्र के विद्यालयों में विशेष रूप से मधुमक्खी पालन, रेशमकीट पालन, कुक्कुट पालन, फल संरक्षण को स्थान दिया गया।

प्रदेश में वन क्षेत्र में निरन्तर गिरावट होते देखकर उत्तर प्रदेश शासन, शिक्षा विभाग तथा वन विभाग के सामूहिक प्रयास से वृक्षारोपण कार्यक्रम को जुलाई, 1975 से प्रारम्भ किया गया है। विद्यालयों में छोटी-बड़ी बाटिका स्थापित करने का भी अभियान चलाया गया। पूर्व से स्थापित बाटिकाओं के जीर्णोद्धार का कार्यक्रम प्रारम्भ करना है। विद्यालय प्रांगण को चिन्हित करने हेतु मड़बन्दी तथा घेरवाड़ की व्यवस्था पर भी बल दिया गया है। विद्यालयों में शैक्षिक वातावरण बनाने तथा पठन-पाठन के समुचित साधन उपलब्ध कराने के लिये "टू वर्ड्स ए लिटरेट नेशन" नामक बुलेटिन की प्रतियां सभी जनपदीय एवं सम्भागीय अधिकारियों को निगंत की गयी।

9--मनोविज्ञान की शिक्षा सुविधाएं --

प्रवेश में मनोविज्ञानशाला, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद द्वारा मनोविज्ञान की शैक्षिक, व्यावसायिक क्षेत्र में वैयक्तिक तथा सामूहिक निर्देशन के साथ-साथ प्रशिक्षण, प्रवेश, चयन, शोध, प्रकाशन तथा व्यावसायिक सूचनाओं के प्रसारण का कार्य किया जाता है। इसक अतिरिक्त इस वर्ष मंडलीय मनोवैज्ञानिक केन्द्र, कानपुर को पुनः चालू किया गया। मनोविज्ञानशाला द्वारा निम्नलिखित कार्य किये गये:--

(अ) छात्रवृत्ति विवरण--प्रशिक्षण राज्य के सभी राजकीय (बालक/बालिका) विद्यालयों के एक-एक बरिष्ठ अध्यापक/अध्यापिका को, मनोविज्ञानशाला में त्रिदिवसीय छात्रवृत्ति विवरण प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में कुल 257 विद्यालयों के अध्यापक/अध्यापिकाएं सम्मिलित हुए। यह प्रशिक्षण छात्रवृत्ति विवरण पंजिका तथा उसके रख-रखाव के विषय में दिया गया।

(ब) कैरियर मास्टर प्रशिक्षण--इसमें सहायता प्राप्त 16 विद्यालयों के एक-एक अध्यापक तथा राजकीय विद्यालयों के एक अध्यापक ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के अन्त में एक लिखित परीक्षा ली गयी एवं साक्षात्कार भी किया गया। प्रशिक्षण की अवधि में 6 कैरियर बातचीत, सेवायोजन कार्यालय और प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी के भ्रमण भी प्रशिक्षणार्थियों को उनके हितार्थ कराये गये।

10--अंग्रेजी भाषा शिक्षण संस्थान--

इलाहाबाद स्थित इस संस्थान का मुख्य उद्देश्य अंग्रेजी शिक्षकों का आधुनिक विधियों के अनुसार प्रशिक्षण, प्रकाशन तथा अनुसंधान है । वर्ष 1974-75 तक 1,372 अध्यापकों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया है । वर्ष 1975-76 में प्रशिक्षण के अन्तर्गत दो डिप्लोमा कोर्स होंगे जिसमें लगभग 80 शिक्षक प्रशिक्षित किये जायेंगे । दो ग्रीष्म कालीन कोर्स तथा 6 अल्पकालीन कोर्स आयोजित किये गये । पर्याप्त संख्या में प्रशिक्षार्थी प्राप्त करने के लिये यदि संभव हुआ तो प्राइवेट संस्थाओं के भी शिक्षक लिये जायेंगे क्योंकि इन संस्थाओं में अंग्रेजी की अध्यापन दशा अच्छी नहीं है । संस्थान कुछ विश्वविद्यालयों में तथा माध्यमिक शिक्षा परिषद् की अंग्रेजी समिति में प्रतिनिधित्व प्राप्त करने का प्रयास करेगा ताकि बी० एड० कालेजों में अंग्रेजी शिक्षण को प्रभावित किया जा सके एवं हाई स्कूल तथा इंटर के अंग्रेजी पाठ्यक्रम में भी कुछ वांछित परिवर्तन किया जा सके ।

पुस्तकें लिखने के अन्तर्गत बुलेटिन में दोअंक प्रकाशित करना, अंग्रेजी पढ़ाने से संबंधित संस्थान के प्राध्यापकों द्वारा लिखी एक पुस्तिका प्रकाशित करना । कक्षा 8 के लिये अंग्रेजी की राष्ट्रीयकृत पुस्तक के लिये आकाशवाणी, लखनऊ/इलाहाबाद से अंग्रेजी के पाठ लिखे जायेंगे ।

11--राज्य हिन्दी संस्थान--

हिन्दी भाषा और हिन्दी शिक्षण पद्धति के परिवर्धन के लिये राज्य हिन्दी संस्थान की उपयोगिता सिद्ध हुई है । संस्थान का प्रमुख कार्य--(1) प्रशिक्षण, (2) प्रकाशन, (3) शोध है । प्रशिक्षण के अन्तर्गत मई 1975 तक 953 अध्यापक एवं प्रति उप विद्यालय निरीक्षक हिन्दी की नवीन शिक्षण विधि में प्रशिक्षित किये गये । वर्ष 1975-76 में मिर्जापुर एवं इटावा जनपदों के मुख्यावास पर अनुसरण गोष्ठियां संयोजित की गयी हैं । शिशु गीत कक्षा 1-5 व कक्षा 6-8 प्रकाशित करने की योजना है । शोध की दृष्टि से शब्दों के अध्ययन का कार्य हुआ । बीज वाक्य व उसके विस्तार की प्रक्रिया प्रकाशित हुई । अतः कक्षाओं की उपयोगिता, वर्तनों की अशुद्धियों का नैदानिक अध्ययन शिक्षण-किट आदि से सम्बद्ध कार्य चल रहा है ।

12--राज्य शिक्षा संस्थान--

प्रदेश की प्रारम्भिक शिक्षा में गुणात्मक सुधार हेतु सन् 1964 से राज्य शिक्षा संस्थान बराबर कार्य कर रहा है । वर्ष 1974-75 में संस्थान के कार्यक्रमों तथा उपलब्धियों का विवरण निम्न-वत है:--

संस्थान के चार प्रमुख विभाग हैं--(1) शोध एवं प्रशिक्षण, (2) पत्रधारित बी० टी० सी० प्रशिक्षण, (3) कक्षा 8 तक की आदर्श शोध पाठशाला, (4) प्राविधिक इकाई (फरवरी, 1975 में स्थापित) । उपर्युक्त कार्यविधियों से संबंधित विचार एवं लेख "संस्थान समाचार" तथा "संस्थान विचार" नामक पत्रिका में प्रकाशित होते हैं । पत्राचार प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत दो बैचों में 5,824 अप्रशिक्षित सेवारत अध्यापकों के प्रशिक्षणार्थ अध्यापन विज्ञान के पाठों को प्रेषित किया गया ।

संस्थान में स्थापित प्राविधिक इकाई के अन्तर्गत मार्च, 1975 तक एक अधिकारी, तीन प्रवक्ताओं तथा दो टंककों ने अपना कार्यभार ग्रहण किया । इस योजना के अन्तर्गत 5 पुनर्बोधन प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना की गई ।

13—राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान—

विभिन्न स्कूलों के स्तरों पर विज्ञान शिक्षा के आधुनिकीकरण एवं उन्नयनाथ वर्ष 1974-75 में निम्नलिखित प्रमुख कार्य संस्थान द्वारा किया गया है :-

(अ) प्रारम्भिक स्तर पर राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम तथा पाठ्य पुस्तकों का अनुकूलन जारी रहा। पाइलेट प्राजेक्ट से प्राप्त अनुभव के आधार पर उक्त अनुकूलन द्वारा प्रदेश की कक्षा 8 की राष्ट्रीय स्तर विज्ञान पाठ्य पुस्तक का निर्माण किया गया। प्रारम्भिक विद्यालयों तथा दीक्षा विद्यालयों के लिए यूनिसफ से प्राप्त विज्ञानोपकरण किट वितरित किये गये तथा उनके प्रयोग से अध्यापकों को परिचित कराया गया। 1,211 जूनियर हाई स्कूल विज्ञान अध्यापक जिला स्तरीय कोर्सों के माध्यम से नवीन पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किये गये।

(ब) माध्यमिक स्तर पर हाई स्कूल एवं इण्टर कक्षाओं के लिए विज्ञान व गणित विषयों की मूल्यांकन संबंधी सामग्री एन0सी0ई0आर0टी0 की सहायता से आयोजित कार्यशाला में निर्मित की गई तथा उसे प्रकाशित करा कर प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों में वितरित किया गया। 4,131 हाई स्कूल कक्षाओं को पढ़ाने वाले विज्ञान अध्यापकों को जिला स्तरीय कोर्सों द्वारा नवीन ढंग से प्रश्न पत्रों के निर्माण-कार्य के लिए प्रशिक्षित किया गया। इन कोर्सों के शिक्षक, प्रशिक्षकों को 8 सप्ताह इंस्टीट्यूट्स के माध्यम से तैयार किया गया।

प्रदेशीय स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनी तथा छात्र वैज्ञानिक अनुसंधान प्रतियोगिता का आयोजन गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी नवम्बर माह में किया गया। इस प्रदर्शनी में शिक्षा विभाग के 11 माडलों के अतिरिक्त अन्य विशिष्ट संस्थाओं ने भी भाग लिया।

14--राष्ट्रीय स्वस्थता दल (एन० एफ० सी०)--

यह योजना पहले भारत सरकार द्वारा चलायी जा रही थी। शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश के अधीन एन० एफ० सी० अनुभाग की पृथक स्थापना माह अक्टूबर, 1972 में की गई जिसके लिए अधिकारियों सहित 24 व.मंचारियों के अस्थाई पदों का सृजन शासन द्वारा किया गया है। इस योजना के अन्तर्गत होने वाले समस्त व्यय को केन्द्रीय सरकार वहन करती है। विद्यार्थियों में जीवन के प्रजा-तांत्रिक मूल्यों को समझना और अपने देश के प्रति प्रेम की भावना उत्पन्न करना ही इसका मुख्य उद्देश्य है।

वर्तमान समय में १०1 अनुदेशक कार्यरत हैं जो विभिन्न जनपदों के राजकीय एवं अराजकीय विद्यालयों में पदस्थापित हैं। एन० एफ० सी० अनुदेशकों का कार्यकलाप निम्न प्रकार है :-

- (1) अभ्यास सारणियां (व्यायाम एवं आसन), (2) कवायव एवं मार्च करना, (3) लेंजिम, (4) जिम्नास्टिक/लोक नृत्य, (5) बड़े खेल, छोटे खेल तथा रिले, (6) धावन पथ और मंढान की प्रतियोगिताएं, कसौटियां और पद यात्रा (हाईकिंग), (7) मुकाबले के खेल, (8) राष्ट्रीय आवर्ष और अच्छी नागरिकता व्यवहारिक परियोजनाएं, राष्ट्रीय गीत तथा भावनात्मक और राष्ट्रीय एकता के गीतों का सामूहिक गान।

विभाग की अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धियां

1--राष्ट्रीय बजट योजना--

इस योजना के अन्तर्गत 14 सितम्बर, 1974 से संचायिका दिवस मनाया गया। संचायिका योजना के अन्तर्गत वर्ष 1974-75 में 84,910 सदस्य बनाये गये तथा 6,05,948.55 रुपये जमा कराये गये। शासन द्वारा वर्ष 1975-76 के लिए भी आवेश प्राप्त हो गये हैं जिसमें 4 लाख सदस्य एवं 22 लाख रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस संबंध में माध्यमिक विद्यालयों को आवेश निर्गत कर दिये गये हैं।

2--राष्ट्रीय अध्यापक कल्याण प्रतिष्ठान योजना --

इसका मुख्य उद्देश्य ऐसे अध्यापकों और उनके आश्रितों को सहायता देने की व्यवस्था करना है जिनकी आर्थिक स्थिति दयनीय है। इस प्रतिष्ठान के प्रबन्ध और प्रशासन के लिए केन्द्रीय स्तर पर भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली में एक सामान्य समिति गठित है। प्रादेशिक स्तर पर इस कार्य के लिए कार्यकारिणी समितियां भी हैं। इस राज्य में प्रदेशीय कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष, शिक्षा मंत्री तथा सचिव कोषाध्यक्ष, शिक्षा निदेशक, उत्तर प्रदेश हैं। अब तक इस योजनान्तर्गत 2,424 अभ्यर्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा चुकी है।

3--लाभत्रयी योजना --

शासन ने राज्य निधि से सहायता प्राप्त शिक्षा संस्थाओं के अवकाश प्राप्त अध्यापकों को पेंशन/ अनुग्रह पेंशन आनुतोषिक एवं फंड की जो सुविधायें प्रदान की हैं, उसके लिये आयोजनेतर बजट में शिक्षा के विभिन्न स्तरों के अध्यापकों के लिये वर्ष 1975-76 में निम्नलिखित धनराशि का प्राविधान किया है--

मद	बेसिक स्तर		माध्यमिक स्तर		डिग्री स्तर	
	सैदानी	पर्वतीय	सैदानी	पर्वतीय	सैदानी	पर्वतीय
1	2	3	4	5	6	7
1--पेंशन एवं अनुग्रह पेंशन की व्यवस्था हेतु।	15,00,000	..	7,92,000	2,00,000	3,50,000	..
2--आनुतोषिक की व्यवस्था हेतु।	38,000	..	8,000	2,000	10,000	..
3--प्राविधायी धन के राजकीय अंश का भुगतान (केवल माध्यमिक स्तर)।	4,70,000	90,000

1	2	3	4	5	6	7
4--सामूहिक बीमा योजना की व्यवस्था अध्यापकों का अंशदान ।	70,000
5--सरकारी अंशदान	7,13,000	..	11,66,000

4--भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद को अपनी सेवाओं को विस्तृत करने एवं कार्य कलापों को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए वर्ष 1975-76 में 70,000 रुपया आयोजनेतर बजट से तथा 2,00,000 रुपया आयोजनागत बजट से देने का प्राविधान किया गया है ।

5--प्रदेश में कक्षा-6-8 में स्कार्टिंग को अनिवार्य कर दिया गया है ।

6--रियायती मूल्य पर अभ्यास पुस्तिकाओं की आपूर्ति की भी समुचित व्यवस्था शासन द्वारा कर दी गयी है । मेसर्स बल्लारपुर पेपर एण्ड स्टू बोर्ड लिमिटेड (कैंपिटल स्टेशनरी वर्क्स, जगाधरी, हरियाणा) को अपने अधिकृत वितरकों के माध्यम से इस प्रदेश में विभिन्न प्रकार की कापियां शासन द्वारा निर्धारित मूल्य पर बेचने की अनुमति दे दी गई है । इसके अतिरिक्त केंद्रीय सरकार से इस प्रदेश को आंत्रित रियायती मूल्य के कागज को प्रदेश के कुछ जिलों में स्थित अभ्यास पुस्तिकाओं के उत्पादकों का इस प्रतिबन्ध पर आंत्रित कर दिया गया है कि वे इस कागज की कापियां बनाकर शासन द्वारा निर्धारित मूल्य पर बेचें । उत्तर प्रदेश में इन अभ्यास पुस्तिकाओं का मूल्य अन्य प्रदेशों की तुलना में कम था ।

7--प्रदेश के 4 अराजकीय एल 0 टी 0 प्रशिक्षण महाविद्यालयों के शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के वेतनमान 1-4-1974 से संशोधित हो चुके हैं ।

8--शिक्षा के माध्यमिक तथा बेसिक स्तर के बीच समन्वय बनाये रखने तथा उस पर सुचारु रूप से नियंत्रण रखने के दृष्टिकोण से इन दोनों स्तरों की शिक्षा को एक शिक्षा निदेशक के अन्तर्गत रखने का निर्णय सितम्बर, 1975 में शासन द्वारा लिया गया, परिणामतः उत्पन्न हुए बंधानिक एवं प्रशासनिक अड़चनों को नियंत्रित कर लिया गया है ।

9--राजकीय दीक्षा विद्यालयों से संलग्न आदर्श विद्यालयों, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों अथवा राजकीय उपाधि महाविद्यालयों तथा इन्हीं कोटि के सहायता प्राप्त अशासकीय शिक्षण संस्थाओं में नियुक्त 200 ह 0 तक वेतन पाने वाले अध्यापकों एवं कर्मचारियों के बच्चों को शुल्क मुक्ति की सुविधा अभी तक उपलब्ध थी । वर्ष 1974 से 450 ह 0 तक वेतन पाने वाले शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के बच्चों के लिये यह सुविधा प्रदान की गई है ।

10--बालाहार एवं विशेष पौष्टाहारकी योजना--विज्ञान की नवीनतम जांच से सिद्ध हो चुका है कि असंतुलित भोजन से न केवल शरीर क्षीण होता है अपितु मानसिक विकास भी क्षीण होता है । अल्प आयु में ही बच्चों को प्रोटीनयुक्त संतुलित आहार देने से उनके स्वास्थ्य की अच्छी नींव पड़ती है तथा मानसिक दक्षता भी तीव्र होती है । अपर्याप्त पोषण के कुप्रभाव से बचने के लिये न्यूनतम आवश्यक कार्यक्रम के अन्तर्गत सामाजिक दृष्टि से पिछड़े हुए वर्गों के पूर्व विद्यालीन बच्चों, गर्भवती तथा धात्री माताओं को पौष्टाहार देने के लिये बालाहार एवं विशेष पौष्टाहारकी योजना शिक्षा विभाग द्वारा 13 जिलों में संचालित की जा रही है । इस योजना के फलस्वरूप पिछड़े वर्ग के लगभग 1.50 लाख बच्चे, औरतें लाभान्वित हो सकेंगी । प्रदेश के 8 जिलों में खाद्यान्न केयर एवं वर्ल्ड फूड प्रोग्राम से उपहार स्वरूप मिलेगा ।

11--स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास की स्रोत सामग्री का संकलन एवं प्रकाशन--

उत्तर प्रदेश में स्वतंत्रता संग्राम इतिहास की स्रोत सामग्री बिखरी पड़ी हुई है। अतः उस स्रोत सामग्री को संकलित कर प्रकाशित करने का निश्चय किया गया है। इस दिशा में कुछ काम हो चुका है और अभी पर्याप्त कार्य अवशेष है। अतः स्रोत सामग्री को संकलित एवं सम्पादित कर प्रकाशित कराने हेतु सरकार ने एक समिति का गठन कर दिया है और इस ओर कार्य प्रगति पर है।

12--बाल भवन--आधुनिक समाज में बच्चों के माता-पिता कार्य में इतने व्यस्त रहते हैं कि वह अपने बच्चों के विकास की ओर पर्याप्त समय नहीं दे पाते। अल्प आयु बच्चों के सम्बेदनशील मस्तिष्क को विकसित करने के लिए तथा उनकी मनोवृत्ति का मूल्यांकन कर उन्हें सही दिशा में अग्रसारित करने के लिये समुचित सुविधायें उपलब्ध नहीं हैं। इसका यह परिणाम होता है कि इन बच्चों का विकास अवरोध हो जाता है। अतः राज्य सरकार ने निश्चय किया है कि प्रदेश में 5-15 वर्ष की आयु के बच्चों के लिये बाल भवन की स्थापना की जाय। एक बाल भवन में लगभग 200 बच्चों को सुविधा दी जाय जिसमें से 10 प्रतिशत सुविधा पिछड़े निर्बल वर्ग के बच्चों के लिए सुरक्षित किया जाना प्रस्तावित है:--

- (1) बच्चों के क्रियात्मक कौशल का निखार।
- (2) उनकी अभिरुचि का विकास।
- (3) बच्चों को अपनी क्षमता का अनुभव कराने के लिये प्रोत्साहित करना।
- (4) बच्चों को खेल कूद तथा मनोरंजन की सुविधायें देना।

13--बीस सूत्रीय कार्यक्रम--बीस सूत्रीय कार्यक्रम के अन्तर्गत-नियंत्रित मूल्यों पर पाठ्य पुस्तकों तथा लेखन सामग्री की व्यवस्था और बुक बैंक की स्थापना की कार्यवाही शिक्षा विभाग द्वारा की गयी है।

14--पाठ्य पुस्तकें--

उचित मूल्यों पर पाठ्य पुस्तकों का विक्रय सुनिश्चित करने के लिये कक्षा 1 से 12 तक की पाठ्य पुस्तकों के मूल्य निर्धारित हेतु गठित समिति के सुझावों पर राज्य सरकार ने लगभग 1,500 पाठ्य पुस्तकों के मूल्य निर्धारण करके उनको जुलाई, 1975 में "डिफेंस एण्ड इंटरनल सिक्योरिटी आफ इंडिया रूल्स के अन्तर्गत आदेश" से इस शैक्षिक सत्र से लागू किया। इससे बहुत सी पाठ्य पुस्तकों के मूल्य 20 से 30 प्रतिशत तक कम हुए। शैक्षिक सत्र 1976-77 में इन पाठ्य पुस्तकों के मूल्य और भी कम करने के लिये निम्नलिखित कार्यवाही की जा रही है:--

(क) कक्षा 1 से 8 तक की पाठ्य पुस्तकें राष्ट्रीयकृत की जा चुकी हैं। कक्षा 9 से 12 तक की हिन्दी की पाठ्य पुस्तकों का भी राष्ट्रीयकरण हो चुका है। जुलाई, 1976 से कक्षा 9 और 10 की अंग्रेजी की पाठ्य पुस्तकों के राष्ट्रीयकरण की कार्यवाही हो रही है। इसके उपरान्त गणित तथा विज्ञान के विषयों की पुस्तकों का राष्ट्रीयकरण किया जायगा।

(ख) डिफेंस एंड इंटरनल सिक्योरिटी आफ इंडिया रूल्स के अन्तर्गत एक आदेश जारी करके कक्षा 1 से 12 तक की पाठ्य पुस्तकों को भारत सरकार से राज्य सरकार को प्राप्त होने वाली रियायती मूल्य के कागज के अतिरिक्त किसी और कागज का प्रयोग करने का निषेध कर दिया गया है।

(ग) कक्षा 1 से 8 तक की राष्ट्रीयकृत पाठ्य पुस्तकों के मूल्यों को और भी कम करने के लिये इन पुस्तकों का पुनर्गठन किया जा रहा है जिसमें आवरण पृष्ठों में रंगों की कमी, प्रत्येक पृष्ठ में पंक्तियों की संख्या में वृद्धि और एक से अधिक पाठ्य पुस्तकों को एक ही आवरणपृष्ठ में रखना सम्मिलित है।

15—अभ्यास पुस्तिकाय

भारत सरकार से राज्य सरकार को आवंटित रियायती मूल्य के लगभग 9,000 टन कागज से अभ्यास पुस्तकों निमित्त कराके छात्रों को सस्ती अभ्यास पुस्तिकायें इस शैक्षिक सत्र में उपलब्ध करायी गयीं। इन अभ्यास पुस्तिकाओं के मूल्य भारत सरकार द्वारा संस्तुत मूल्यों से कम हैं। छात्रों को बीस सूत्रीय कार्यक्रम की जानकारी कराने के लिये इन अभ्यास पुस्तिकाओं के आवरण पृष्ठ के अन्त में इस कार्यक्रम को अद्विजित करने के आदेश दिये गये हैं। बाजारों में प्रचुर संख्या में ये कम मूल्य की अभ्यास पुस्तिकायें उपलब्ध हैं।

भारत सरकार ने हाल में अभ्यास पुस्तिकाओं के नये आकार और मूल्य लागू करने का सुझाव दिया है। इनमें से इस राज्य में लागू की गयी अभ्यास पुस्तिकायें और उनके निर्धारित किये गये मूल्य नीचे की तालिका में दिये गये हैं। ये मूल्य विक्रय कर सम्मिलित करते हुए हैं और इन पर चुगी पथकर तथा सीमाकर देय नहीं हैं:—

पृष्ठ संख्या	भारत सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य	राज्य सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य
साधारण आकार	₹ 0 पैसे	₹ 0 पैसे
48 पृष्ठ	0.25	0.22
64 पृष्ठ	0.30	0.30
120 पृष्ठ	0.65 (सेमीबाउन्ड)	0.60
फुलस्कोप		
80 पृष्ठ	0.85	0.80
144 सजिल्द पृष्ठ	0.80	0.80
192 सजिल्द पृष्ठ	1.15	1.05
240 सजिल्द पृष्ठ	1.30	1.30
प्रीक्विकल नोट बुक		
56 पृष्ठ	0.65	0.58
80 पृष्ठ (सजिल्द)	1.30	1.20
116 पृष्ठ (सजिल्द)	1.50	1.45

इसी प्रकार की व्यवस्था गृह परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं के लिये भी की गयी है, जिससे वे संस्थाओं को नियंत्रित मूल्यों पर उपलब्ध हो सकें।

उपर्युक्त तालिका के मूल्य राज्य सरकार द्वारा डिफेंस एंड इंटरनल सिक्वोरिटी आफ इंडिया रूल्स के अन्तर्गत एक आदेश द्वारा लागू किये जा रहे हैं। आगामी शैक्षिक सत्र के लिये इन अभ्यास पुस्तिकाओं के पर्याप्त मंडार बनाने के लिये कार्यवाही प्रारम्भ हो गयी है।

16—बुक-बैंक

(क) इस शैक्षिक सत्र में कक्षा 1 से 5 के निर्बल वर्ग के 34,000 छात्रों को ग्रामीण क्षेत्रों में और 10,000 छात्रों को नगर क्षेत्रों में पाठ्य पुस्तकें निःशुल्क दी गयीं। वेंसिक स्कूलों के एक लाख से अधिक छात्रों को लगभग 10 लाख ₹ 0 की विज्ञान की पाठ्य पुस्तकें भी निःशुल्क दी गयीं। इन वितरणों में आगामी शैक्षिक सत्र में और विस्तार किया जायगा।

(ख) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सहायता प्राप्त करके सभी अर्ह कालेजों में बुक बैंक की स्थापना की कार्यवाही तत्परता से करायी जा रही है। फरवरी, 1976 के अन्त तक 231 कालेजों में बुक बैंक स्थापित करने की कार्यवाही की गयी है। विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से यह अनुरोध किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र के कालेजों के प्रबंधकों और प्रानाचार्यों की बैठकें बुनायें तथा उन से यह सुनिश्चित करने को कहें कि सभी कालेजों में जून, 1976 तक बुक बैंक स्थापित हो जायें। बुक बैंक न स्थापित करना संबंधित कालेजों में कुप्रबन्ध का लक्षण माना जायेगा जिससे प्रबन्ध समिति को भंग किया जा सकेगा। कालेजों को परामर्श दिया गया है कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुदान में अनुपातिक अंशदान लगाने के लिये बैंकों से ऋण की या अपने अधिकार में किसी अन्य कोष से सहायता लें। यदि इस अंशदान के लिये किसी अन्य स्रोत से धन न प्राप्त हो सके तो राज्य सरकार इसे उपलब्ध करायेगी।

(ग) हाई स्कूलों और इंटरमीडिएट कालेजों में भी बुक बैंक स्थापित करने के लिए एक करोड़ रुपये की एक योजना 1976-77 के लिए बनायी जा रही है।

सारणी—1
शिक्षा के लिए निर्दिष्ट बजट

वर्ष	बालकों की शिक्षा बालिकाओं की शिक्षा शिक्षा के लिये		
	के लिये बजट	के लिये बजट	सम्पूर्ण बजट
1	2	3	4
	₹0	₹0	₹0
1946-47	2,50,32,561	68,17,239	3,18,49,800
1950-51	6,61,14,800	76,29,400	7,37,44,200
1955-56	9,30,63,300	89,53,200	10,20,16,500
1960-61 शिक्षा	12,17,33,000	1,18,23,200	13,35,56,200
1960-61 शिक्षा नियोजन	*	*	3,87,41,000
1965-66 शिक्षा	24,36,60,500	2,53,76,200	26,90,36,700
1965-66 शिक्षा नियोजन	14,42,21,200	2,13,46,000	16,55,67,200
1968-69 शिक्षा	46,30,92,200	5,35,93,100	51,66,85,300
1968-69 शिक्षा नियोजन	6,31,67,100	38,56,600	6,70,23,700
1973-74 शिक्षा	1,02,99,58,800	7,27,21,800	1,10,26,80,600
1973-74 शिक्षा नियोजन	43,15,52,400	1,28,90,700	44,44,43,100
1974-75 शिक्षा	1,55,13,92,400	8,39,02,100	1,63,52,94,500
1974-75 शिक्षा नियोजन	10,44,29,800	61,19,000	11,05,48,800
1975-76 शिक्षा	1,89,92,90,900	5,92,17,200	1,95,85,08,100
1975-76 शिक्षा नियोजन	9,69,55,700	64,80,000	10,34,35,700

टिप्पणी:—इसके अतिरिक्त बालकों की शिक्षा के लिये बजट में बालिकाओं की शिक्षा पर व्यय सम्मिलित है ।

*विभक्त बजट में उपलब्ध नहीं है ।

सारणी
शिक्षा के विभिन्न शीर्षकों

1	1946-47	1950-51	1955-56	1960-61
	2	3	4	5
शिक्षा—				
	र०	र०	र०	र०
1--प्रारम्भिक	1,21,72,100	3,32,18,200	4,24,73,600	5,69,27,000
2--माध्यमिक	99,16,800	1,65,95,000	2,35,46,400	3,36,10,200
3--विश्वविद्यालय तथा डिग्री कालेज	26,91,900	47,77,100	89,47,700	1,13,62,000
4--ट्रेनिंग	18,14,200	5,99,400	9,14,900	9,83,400
5--अन्य	52,54,800	1,85,54,500	2,61,33,900	3,06,73,600
6--विशेष शिक्षा
7--प्राविधिक शिक्षा
8--क्रीडा एवं युवक कल्याण
9--सामान्य शिक्षा
10--एक मुश्त प्राविधान
योग ..	3,18,49,800	7,37,44,200	10,20,16,500	13,35,56,200

शिक्षा नियोजन—

1--प्रारम्भिक	2,54,76,900
2--माध्यमिक	63,67,000
3--विश्वविद्यालय तथा डिग्री कालेज	41,17,000
4--ट्रेनिंग	13,06,000
5--अन्य	14,74,100
6--विशेष शिक्षा
7--प्राविधिक शिक्षा
8--क्रीडा एवं युवक कल्याण
9--सामान्य शिक्षा
10--एक मुश्त प्राविधान
योग	3,87,41,000

ट्रेनिंग से सम्बन्धित बजट वर्ष 1974-75 में विश्वविद्यालय तथा डिग्री कालेजों में सम्मिलित

2
के लिए बजट

1965-66	1968-69	1973-74	1974-75	1975-76
6	7	8	9	10
₹०	₹०	₹०	₹०	₹०
10,30,06,400	22,24,05,500	35,43,83,200	88,11,48,300	1,03,28,32,500
6,53,67,800	14,38,30,100	25,53,04,000	40,41,87,300	48,13,29,500
1,91,07,100	5,00,94,000	5,08,76,300	9,10,24,600	10,84,76,400
13,96,900	26,12,200	30,12,300
8,01,58,500	9,77,43,500	43,91,04,800
..	1,15,43,300	1,62,51,100
..	3,81,95,200	4,29,43,900
..	2,03,63,000	2,02,99,500
..	32,800	32,200
..	18,88,00,000	25,63,43,000
26,90,36,700	51,66,85,300	1,10,26,80,600	1,63,52,94,500	1,95,85,08,100
6,75,47,200	2,63,96,100	31,02,30,900	6,17,41,500	5,58,56,000
3,20,95,900	1,08,00,300	2,70,01,300	1,65,61,000	1,73,32,000
1,47,51,200	81,88,000	1,65,93,100	1,18,90,200	1,04,52,000
75,21,200	7,17,600	13,17,300
4,36,51,700	2,09,21,700	8,92,95,500
..	41,29,000	52,49,500
..	1,01,59,300	95,03,900
..	39,67,800	44,38,300
..	1,00,000	..
..	20,00,000	6,04,000
16,55,67,200	6,70,23,700	44,44,43,100	11,05,48,800	10,34,35,700

कर दिया गया है ।

सारणी--
व्यय के

वर्ष तथा स्रोत	1946-47	1950-51	1955-56
1	2	3	4
	₹0	₹0	₹0
राजकीय निधि से ..	3,27,57,222	7,39,18,773	12,31,39,959
स्थानीय निकाय निधि से ..	81,51,669	1,85,36,569	2,10,74,826
विश्वविद्यालय निधि से ..	(क)	(क)	(क)
शुल्क से ..	1,81,16,766	3,99,80,104	7,24,00,440
प्राभूति एवं अन्य निधि से ..	1,20,19,858	3,08,42,455	3,70,68,823
योग ..	7,10,45,515	16,32,77,901	25,36,84,048

(क) इन वर्षों की धनराशि प्रतिभूति एवं अन्य निधि की राशि में सम्मिलित है ।

3
स्रोत

1960-61	1965-66	1968-69	1969-70	1970-71
5	6	7	8	9
₹0	₹0	₹0	₹0	₹0
23,44,40,547	46,82,88,678	66,23,13,109	75,52,04,577	80,79,15,427
2,76,41,516	4,24,19,854	4,32,48,893	4,46,99,191	4,13,74,177
(क)	1,08,34,387	89,62,861	1,51,98,479	1,49,68,053
9,12,94,133	14,30,38,133	18,59,17,051	20,40,99,528	21,66,90,591
4 36,27,313	5,70,28,689	7,12,25,891	6,74,75,881	7,18,34,266
39,70,03,509	72,16,09,741	97,16,67,805	1,08,66,77,656	1,15,27,82,514

सारणी—4
प्रबन्धानुसार शिक्षा संस्थायें सामान्य शिक्षा

		1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1969-70	1970-71
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
राजकीय	बालक	108	942	834	1,119	1,821	1,846	933	952*
	बालिका	93	152	171	222	545	570	346	352
स्थानीय निकाय	बालक	15,200	27,879	28,745	34,418	47,903	48,917	50,327	50,604
	बालिका	1,473	2,444	2,726	4,968	11,020	11,609	12,321	12,759
विश्वविद्यालय*	बालक	5	6	6	9	9	11	11	11
	बालिका
सहायता प्राप्त	बालक	4,347	3,072	2,765	3,198	4,059	4,858	4,993	4,946
	बालिका	674	508	478	558	726	822	840	840
असहायता प्राप्त	बालक	493	825	1,315	1,747	2,912	3,546	3,555	3,894
	बालिका	37	44	69	160	248	321	346	370
योग ..	बालक	20,148	32,724	33,665	40,491	56,704	59,178	59,819	60,407
	बालिका	2,277	3,148	3,444	5,908	12,539	13,322	13,853	14,321

टिप्पणी:— (1) विश्वविद्यालयों की संख्या वर्ष 1946-47, 1950-51, 1955-56 तथा 1960-61 में सहायता प्राप्त संस्थाओं की संख्या में सम्मिलित थी ।

(2) *दो विश्वविद्यालय मानी गई संस्थायें सम्मिलित नहीं है ।

(i) काशी विद्यापीठ, वाराणसी ।

(ii) गुरुकुल कांगड़ी, विश्वविद्यालय, सहारनपुर ।

(3) देहरी एवं रामपुर मर्ज एण्ड डिफ़ण्ड स्टेट के राजकीय विद्यालय स्थानीय निकायों को हस्तान्तरित होने के कारण कमी हुई है ।

सारणी--5
विभिन्न प्रकार की मान्यता प्राप्त शिक्षा संस्थाय (प्रथम तीन स्तर)

		1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1973-74*	1974-75*
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (लड़के)--- सब		415	833	1,253	1,489	2,050	2,484	3,359	3,543
	ग्रामीण क्षेत्रों में	55	304	590	743	1,185	1,537	2,151	2,433
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (लड़कियाँ)--- सब		91	154	221	282	451	528	644	658
	ग्रामीण क्षेत्रों में	..	1	2	6	27	43	107	110
योग ..	{ सब	506	987	1,474	1,771	2,501	3,012	4,003	4,201
	ग्रामीण क्षेत्रों में	55	305	592	749	1,212	1,580	2,258	2,543
सीनियर बसिक स्कूल (लड़के)--- सब		1,344	2,386	3,128	3,674	4,945	6,168	7,355	7,189
	ग्रामीण क्षेत्रों में	836	1,854	2,661	3,025	4,242	5,269	6,097	6,290
सीनियर बेसिक स्कूल (लड़कियाँ)--- सब		506	468	512	661	1,209	1,530	2,421	2,430
	ग्रामीण क्षेत्रों में	363	130	195	247	708	969	1,581	1,736
योग ..	सब	1,850	2,854	3,640	4,335	6,154	7,698	9,776	9,619
	ग्रामीण क्षेत्रों में	1,199	1,984	2,856	3,272	4,950	6,238	7,678	8,026

सारणी—5—(समाप्त)

		1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1973-74*	1974-75*
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
जूनियर बॅसिक स्कूल (लड़के)	सब	18,370	29,459	29,202	35,156	49,443	50,219	51,394	51,389
	ग्रामीण क्षेत्रों में	15,533	22,106	26,503	31,656	45,360	46,327	47,549	48,155
जूनियर बॅसिक स्कूल (लड़कियाँ)	सब	1,678	2,520	2,696	4,927	10,800	11,171	12,020	12,395
	ग्रामीण क्षेत्रों में	968	1,604	1,897	3,646	8,895	9,213	9,528	10,528
योग	सब	20,048	31,979	31,898	40,083	60,243	61,390	63,414	63,784
	ग्रामीण क्षेत्रों में	16,501	23,710	28,400	35,302	54,255	55,540	57,077	58,683
नर्सरी स्कूल (लड़के)	सब	..	6	19	55	110	126	176	100
	ग्रामीण क्षेत्रों में	2
नर्सरी स्कूल (लड़कियाँ)	सब	7	18	43	46	90	66
	ग्रामीण क्षेत्रों में
योग	सब	..	6	26	73	153	172	266	166
	ग्रामीण क्षेत्रों में	2

*आंकड़े अस्थायी हैं।

सारणी--6

वभिन्न प्रकार की मान्यता प्राप्त शिक्षा संस्थायें (अन्तिम दो स्तर)

		1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1973-74*	1974-75*
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
विश्वविद्यालय	लड़के	5	6	6	9	9(क)	11	14(ख)	17(ख)
	लड़कियां
	योग	5	6	6	9	9(क)	11	14(ख)	17(ख)
डिग्री कालेज (ग)	लड़के	14	34	57	108	147	170	241	268
	लड़कियां	2	6	8	20	36	47	63	67
	योग	16	40	65	128	183	217	304	335

*ग्रांफ़े संस्थायी हैं।

(क) विश्वविद्यालय मानी गई संस्थायें सम्मिलित नहीं हैं।

(1) गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, सहारनपुर, काशी विद्यापीठ, वाराणसी ।

(ख) विश्वविद्यालय मानी गई एक संस्था--गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, सहारनपुर सम्मिलित नहीं है।

(ग) ये केवल सामान्य शिक्षा के डिग्री कालेज हैं ला कालेज एग्रीकल्चर ट्यूटोरियल कालेज तथा ट्रेनिंग कालेज की संख्या सम्मिलित नहीं हैं।

सारणी
संस्था के अनुसार

		1946-47	1950-51	1955-56
1	2	3	4	5
विश्वविद्यालय ..**	लड़के ..	9,760	19,105	24,616
	लड़कियां ..	758	1,671	2,802
	योग ..	10,518 (अ)	20,776	27,418
डिग्री कालेज ..	लड़के ..	20,643 (ब)	27,294	45,725
	लड़कियां ..	1,700 (ब)	2,504	4,874
	योग ..	22,343 (ब)	29,798	50,599
उच्चतर माध्यमिक स्कूल	लड़के ..	1,77,562 (द)	3,59,580	5,56,530
	लड़कियां ..	25,663 (द)	57,825	87,599
	योग ..	2,03,225 (द)	4,17,405	6,44,129
सीनियर बेसिक स्कूल	लड़के ..	1,64,667	2,78,339	3,55,266
	लड़कियां ..	83,174	69,798	71,759
	योग ..	2,47,841	3,48,137	4,27,025
जूनियर बेसिक स्कूल	लड़के ..	13,86,453	23,92,175	22,53,231
	लड़कियां ..	1,89,055	3,34,948	4,84,596
	योग ..	15,75,508	27,27,123	27,37,827
नर्सरी स्कूल	लड़के	644	1,507
	लड़कियां	162	991
	योग	806	2,498

(द) इन्टर कक्षाओं के विद्यार्थी सम्मिलित नहीं हैं।

(अ) यह केवल विज्ञान और कला के विद्यार्थियों की संख्या है।

(ब) इन संस्थाओं में समस्त इन्टर कला के विद्यार्थी सम्मिलित हैं।

* ग्रांडे अस्थाई हैं।

** माने गये विश्वविद्यालयों के छात्रों की संख्या सम्मिलित नहीं है।

(क) अनुमानित है।

7

छात्रों की संख्या

1960-61	1965-66	1968-69	1973-74*	1974-75*
6	7	8	9	10
29,785	37,628	47,047	53,353 (क)	60,603 (क)
4,033	8,208	11,610	12,144 (क)	15,054 (क)
33,818	45,836	58,657	65,497 (क)	75,657 (क)
58,959	74,295	1,16,760	1,85,497	1,87,314 (क)
8,743	20,263	31,707	47,972	51,289 (क)
67,702	94,558	1,48,467	2,33,469	2,38,603 (क)
7,57,592	12,71,038	16,26,323	19,93,700	21,37,189
1,54,485	2,87,862	3,89,488	5,18,481	5,40,492
9,12,077	15,58,900	20,15,811	25,12,181	26,77,681
4,46,139	7,88,905	9,64,037	12,04,437	12,02,442
1,03,688	1,94,945	2,27,489	3,21,178	2,89,486
5,49,827	9,83,850	11,91,526	15,25,615	14,91,928
31,70,868	57,64,857	63,39,584	70,86,802	71,27,785
7,87,960	30,23,248	36,00,221	41,88,304	41,14,020
39,58,828	87,88,105	99,39,805	1,12,75,106	1,12,41,805
4,486	11,882	12,927	20,068	13,346
3,068	7,745	8,935	11,061	9,574
7,554	19,627	21,862	31,129	22,920

सारणी—8

संस्थानुसार अध्यापकों की संख्या

		1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1973-74*	1974-75*
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
विश्वविद्यालय**	पुरुष ..	839(क)	1,201	1,331	2,089	2,797	3,405	4,194	4,356(क)
	महिला	56(क)	71	114	159	234	358	429	442(क)
	योग ..	895(क)	1,272	1,445	2,248	3,031	3,763	4,623	4,798(क)
डिग्री कालेजों में	पुरुष	441(क)	1,175	2,155	3,113	4,640	5,903	8,065	9,555(क)
	महिला	37(क)	74	172	331	793	1,083	1,731	2,218(क)
	योग ..	478(क)	1,249	2,327	3,444	5,433	6,986	9,796	11,773(क)
उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में	पुरुष	7,610	15,453	24,541	30,222	45,717	56,710	75,179	78,887
	महिला	1,577	2,774	4,130	5,854	10,697	12,982	16,055	17,296
	योग ..	9,187	18,227	28,671	36,076	56,414	69,692	91,234	96,183
सीनियर बेसिक स्कूलों में	पुरुष	7,960	11,605	16,734	19,057	28,865	37,577	45,421	43,355
	महिला	3,421	2,900	3,262	4,202	7,002	8,975	11,913	19,420
	योग ..	11,381	14,505	19,996	23,259	35,867	46,552	57,334	54,775

सारणी-8—(समाप्त)

		1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1973-74*	1974-75*
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
जूनियर बेसिक स्कूलों में	पुरुष	39,358	65,110	70,641	87,340	1,44,659	1,59,996	1,93,657	1,93,309
	महिला	2,961	5,189	6,934	11,714	23,918	29,584	37,212	37,456
	योग ..	42,319	70,299	77,575	99,054	1,68,577	1,89,580	2,30,869	2,30,765
मसंरी स्कूलों में	पुरुष	..	8	35	51	199	289	392	325
	महिला	..	14	149	348	723	836	989	868
	योग	22	184	399	922	1,125	1,381	1,193

*आंकड़े अस्थायी हैं।

**विश्वविद्यालय मानी गई संस्थाओं के अध्यापकों की संख्या सम्मिलित नहीं है।

(क) विश्वविद्यालय तथा डिग्री कालेज के आंकड़े उपलब्ध न होने के कारण अनुमानित किये गये हैं।

स्तरानुसार छात्रों की संख्या तथा

		1964-65	1965-66	1966-67
1	2	3	4	5
1- - छात्रों की संख्या प्रो प्राइमरी स्तर ..	कुल	24,393	25,815	30,747
	बालिका	9,417	10,535	12,689
जूनियर बेसिक स्तर (कक्षा 1-5) ..	कुल	81,13,761	90,17,914	95,79,995
	बालिका	26,47,447	31,39,237	34,00,569
सोनियर बेसिक स्तर (कक्षा 6-8) ..	कुल	13,51,129	15,14,037	16,34,498
	बालिका	2,16,983	2,55,618	2,74,446
हाई/हायर सेकेंडरी स्तर (कक्षा 9-12)	कुल	7,00,172	8,02,656	8,79,799
	बालिका	90,170	1,11,982	1,17,162
स्नातक स्तर	कुल	60,354	74,232	81,632
	बालिका	12,593	17,127	19,833
स्नातकोत्तर स्तर ..	कुल	18,051	19,755	21,186
	बालिका	3,578	4,210	4,840
2- -अध्यापकों की संख्या (प्रो प्राइमरी स्तर)	कुल	901	1,045	1,139
	महिला	677	833	847
जूनियर बेसिक स्तर (कक्षा 1-5) ..	कुल	1,60,555	1,74,377	1,81,661
	महिला	25,061	26,841	28,421
सोनियर बेसिक स्तर (कक्षा 6-8) ..	कुल	44,477	49,965	57,714
	महिला	7,929	8,677	10,491
हाई/हायर सेकेंडरी स्तर (कक्षा 9-12)	कुल	33,285	36,730	39,946
	महिला	5,114	5,983	6,524

(1) प्रो प्राइमरी स्तर स्कूलों, वर्ष 1964-65, 1965-66 व 1966-67 के आंकड़ों में इन्हें सम्मिलित नहीं किया गया है। अतः 1964-65 से 1966-67 तथा 1967-68 व

(2) हाई/हायर सेकेंडरी स्तर के छात्रों में डिग्री कालेजों से सम्बद्ध कक्षा 11 व 12 के

(क) अनुमानित हैं।

*आंकड़े अस्थायी हैं।

9

अध्यापकों की संख्या

1967-68	1968-69	1969-70	1971-72*	1974-75*
6	7	8	9	10
25,872	27,540	31,824	34,805	37,535
10,455	11,368	13,190	15,133	17,357
99,15,153	1,01,70,669	1,04,08,616	1,10,01,618	1,15,18,351
35,72,497	37,27,453	38,45,915	44,49,456	42,53,684
17,80,136	19,11,969	20,82,632	24,07,285	24,58,420
3,03,891	3,34,770	3,72,367	5,09,221	4,48,813
9,69,145	10,58,151	11,51,749	13,52,788	14,17,027
1,40,089	1,51,282	1,81,226	2,13,351	2,33,719
94,936	1,24,327	1,41,664	1,61,946	1,90,819(क)
22,018	27,355	30,215	31,419	33,155(क)
25,099	29,188	33,627	41,337	60,477(क)
6,040	7,094	8,372	13,102	18,922(क)
1,144	1,285	1,316	1,521	1,884
845	973	1,014	1,120	1,394
1,88,255	1,95,202	2,05,438	2,13,461	2,34,975
30,017	31,830	33,987	36,737	38,723
61,703	64,399	68,441	80,314	83,911
11,361	11,822	12,866	15,486	16,374
43,300	46,063	48,595	60,029	62,146
7,238	7,752	7,964	9,769	10,549

इन संख्याओं के वे छात्र सम्मिलित हैं जो कक्षा 1-5 में पढ़ते हैं जब कि 1967-68 व आगे के वर्षों में 1968-69 के प्रांठों विस्तार क्षेत्र विभिन्न होने के कारण तुलनीय नहीं हैं।

छात्रों की संख्या वर्ष 1964-65 से 1968-69 तक सम्मिलित नहीं है।

सारणी--10

माध्यमिक शिक्षा परिषद् की परीक्षाओं के लिए मान्यता प्राप्त विद्यालयों की संख्या

	1946-	1950-	1955-	1960-	1965-	1968-	1970-	1973-	1974-	1975-
	47	51	56	61	66	69	71	74	75	76
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
हाई स्कूल परीक्षा—										
लड़कों की शिक्षा संस्थायें	428	749	1,175	1,404	1,837	2,372	2,656	3,217	3,459	3,636
लड़कियों की शिक्षा संस्थायें	73	130	197	257	354	488	541	601	608	625
योग	501	879	1,372	1,661	2,191	2,860	3,197	3,818	4,067	4,261
इंटरमीडिएट परीक्षा—										
लड़कों की शिक्षा संस्थायें	168	334	652	786	1,002	1,275	1,468	1,753	1,869	1,920
लड़कियों की शिक्षा संस्थायें	15	41	111	148	214	276	302	328	360	363
योग	183	375	763	934	1,216	1,551	1,770	2,081	2,229	2,283

सारणी—11 (अ)
हाई स्कूल परीक्षा में परीक्षार्थियों की संख्या

	1947	1951	1956	1961	1966	1969	1972	1974	1975	
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
हाई स्कूल परीक्षा में पंजीकृत										
संख्या—										
लड़के .. अनुपलब्ध		अनुपलब्ध	1,67,549	2,15,252	3,14,578	4,05,856	5,45,450	5,80,624	5,77,015	
लड़कियां ..		”	16,488	22,620	41,826	68,170	78,942	1,01,577	1,05,984	
योग ..	33,923	1,10,581	1,84,037	2,37,872	3,56,404(क)	4,74,026	6,24,392	6,82,201	6,82,999	
परीक्षा में सम्मिलित होने वालों										
की संख्या—										
लड़के .. अनुपलब्ध		अनुपलब्ध	1,55,285	2,04,315	2,95,036	3,85,294	5,15,267	5,44,482	5,43,411	
लड़कियां ..		”	14,301	21,526	38,605	65,079	70,786	97,169	95,471	
योग ..	31,506	98,534	1,69,586	2,25,841	3,33,641	4,50,373	5,86,053	6,41,651	6,38,882	
उत्तीर्ण होने वालों की										
संख्या—										
लड़के .. अनुपलब्ध		अनुपलब्ध	68,589	89,880	1,30,277	1,69,410	2,24,955	1,79,102	2,13,604	
लड़कियां ..		”	8,528	13,860	25,187	43,892	48,568	67,626	67,437	
योग ..	19,937	58,234	77,117	1,03,749	1,55,464	2,13,302	2,73,523	2,46,728	2,81,041	

(क) संशोधित आंकड़े हैं।

सारणी—11 (ब)
इंटरमीडिएट परीक्षा के परीक्षार्थियों की संख्या

	1947	1951	1956	1961	1966	1969	1972	1974	1975
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
इंटरमीडिएट परीक्षा में									
पंजीकृत संख्या—									
लड़के	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	78,457	99,600	1,48,785	2,27,474	2,68,006	3,08,408	3,16,763
लड़कियां	"	"	9,344	13,745	27,912	42,392	56,750	69,774	70,608
योग ..	अनुपलब्ध	41,009	87,801	1,13,345	1,76,697	2,69,866	3,24,756	3,78,182	3,87,371
परीक्षा में सम्मिलित होने									
वालों की संख्या									
लड़के ..	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	69,858	89,542	1,29,269	2,06,854	2,41,790	2,78,771	2,90,250
लड़कियां	"	"	8,219	12,282	24,151	38,812	51,797	63,620	65,064
योग ..	अनुपलब्ध	34,464	78,077	1,01,824	1,53,420	2,45,666	2,93,587	3,42,391	3,55,314
उत्तीर्ण होने वालों की									
संख्या—									
लड़के ..	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	36,376	35,645	54,381	1,01,781	1,25,531	1,47,152	1,56,978
लड़कियां	"	"	5,058	6,557	13,299	25,969	33,118	39,811	40,930
योग ..	अनुपलब्ध	20,523	41,434	42,202	67,680	1,27,750	1,58,649	1,86,963	1,97,908

सारणी---12
संस्कृत पाठशालाओं की संख्या और राजकीय सहायता

	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1969-70	1973-74	1974-75*
1	2	3	4	5	6	7	8	9
स्वीकृत पाठशालायें ..	1,400	1,014	1,050	800	900	900	925	938
छात्र संख्या ..	34,093	39,901	42,092	43,600	48,805	48,600	53,350	[53,710
सहायता प्राप्त पाठशालायें	332	418	637	779	779	803	839	839
राज्य से प्राप्त सहायता (रु० में)	2,53,512	4,64,448	9,62,953	22,14,020	28,20,273	39,30,544	64,22,341	65,90,617

* आंकड़े अस्थायी हैं ।

सारणी--13

अरेबिक मदरसों की संख्या और राजकीय सहायता

	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1969-70	1973-74	1974-75*
1	2	3	4	5	6	7	8	9
स्वीकृत मदरसे ..	86	89	104	124	125	146	153	153
छात्र संख्या	14,190	16,710	26,215	26,672	29,382	अनुपलब्ध	30,360
सहायता प्राप्त मदरसे ..	86	89	104	124	125	123	130	127
राज्य से प्राप्त सहायता (रु० में)	90,672	1,02,394	1,24,164	2,56,454	2,44,840	2,94,603	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध

*आंकड़े 'अस्थायी हैं'।

प्रशिक्षण संस्थान तथा संबद्ध प्रशिक्षण कक्षायें (संख्या)

	1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1971-72*	1973-74*	1974-75*	
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
ट्रेनिंग कालेज एल 0टी 0 स्तर (एक वर्ष) --										
पुरुष ..	2	4	6	7	6	7	8	11	11	
महिला	1	5	2	3	4	4	2	2	2	
योग ..	3	9 (ग)	8	10	10	11	10	13	13	
विश्वविद्यालयों के प्रशिक्षण विभाग बी 0एड 0 तथा एम 0एड 0 पुरुष तथा महिला सम्मिलित 2										
		---	3	5	5	5	5	6	6	
डिग्री कालेजों की प्रशिक्षण कक्षायें एल 0टी 0 स्तर --										
पुरुष ..	--	8	10	28	36	41	48	48	48	
महिला	1	2	2	6	6	8	9	9	
योग ..	--	9	12	30	42	47	56	57	57	

सारणी-14--(समाप्त)

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
जूनियर बेसिक ट्रेनिंग कालेज तथा अन्य सी0टी0 स्तर की प्रशिक्षण संस्थाएँ :---										
पुरुष ..	2	अनुपलब्ध	5	5	5	7	8	8	8	8
महिला	2	"	7	6	8	11	11	12	12	12
योग ..	4	"	12	11	13	18	19	20	20	20
ज्येष्ठ0सी0 कालेज (2 वर्ष) --										
पुरुष	--	109	33	33	42	*	*	*	*	*
महिला	--	24	1	4	11	*	*	*	*	*
योग ..	---	133 (ज)	34	37	53	*	*	*	*	*
नार्मल स्कूल (दो वर्ष)										
पुरुष ..	65 (घ)	अनुपलब्ध	45	95	121	*	*	*	*	*
महिला	25 (घ)	"	16	22	42	*	*	*	*	*
योग ..	90 (घ)	"	61	117	163	*	*	*	*	*
ब्री0टी0सी0 (1 वर्ष)										
पुरुष ..	---	---	---	---	---	230	194	194	135	135
महिला ..	---	---	---	---	---	89	67	67	52	52
योग	319	261	261	187	187

- (घ) इस संख्या में 3 सेंट्रल ट्रेनिंग स्कूल और 26 ट्रेनिंग क्लास सम्मिलित हैं जिसमें 1 वर्ष का कोर्स था ।
 (ग) इस संख्या में 9 ट्रेनिंग क्लास सम्मिलित हैं जिनमें 1 वर्ष का कोर्स था ।
 (घ) इनमें नार्मल स्कूल भी सम्मिलित है ।
 (ङ) ये संख्याएँ अब बी0टी0सी0 में परिवर्तित हो गयी हैं ।
 **) आंकड़े अस्थायी हैं ।

तारणी--15

प्रशिक्षण संस्थान तथा सम्बद्ध प्रशिक्षण कक्षायें (छात्र संख्या)

	1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1971-72*	1973-74*	1974-75*	
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
ट्रेनिंग कालेज (एल 0 टी 0 स्तर)										
पुरुष ..	295	226	415	500	540	594	1,031	995	965	
महिला ..	117	337	311	520	621	763	534	540	314	
योग ...	412	563 (ल)	726	1,020	1,161	1,357	1,565	1,535	1,279	
विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण विभाग (बी 0 एड 0 तथा एम 0 एड 0)										
पुरुष ..	--	312	257	356	272	442	495	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	
महिला ..	--	107	127	144	354	279	432	"	"	
योग ..	--	419	384	500	626	721	927	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	
डिग्री कालेजों की प्रशिक्षण कक्षायें (एल 0 टी 0 स्तर) --										
पुरुष ..	--	520	956	2,413	2,797	2,837	2,889	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	
महिला ..	--	66	289	509	1,140	1,310	1,699	"	"	
योग ..	--	586	1,245	2,922	3,937	4,147	4,588	"	"	

सारणी-15--(समाप्त)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----

जे० बी०टी० सी० कालेज आदि
(दो वर्ष सी०टी० स्तर)

पुरुष ..	127	--	315	597	361	299	227	545	644
महिला ..	77	--	252	254	344	537	440	485	390
योग ..	204	--	567	851	705	836	667	1,030	1,034

जे०टी० टी० कालेज(दो वर्ष)

पुरुष ..	--	15,166	1,361	2,350	2,225	--	--	--	--
महिला ..	--	639	106	341	787	--	--	--	--
योग ..	--	15,805(ज)	1,467	2,691	3,012(क)	--	--	--	--

नामल स्कूल(दो वर्ष)--

पुरुष ..	2,523	--	3,773	9,569	16,205	--	--	--	--
महिला ..	608	--	567	1,311	4,210	--	--	--	--
योग ..	3,131(घ)	--	4,340	10,880	20,415(ख)	--	--	--	--

बी०टी० सी०(एक वर्ष)

पुरुष	---	---	---	17,946	22,789	21,704	16,463
महिला ..	---	---	---	---	---	6,589	7,027	7,956	7,6777
योग	---	---	---	---	24,535	29,816	29,660	24,240

(ज) इनमें नामल स्कूल के छात्र भी सम्मिलित हैं ।

(ल) इनमें सी०टी० के छात्र भी सम्मिलित हैं ।

(य) इस संख्या में 552 लड़के, 171 लड़कियां बी०टी०सी० कोर्स भी सम्मिलित हैं ।
*आंकड़े अस्थायी हैं ।

(क) इस संख्या में जे०टी०सी० यूनिट के छात्रों की संख्या ही सम्मिलित है ।

(ख) इस संख्या में एच०टी०सी० यूनिट्स के छात्रों की संख्या भी सम्मिलित हैं ।

सारणी--16

प्रशिक्षण संस्थायें एवं सम्बद्ध प्रशिक्षण कक्षायें उत्तीर्ण होने वाले छात्राध्यापकों और छात्राध्यापिकाओं की संख्या

	1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1971-72*	1972-73*	1974-75*	
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
एल०टी०, बी०टी० तथा बी०एड० (एक वर्ष)---										
पुरुष ..	289	880	[1,386	3,032	3,222	4,234	853(क)	765(क)	899(क)	
महिला ..	108	208	511	977	1,735	2,122	416(क)	434(क)	184(क)	
योग	397	1,088	1,897	4,009	4,957	6,356	1,269(क)	1,199(क)	1,083(क)	
एम०एड० (एक वर्ष)---										
पुरुष ..	4	58	36	74	92	94	(-)	(-)	(-)	
महिला ..	1	25	42	42	66	81	(-)	(-)	(-)	
योग ..	5	83	78	116	158	175	(-)	(-)	(-)	
जे० बी० टी०सी० (दो वर्ष) (सी०टी०स्तर)										
पुरुष ..	108	32	167	110	94	278	226	360	603	
महिला ..	67	155	253	116	217	331	370	333	386	
योग ..	175	187	420	226	311	609	596	693	989	

जे०टी०सी०(दो वर्ष)---

पुरुष !..	अनुपलब्ध	994	949	999	1,592	54	24	समाप्त	समाप्त
महिला	अनुपलब्ध	3	68	147	294	21	6	समाप्त	समाप्त
योग	अनुपलब्ध	997	1,017	1,146	1,886	75	30	समाप्त	समाप्त

एच०टी०सी०(दो वर्ष) तथा
बी०टी०सी०(एक वर्ष)---

पुरुष ..	1,008	10,576	1,751	4,173	6,129	16,717	18,204	15,996	17,549
महिला	309	636	294	547	1,553	3,570	4,309	4,951	5,975
योग ..	1,317	11,212 (र)	2,045	4,720	7,682	20,287	22,513	20,947	23,524

(क) केवल एल०टी० परीक्षाफल है।

(-) आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।

* आंकड़े प्राविजनल हैं।

(य) इस संस्था में 606 लड़के और लड़कियां भी बी०टी०सी० परीक्षा उत्तीर्ण सम्मिलित हैं :

(र) सचल विद्यालय के छात्राध्यापक भी सम्मिलित हैं। यह योजना बाद में बन्द हो गयी है।

सारणी—

जिलेवार 1971 की जनसंख्या, साक्षरता का प्रतिशत तथा

क्रम- संख्या	जिले का नाम	1971 साक्षरता का प्रतिशत की				विद्यालयों की		
		जनसंख्या (लाख में)	पुरुष	महिला	समस्त जनपद में	हाई / हायर बालक	सेकेन्ड्री बालिका	स्कूल योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	फाँजाबाद (ख)	19.27	29.73	8.09	19.32	63	10	73
2	बहराइच	17.27	18.84	4.28	12.19	28	4	32
3	गोण्डा (ग)	23.02	22.19	4.74	14.04	38	6	44
4	प्रतापगढ़	14.23	31.18	6.02	18.50	55	2	57
5	सुल्तानपुर (ख)	16.43	28.66	6.72	17.86	48	3	51
6	गोरखपुर	30.38	30.43	8.20	19.77	124	17	141
7	आजमगढ़ (ख)	28.57	29.96	8.21	19.11	108	8	116
8	बस्ती	29.84	25.04	5.18	15.61	106	6	112
9	देवरिया	28.12	29.38	6.03	17.95	118	9	127
10	वाराणसी (क)	28.52	39.99	13.28	27.27	112	36	148
11	बलिया	15.89	33.25	9.80	21.67	76	2	78
12	गाजीपुर	15.32	30.75	9.29	20.14	67	5	72
13	जौनपुर ..	20.05	34.52	8.80	21.23	109	07	116
14	मिर्जापुर ..	15.41	29.61	8.08	19.39	50	6	56
15	इलाहाबाद ..	29.37	35.65	10.76	23.88	149	30	179
योग, पूर्वी		1,251	151	1,402
1	गढ़वाल	5.53	49.32	16.52	32.00	77	5	82
2	चमोली ..	2.93	48.92	9.59	28.67	36	2	38
3	देहरादून ..	5.77	51.71	33.40	43.74	36	16	52
4	देहरा गढ़वाल (क)	3.97	36.38	4.92	19.29	18	2	20
5	उत्तरकाशी ..	1.48	37.02	5.37	22.04	11	1	12
6	नैनीताल ..	7.90	41.33	20.17	31.94	43	15	58
7	अल्मोड़ा ..	7.50	45.89	11.53	28.08	73	5	78
8	पिथौरागढ़ ..	3.14	49.68	14.63	31.87	45	5	50
योग, पर्वतीय		339	51	390
1	झांसी ..	8.70	35.65	12.72	24.98	40	11	51
2	ललितपुर ..	5.37	11	3	14
3	हमीरपुर (क)	9.88	31.15	7.83	20.25	23	5	28
4	जालौन (क)	8.13	40.20	12.40	37.36	48	12	60
5	बाँदा ..	11.82	29.31	5.84	13.39	41	5	46
योग, बुन्देलखण्ड		163	36	199

17
31 मार्च, 1975 की विद्यालयों की संख्या

संख्या					
सीनियर बेसिक स्कूल			जूनियर बेसिक स्कूल		
बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
10	11	12	13	14	15
135	15	150	1,063	253	1,316
103	58	161	928	275	1,203
93	17	110	1,441	278	1,719
113	46	159	764	188	952
145	54	199	1,156	263	1,419
210	90	300	1,455	347	1,802
191	59	250	1,282	264	1,546
149	30	179	1,653	284	1,937
256	40	296	1,636	314	1,950
241	104	345	1,320	301	1,621
163	45	208	982	245	1,227
149	30	179	787	217	1,004
208	40	248	898	246	1,144
140	50	190	1,084	246	1,330
216	69	285	1,436	400	1,836
2,512	747	3,259	17,885	4,121	22,006
106	31	137	821	148	969
64	6	70	528	37	565
63	35	98	458	109	567
80	32	112	513	129	642
41	2	43	304	16	320
107	29	136	726	108	834
119	12	131	853	67	920
95	9	104	625	88	713
675	156	831	4,828	702	5,530
94	27	121	613	127	740
48	15	63	445	83	528
121	44	165	964	165	1,129
103	29	132	681	148	829
115	45	160	896	241	1,137
481	160	641	3,599	764	4,363

क्रम- संख्या	जिले का नाम	1971 साक्षरता का प्रतिशत की				विद्यालयों की		
		जनसंख्या (लाख में)	पुरुष	महिला	समस्त जनपद में	हाई/हायर सेकेंड्री स्कूल	बालक	बालिका
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	आगरा (ख)	23.09	37.46	16.52	27.97	87	31	118
2	अलीगढ़ ..	21.12	35.09	12.65	24.89	108	19	127
3	एटा (क)	15.71	30.59	11.01	21.69	62	8	70
4	मैनपुरी (क)	14.46	33.74	12.83	24.24	53	8	61
5	मथुरा (क)	12.90	36.06	10.51	24.83	91	12	103
6	बरेली (ख)	17.80	24.27	9.92	17.82	57	20	77
7	बिजनौर (क)	14.90	28.35	10.58	20.17	57	12	69
8	बदायूं ..	16.46	18.19	5.85	12.66	37	11	48
9	मुरादाबाद ..	24.29	23.47	9.54	17.13	82	24	106
10	पौलीभीत (क)	7.52	24.14	7.78	16.73	14	3	17
11	रामपुर ..	9.01	17.70	7.17	12.90	24	9	33
12	राहजहांपुर (क)	12.86	24.09	8.31	17.09	26	10	36
13	मेरठ (क)	33.67	38.21	16.01	28.14	186	53	239
14	बुलन्दशहर ..	20.73	32.81	9.16	21.92	154	19	173
15	मुजफ्फरनगर (क)	18.02	30.93	12.65	22.64	72	18	90
16	सहारनपुर (क)	20.55	31.53	13.52	23.41	85	22	107
17	इटावा ..	14.48	38.98	16.61	28.86	86	8	94
18	फर्रुखाबाद (क)	15.57	34.31	13.85	25.11	76	14	90
योग - पश्चिमी		1,357	301	1,658
1	भिवनर (ख)	16.18	41.91	24.52	33.97	62	37	99
2	हरदोई (ख)	18.50	27.83	8.86	19.25	29	4	33
3	खीरी (ख)	24.87	21.41	6.40	14.63	27	5	32
4	रायबरेली ..	15.11	28.63	7.41	18.33	39	5	44
5	सीतापुर (क)	18.84	24.27	7.03	16.45	34	8	42
6	उन्नाव (ख)	14.84	29.00	9.09	19.63	37	6	43
7	बाराबंकी	16.36	21.65	5.54	14.25	31	2	33
8	फतेहपुर ..	12.78	31.71	8.90	20.90	57	4	61
9	कानपुर (ग)	29.96	45.77	25.37	36.63	89	31	120
योग - केंद्रीय		405	102	507
ग्रामल भारतीय (ख) विद्यालय		28	17	45
योग - उत्तर प्रदेश		8,83,41,144	31.50%	10.55%	21.70%	3,543	658	4,201

नोट - (क) वर्ष 1973-74 के आंकड़े हैं। (ख) वर्ष 1972-73 के आंकड़े हैं।

संख्या

सीनियर बेसिक स्कूल			जूनियर बेसिक स्कूल		
बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
10	11	12	13	14	15
234	95	329	1,048	235	1,283
228	59	287	1,125	334	1,459
121	15	136	787	189	976
186	52	238	964	173	1,137
105	25	130	819	214	1,033
137	48	185	967	275	1,242
90	22	112	665	221	886
107	53	160	860	307	1,167
160	64	224	1,339	283	1,622
55	16	71	481	134	615
45	18	63	412	150	562
92	45	137	950	210	1,160
215	94	309	1,590	511	2,101
91	51	142	1,022	333	1,355
89	56	145	850	308	1,158
133	71	204	1,030	368	1,398
64	43	107	754	207	961
179	44	223	817	213	1,030
2,331	871	3,202	16,480	4,665	21,145
85	25	110	812	332	1,144
144	29	173	1,060	194	1,254
73	40	113	974	162	1,136
124	48	172	688	190	878
195	75	270	1,012	233	1,245
153	47	200	971	153	1,124
92	51	143	1,029	297	1,326
106	54	160	630	163	793
218	124	342	1,417	417	1,834
1,190	493	1,683	8,593	2,141	10,734
..	3	3	4	2	6
7,179	2,430	9,619	51,389	12,395	63,784

(ग) वर्ष 1971-72 के आंकड़े हैं।

सारणी--18

31 मार्च 1975 की जिलेवार संस्था के अनुसार क्षात्र संख्या

क्रम- सं०	जनपद का नाम	उच्चतर माध्यमिक विद्यालय			सीनियर बेसिक स्कूल			जूनियर बेसिक स्कूल		
		बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	इलाहाबाद	86,943	18,395	1,05,338	42,825	11,530	54,355	2,42,446	1,48,986	3,91,432
2	आजमगढ़	56,209	7,241	63,450	51,715	6,280	57,995	2,52,354	1,59,338	4,11,692
3	बहराइच	15,874	3,720	19,594	17,640	1,127	18,767	1,27,068	80,734	2,07,802
4	बलिया	43,428	4,285	47,713	36,897	5,683	42,580	1,48,165	99,396	2,47,561
5	बस्ती	58,155	4,621	62,776	27,315	2,245	29,560	2,64,783	1,55,522	4,20,305
6	देवरिया	76,870	6,164	83,034	54,703	5,563	60,266	2,55,458	1,66,383	4,21,841
7	फैजाबाद	40,548	6,871	47,419	22,249	3,986	26,235	1,55,176	94,339	2,49,515
8	गाजीपुर	43,473	4,416	47,889	25,956	7,997	33,953	1,44,856	94,505	2,39,361
9	गोंडा	29,528	4,437	33,965	14,721	1,940	16,661	1,93,194	1,07,102	3,00,296
10	गोरखपुर	88,212	17,760	1,05,882	43,920	7,543	51,463	2,12,932	1,20,252	3,33,184

11	जौनपुर	65,880	6,405	72,285	41,905	6,052	47,957	1,90,727	43,840	2,34,567
12	मिर्जापुर	28,125	3,283	31,408	15,339	2,140	17,479	1,38,605	96,866	2,35,471
13	प्रतापगढ़	33,872	1,996	35,868	20,730	1,365	22,095	1,21,072	65,165	1,86,237
14	सुल्तानपुर	25,965	1,940	27,905	25,185	2,195	27,380	1,38,650	85,197	2,23,847
15	वाराणसी	81,110	19,236	1,00,346	65,857	18,295	84,152	2,39,615	1,53,530	3,93,145
	योग ..	7,74,192	1,10,680	8,84,872	5,06,957	83,941	5,90,898	28,25,101	16,71,155	44,96,256
16	अल्मोड़ा	23,307	4,523	27,830	11,673	1,524	13,197	63,322	40,604	1,03,926
17	पिथौरागढ़	12,774	2,796	15,570	6,433	1,316	7,749	36,078	20,215	56,293
18	देहरादून	22,373	16,019	38,392	6,823	1,910	8,733	59,660	33,091	92,751
19	पौड़ी गढ़वाल	24,651	4,380	29,031	7,690	2,797	10,487	57,897	40,455	98,352
20	चमोली	8,386	1,174	9,560	2,950	477	3,427	24,956	14,748	39,704
21	नैनीताल	19,015	9,662	28,677	6,875	2,168	9,043	47,678	28,245	75,923
22	टिहरी गढ़वाल	4,874	809	5,683	5,682	832	6,514	32,194	13,838	46,032
23	उत्तरकाशी	2,832	392	3,224	1,418	110	1,528	10,566	4,376	14,942
	योग ..	1,18,212	39,755	1,57,967	49,544	11,134	60,678	3,32,351	1,95,572	5,27,923

सारणी—18 (समाप्त)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
24	बाँदा	22,142	2,184	24,326	11,954	1,229	13,183	1,00,469	62,825	1,63,294
25	हमीरपुर	15,880	2,730	18,610	12,157	1,656	13,813	73,729	45,830	1,19,559
26	जाँसी	21,739	3,480	25,219	13,148	2,894	16,042	59,679	36,701	96,380
27	भाँसी	24,619	10,068	34,687	68,355	662	7,017	61,903	37,510	99,413
28	ललितपुर	4,888	1,943	6,831	4,003	1,605	5,608	28,446	18,091	46,537
	योग ..	89,268	20,405	1,09,673	47,617	8,046	55,663	3,24,226	2,00,957	5,25,183
29	आगरा	64,666	34,976	99,642	62,876	32,810	95,686	1,82,255	89,098	2,71,353
30	अलीगढ़	73,973	17,995	91,968	27,340	7,091	34,431	2,03,458	1,14,091	3,17,549
31	बरेली	61,301	34,682	95,983	12,233	2,637	14,870	1,42,779	1,14,144	2,56,923
32	बिजनौर	31,809	8,345	40,154	19,479	5,703	25,182	1,17,212	60,161	1,77,373
33	बदायूँ	22,475	6,918	29,393	13,580	2,008	15,588	1,42,622	83,734	2,26,356
34	बुलन्दशहर	90,269	16,937	1,07,206	11,903	2,932	14,835	1,39,461	49,363	1,88,824
35	एटा	30,728	5,330	36,058	17,772	2,555	20,327	1,14,258	62,746	1,77,004
36	इटावा	60,012	10,895	70,907	38,502	8,750	47,252	1,30,529	73,876	2,04,405
37	फर्रुखाबाद	36,941	9,792	46,733	22,397	7,458	29,855	1,19,312	77,402	1,96,714
38	मैनपुरी	37,938	5,213	43,151	32,660	7,185	39,845	1,04,309	52,109	1,56,418
39	मथुरा	43,743	7,892	51,635	13,120	2,615	15,735	1,08,765	51,145	1,59,910
40	मेरठ	1,16,905	36,322	1,53,227	40,157	13,025	53,182	2,27,549	1,13,590	3,41,139

41 मुरादाबाद	45,753	15,772	61,525	20,531	3,256	23,787	2,06,998	1,19,603	3,26,601
42 मुजफ्फरनगर	47,274	14,620	61,894	15,504	3,746	19,250	1,26,060	71,527	1,97,587
43 पीलीभीत	9,546	2,663	12,209	7,905	1,413	9,318	52,068	28,863	80,931
44 रामपुर	10,476	4,391	14,867	5,699	941	6,640	70,988	41,831	1,12,819
45 सहारनपुर	68,726	23,115	91,841	15,235	8,003	23,238	1,55,181	92,102	2,47,283
46 शाहजहाँपुर	14,322	6,719	21,041	13,069	3,436	16,505	92,514	54,157	1,46,671
योग ..	8,66,857	2,62,577	11,29,434	3,89,962	1,15,564	5,05,526	24,36,318	13,49,542	37,85,860

47 बाराबंकी	18,759	1,749	20,508	14,580	581	15,161	1,40,610	84,554	2,25,164
48 फतेहपुर	36,026	3,612	29,638	19,178	7,867	27,045	1,08,438	65,851	1,74,289
49 हरदोई	19,126	4,259	23,385	21,823	3,186	25,009	1,42,782	61,511	2,24,293
50 कानपुर	63,705	39,079	1,02,704	72,971	43,377	1,16,348	2,19,772	1,19,457	3,39,229
51 खोरी	15,013	3,907	18,920	9,767	1,862	11,629	1,08,277	50,376	1,58,653
52 लखनऊ	48,670	29,436	78,106	10,098	1,718	11,816	81,950	52,415	1,34,305
53 रायबरेली	24,865	5,169	30,034	15,716	3,254	18,970	1,42,289	80,743	2,22,032
54 सीतापुर	19,353	4,820	24,173	16,410	3,281	19,691	1,43,581	88,452	2,32,033
55 उन्नाव	24,348	2,469	26,817	27,286	5,120	32,406	1,20,799	72,876	1,93,675
योग ..	2,69,865	94,500	3,64,365	2,07,829	70,246	2,78,075	12,08,498	6,96,235	19,04,733

57

ग्रखिल भारतीय विद्यालय:—	18,795	12,575	31,370	533	555	1,088	1,291	559	1,850
योग, उत्तर प्रदेश	21,37,189	5,40,492	26,77,681	12,02,442	2,89,486	14,91,928	71,27,785	41,14,020	1,12,41,805

सारणी—19

31 मार्च, 1975 की जिलेवार संस्थानुसार अध्यापक संख्या

क्रम- सं०	जनपद का नाम	उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में			सीनियर बेसिक स्कूलों में			जूनियर बेसिक स्कूलों में		
		पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	इलाहाबाद	2,944	768	3,712	1,128	572	1,700	5,181	1,583	6,764
2	आजमगढ़	2,301	195	2,496	1,695	317	2,012	7,278	1,040	8,318
3	बहराइच	377	41	418	683	64	747	1,627	1,529	3,156
4	बलिया	1,684	90	1,774	1,182	247	1,429	4,221	727	4,948
5	बस्ती	2,461	108	2,569	858	142	1,000	6,516	521	7,037
6	देवरिया	3,081	111	3,192	1,652	145	1,797	10,909	1,102	12,011
7	फैजाबाद	1,542	226	1,768	947	132	1,079	4,218	565	4,783
8	गाजीपुर	1,530	77	1,607	974	135	1,109	4,052	743	4,795
9	गोंडा	1,050	168	1,218	549	101	650	3,886	643	4,529

10 गोरखपुर	3,280	504	3,784	1,429	317	1,746	6,443	1,228	7,671
11 जौनपुर	2,412	124	2,536	1,326	281	1,607	5,188	880	6,068
12 मिर्जापुर	862	104	966	630	170	800	3,617	1,268	4,885
13 प्रतापगढ़	1,202	41	1,243	687	106	793	3,874	449	4,323
14 सुल्तानपुर	949	72	1,021	1,005	157	1,162	4,191	537	4,728
15 धाराणसी	2,807	588	3,395	2,053	639	2,692	7,242	1,148	8,390

योग ..

28,482 3,217 31,699 16,798 3,525 20,323 78,443 13,963 92,406

59

16 अल्मोड़ा	1,040	168	1,208	548	99	647	2,619	350	2,969
17 पिथौरागढ़	681	83	764	421	38	459	1,493	342	1,835
18 देहरादून	841	633	1,474	338	162	500	1,406	411	1,817
19 पीड़ी गढ़वाल	1,012	128	1,140	523	131	654	2,144	369	2,513
20 चमोली	587	39	626	236	24	260	1,165	52	1,217
21 नैनीताल	927	343	1,270	322	165	487	1,478	82	1,560

सारणी-19 (क्रमशः)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
22	देहरी-गढ़वाल	296	34	330	431	66	497	1,098	209	1,307
23	उत्तरकाशी	190	20	210	194	7	201	454	50	504
	योग ..	5,574	1,448	7,022	3,013	692	3,705	11,857	1,865	13,722
24	बांदा	683	131	814	1,027	72	1,099	2,978	388	3,366
25	हमीरपुर	611	100	711	486	138	624	2,184	393	2,577
26	जालौन	833	125	958	532	118	650	1,729	357	2,086
27	झांसी	949	293	1,242	361	72	433	1,876	457	2,333
28	ललितपुर	227	69	296	126	38	164	874	160	1,034
	योग ..	3,303	718	4,021	2,532	438	2,970	9,641	1,755	11,396
29	अगरा	2,166	993	3,159	1,860	1,331	3,191	4,200	1,252	5,532
30	अलीगढ़	2,808	556	3,364	956	172	1,128	4,591	925	5,516
31	बरेली	1,293	526	1,819	576	139	715	2,524	612	3,136
32	बिजनौर	1,295	293	1,588	544	167	711	2,376	678	3,054

33 वदायूं	829	240	1,069	586	118	704	3,384	667	4,051
34 बुलन्दशहर	3,380	431	3,811	520	186	706	4,703	725	5,428
35 एटा	1,155	188	1,343	698	141	839	2,602	507	3,109
36 इटावा	1,959	295	2,254	419	202	621	3,299	575	3,874
37 फर्रुखाबाद	1,471	313	1,784	1,334	260	1,594	3,069	630	3,699
38 मैनपुरी	1,350	200	1,550	966	221	1,187	3,097	477	3,574
39 मथुरा	1,782	241	2,023	658	141	799	3,030	592	3,622
40 मेरठ	4,151	1,180	5,331	1,341	634	1,975	6,101	1,925	8,026
41 मुरादाबाद	1,811	596	2,407	994	521	1,515	5,400	1,110	6,510
42 मुजफ्फरनगर	1,947	447	2,394	554	163	717	3,416	828	4,244
43 पीलीभीत	337	86	423	340	123	463	1,531	381	1,912
44 रामपुर	460	169	629	377	131	508	1,504	243	1,747
45 सहारनपुर	2,557	795	3,352	596	290	886	3,886	992	4,878
46 शहजहांपुर	563	245	808	517	108	625	2,468	433	2,901
योग ..	31,314	7,794	39,108	13,836	5,048	18,884	61,261	13,552	74,813

सारणी-19 (समाप्त)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
47	बाराबंकी	426	34	460	700	116	816	3,562	430	3,592
48	फतेहपुर	1,016	89	1,105	628	168	796	2,852	449	3,301
49	हरदोई	684	144	828	962	130	1,092	3,871	549	4,420
50	कानपुर	2,661	957	3,618	1,400	620	2,020	5,450	1,930	7,380
51	खीरी	590	257	847	472	142	614	3,346	423	3,769
52	लखनऊ	1,831	1,187	3,018	278	78	356	2,146	998	3,144
53	रायबरेली	1,047	109	1,156	694	112	806	4,157	403	4,560
54	सीतापुर	729	187	916	1,181	136	1,317	3,421	623	4,044
55	उन्नाव	811	110	921	859	171	1,030	3,302	484	3,786
योग		9,795	3,074	12,869	7,174	1,673	8,847	32,107	6,289	38,396
आंग्ल भारतीय विद्यालय		419	1,045	1,464	2	44	46	..	32	32
योग-- स्टेट यू०पी०		78,887	17,296	96,183	43,355	11,420	54,775	1,93,309	37,456	2,30,765

भाग 2

उत्तर प्रदेश

में

प्राविधिक शिक्षा की प्रगति

1975-76

प्राविधिक शिक्षा निदेशालय, उ० प्र० कानपुर

सामान्य पर्यवेक्षण

चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में प्राविधिक शिक्षा के विकास की विशेषता यह रही कि पाठ्यक्रमों में समयानुकूल परिवर्तन करके उन्हें उद्योग आधारित और व्यवसायोन्मुख बनाया गया। इसके अतिरिक्त ऐसी योजनाएँ जो तृतीय पंचवर्षीय योजना में पांच वर्ष पूरी नहीं कर सकी थी, चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में पूरी की गई।

चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में परम्परागत पाठ्यक्रमों के बजाय डाइवर्सि-फिनेशन पर अधिक बल दिया गया और विभिन्न ट्रेडों में डिप्लोमा एवं पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम विभिन्न संस्थाओं में चलाये गये। इन नये पाठ्यक्रमों को प्रारम्भ करने से तकनीकी एवं टेक्नालाजी के चतुर्मुखी विकास में सरकारी एवं गैर सरकारी उद्योगों तथा प्रतिष्ठानों को कुशल प्रशिक्षित तकनीकी व्यक्ति उपलब्ध कराये गये।

1974-75 में डाइवर्सिफाइड पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त तकनीकी शिक्षा के कार्यक्षेत्र में नवीनीकरण का प्रयास किया गया। प्रदेश में नये उद्योग आधारित पाठ्यक्रमों और प्रशिक्षणयुक्त उत्पादन केन्द्रों के माध्यम से तकनीकी शिक्षा को नई दिशा देकर तकनीकी शिक्षा प्राप्त बालक बालिकाओं को अपने पैरों पर खड़ा करके समाज के आर्थिक स्तर को ऊँचा उठाने का प्रयत्न किया गया।

वर्ष 1975-76 में प्रदेश के पिछड़े, पर्वतीय एवं नैदानी क्षेत्रों में, 7 बहुधन्धी संस्थायें स्थापित की गईं और नये डाइवर्सिफाइड पाठ्यक्रम चलाये गये। महिलाओं तथा समाज के अन्य कमजोर वर्गों को प्रशिक्षण सुविधायें उपलब्ध कराकर उनके आर्थिक स्तर को ऊँचा उठाने का प्रयास किया गया। टेक्नों-75 विशाल प्रदर्शनी का आयोजन कर उद्योगों एवं तकनीकी संस्थाओं को निकट लाने का प्रयास किया गया।

इस प्रकार 1975-76 में अधिकाधिक शिक्षा संस्थाओं के माध्यम से प्रदेश के कृषकों तथा समाज के अन्य कमजोर वर्ग को आर्थिक, शैक्षिक एवं प्रशिक्षणात्मक सहायता देकर प्रदेश में समाजवादी व्यवस्था लाने में माननीय प्रधान मन्त्री जी द्वारा घोषित 20 सूत्रीय आर्थिक कार्यक्रम को अमल में लाने की दिशा में प्राविधिक शिक्षा के क्षेत्र में पूरा प्रयास किया गया।

अखिल भारतीय प्राविधिक शिक्षा परिषद की संस्तुति पर डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट स्तर पर प्राविधिक शिक्षा के सुव्यवस्थित विकास हेतु प्राविधिक शिक्षा निदेशालय की स्थापना वर्ष 1961-62 में हुयी। इससे पूर्व यह विभाग उद्योग निदेशालय, उत्तर प्रदेश कानपुर का एक अनुभाग मात्र था।

निदेशालय की स्थापना के बाद प्रदेश में प्राविधिक शिक्षा का विकास भारत सरकार की संस्तुतियों के अनुसार होता चला आ रहा है। प्राविधिक व्यक्तियों की कमी को पूरा कर सामूहिक एवं निजी क्षेत्रों को उपयुक्त कुशल एवं प्रशिक्षित व्यक्ति उपलब्ध कराने के निमित्त संस्थाओं का विस्तार, विकास तथा पुनर्गठन निरन्तर किया जा रहा है और उत्तर-प्रदेश इस दिशा में देश में अग्रणी है।

वर्तमान समय में प्राविधिक शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत निम्न प्रकार की संस्थायें चल रही हैं:—

- 1—राजकीय केंद्रीय वस्त्र संस्थान, कानपुर (डिप्रीस्तर)।
- 2—बहुधन्धी एवं विशिष्ट संस्थायें।
- 3—माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय।

डिग्री संस्थायें

आजादी के पूर्व केन्द्रीय विश्वविद्यालय के अतिरिक्त सम्पूर्ण प्रदेश में केवल एक ही इंजीनियरिंग कालेज था जो थामसन इंजीनियरिंग कालेज के नाम से विश्व विख्यात था और उसमें 65 छात्रों को सिविल इलेक्ट्रिकल एण्ड मेकेनिकल इंजीनियरिंग में उच्च शिक्षा देने का प्रबन्ध था। इस इंजीनियरिंग कालेज को प्रथम पंच वर्षीय योजना में प्रदेश में इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय में परिणित करके उसकी प्रवेश क्षमता 120 कर दी गई। इसके अलावा दूसरी संस्था एच 0बी 0टी 0आई 0 कानपुर थी, जिसमें केवल टेकनालाजी विषयों के अध्ययन की व्यवस्था थी। इस संस्था की प्रवेश क्षमता 27 थी। इसके बाद प्रथम पंचवर्षीय योजना में एक निजी, इंजीनियरिंग कालेज दयालबाग, आगरा की स्थापना हुई।

द्वितीय पंचवर्षीय योजना काल के उपरान्त राजकीय केन्द्रीय सूती वस्त्रोद्योग संस्थान, कानपुर, मदन मोहन मालवीय इंजीनियरिंग कालेज, गोरखपुर तथा मोतीलाल नेहरू रोजनल इंजीनियरिंग कालेज, इलाहाबाद की स्थापना हुई और रुड़की विश्वविद्यालय, रुड़की में आर्कीटेक्चरल एवं टेलीकम्यूनिकेशन, इंजीनियरिंग विभागों की स्थापना की गई।

वर्ष 1966-67 में पंतनगर में पंत कालेज आफ टेकनालाजी की स्थापना की गई। इस प्रकार तीसरी पंचवर्षीय योजना के अन्त तक रुड़की विश्वविद्यालय सहित डिग्री स्तर की संस्थाओं की संख्या 7 एवं उनकी प्रवेश क्षमता 1,105 हो गई। परन्तु प्रति वर्ष छात्रों की बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए वर्ष 1967-68 में इन संस्थानों की प्रवेश क्षमता बढ़ाकर 1,565 कर दी गई ताकि छात्रों का एक बड़ा समुदाय इस शिक्षा से लाभान्वित हो सके। परन्तु इस निर्णय से जहाँ एक ओर छात्रों को प्रवेश सुविधा मिली वही दूसरी ओर अधिक संख्या में इंजीनियरों में बेकारी की समस्या उत्पन्न हो गई। अतः शासन के निर्णय पर 1968-69 से डिग्री पाठ्यक्रमों की प्रवेश क्षमता 1,565 से कम करके 980 कर दी गई।

डिग्री पाठ्यक्रमों के अलावा रुड़की विश्वविद्यालय तथा मोतीलाल नेहरू रोजनल इंजी 0 कालेज, इलाहाबाद में विभिन्न विषयों से स्नातकोत्तर प्रशिक्षण की व्यवस्था की जा चुकी है। एच 0बी 0टी 0 आई 0 कानपुर और मदन मोहन मालवीय इंजीनियरिंग कालेज, गोरखपुर में संवारत इंजीनियरों की सुविधा के लिये अंशकालीन स्नातकोत्तर कक्षाएँ चल रही हैं। परिणाम स्वरूप अब प्रदेश विभिन्न इंजीनियरिंग विषयों में स्नातकोत्तर तथा पी 0एच 0डी 0 व्यक्तियों की मांग की पूर्ति के सम्बन्ध में आत्म निर्भर हो गया है।

चतुर्थ पंचवर्षीय योजना के अन्त तथा 1974-75 तक डिग्री स्तर पर कोई नई संस्था नहीं खोली गई किन्तु संस्थाओं में चल रहे डिग्री पाठ्यक्रमों के सुदृढीकरण हेतु आवर्तक एवं अनावर्तक अनुदान का प्राविधान किया गया और आवश्यकतानुसार नवीन पाठ्यक्रम आरम्भ किये गये।

वर्ष 1975-76 में मैन मोड फाइवर टेकनालाजी पाठ्यक्रम जो एक डिग्री स्तर का पाठ्यक्रम है राजकीय केन्द्रीय वस्त्र संस्थान, कानपुर में चलाया गया।

वर्ष 1975-76 में डिग्री स्तर की संस्थाओं की प्रवेश क्षमता 1,020 है।

पांचवी योजना के अन्तर्गत समस्त डिग्री संस्थाओं के लिये 321.600 लाख रुपये का परिब्यय निर्धारित किया गया है जिसमें वर्ष 1975-76 के लिये 44.600 लाख रुपये का बजट प्राविधान किया गया।

राजकीय सेंट्रल टेक्सटाइल इन्स्टीट्यूट, कानपुर को छोड़कर अन्य सभी डिग्री स्तर की इंजीनियरिंग संस्थायें स्वयं अधिकार ग्रहीत हैं। राजकीय सेंट्रल टेक्सटाइल इन्स्टीट्यूट, कानपुर का प्रशासनिक नियंत्रण प्राविधिक शिक्षा निदेशालय, कानपुर द्वारा होता है।

डिप्लोमा स्तर

स्वतन्त्रता के पूर्व उत्तर प्रदेश में सिविल इन्जीनियरिंग स्कूल जो आजकल लखनऊ पाली-टेकनिक, लखनऊ के नाम से जाना जाता है तथा हिवेट इन्जीनियरिंग स्कूल जिसका नाम आजकल हिवेट पालीटेकनिक है तथा रुड़की ओवर सियर स्कूल में डिप्लोमा स्तर तथा सार्टीफिकेट स्तर की पढ़ाई होती थी। वर्ष 1950-51 में राज्य में डिप्लोमा प्रदान करने वाली 11 संस्थाएँ थी जिनमें से डिप्लोमा स्तर पर सिविल, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल इन्जीनियरिंग टेकस्टाइल कमिश्नी, टेकस्टाइल टेक्नालाजी आदि की शिक्षा का प्रबन्ध किया गया था और 655 छात्रों के प्रवेश की व्यवस्था थी। प्रथम पंचवर्षीय योजना अवधि में इनमें अतिरिक्त छात्रों के प्रवेश की व्यवस्था नहीं की गई किन्तु वर्तमान सुविधाओं को ही सुदृढ़ आधार प्रदान करने का प्रयास किया गया। इसके अतिरिक्त स्टाफ, साज-सज्जा और भवन आदि का प्रबन्ध किया गया।

दूसरी पंचवर्षीय योजना में बरेली, झांसी, और खुर्जा में एक-एक पालीटेकनिक की स्थापना की गई। प्रत्येक में 120 छात्रों के प्रवेश की सुविधा थी। इनके अतिरिक्त चन्दौली, हण्डिया, नैनीताल, हाथरस में सिविल इन्जीनियरिंग स्कूल भी खोले गये। बाद में एम 0जी 0 पाली-टेकनिक हाथरस का विस्तार कर वहाँ सिविल, इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल तीन प्रकार के पाठ्य-क्रमों में प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई।

केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रारम्भ की गई एक और योजना के अन्तर्गत मिर्जापुर, फैजाबाद तथा कानपुर में भी एक-एक पालीटेकनिक खोलने की स्वीकृति दी गई थी जिनमें क्रमशः 120, 120 और 240 विद्यार्थियों के प्रवेश की व्यवस्था थी। इनके लिये कुछ साजसज्जा भी खरीदी गई तथा भवन आदि के निर्माण का काम हाथ में लिया गया किन्तु प्रशिक्षण सम्बन्धी पूरी व्यवस्था न हो पाने के कारण ये संस्थाएँ दूसरी योजनावधि में काम प्रारम्भ नहीं कर सकी। वर्ष 1956-57 में इलाहाबाद में ट्रेनिंग टेक्नालाजी इन्स्टीट्यूट की स्थापना की गई।

द्वितीय पंचवर्षीय योजना में डिप्लोमा स्तर पर प्रशिक्षण सुविधाओं का जो प्रसार हुआ उसके फलस्वरूप 2,980 विद्यार्थियों के प्रवेश की व्यवस्था हो गई और इन संस्थाओं की संख्या सन् 1960-61 तक 27 हो गई।

तीसरी पंचवर्षीय योजना में शासन द्वारा पांच नये पालीटेकनिक स्वीकृत किये गये थे। जिसके फलस्वरूप प्रवेश क्षमता में 660 विद्यार्थियों की वृद्धि हो गई। इनमें से चार संस्थाएँ बस्ती, गोण्डा, और आजमगढ़ तथा एक मुरादाबाद में प्रारम्भ की गई। राजकीय बहुधन्वी संस्था श्रीनगर (गढ़वाल) को योजनावधि में प्रारम्भ नहीं किया जा सका। इसके अतिरिक्त पहिले से चले आ रही पालीटेकनिक संस्थाओं में भर्ती किये जा सकने वाले विद्यार्थियों की संख्या भी बढ़ाई गई। इसी अवधि में लखनऊ में महिलाओं को तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के निमित्त एक पाली-टेकनिक खोला गया। इस पालीटेकनिक में इलेक्ट्रिकल, आर्टिटेक्चरल आसिस्टेंटशिप, स्टेनोग्राफी और सेक्रेटैरियल प्रैक्टिस जैसे विषयों में प्रशिक्षण प्रारम्भ किया गया।

चमड़ा उद्योग को प्रोत्साहन प्रदान करने की दृष्टि से आगरा में लेदर इन्स्टीट्यूट की स्थापना की गई और इसमें लेदर टेक्नालाजी (ट्रेनिंग) तथा लेदर गुंझत मैनुफैक्चरिंग एवं फुट-वियर टेक्नालाजी के दो डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गये और इनकी प्रवेश क्षमता 30 रबड़ी गई। स्वीडन सरकार की सहायता से सहारनपुर में एक स्कूल आफ पेपर टेक्नालाजी स्थापित किया गया। इसमें डिप्लोमा और सार्टीफिकेट स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण का प्रबन्ध है। इस स्कूल में 100 प्रशिक्षार्थियों के प्रवेश की व्यवस्था है। काम करने वाले श्रमिकों की सुविधा के लिये राजकीय पालीटेकनिक, कानपुर तथा हिवेट पालीटेकनिक लखनऊ में सिविल, इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल इन्जीनियरिंग का चार वर्षीय पार्ट टाइम डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया। प्रत्येक संस्था की प्रवेश क्षमता 100 थी। राजकीय बहुधन्वी संस्था लखनऊ तथा नैनीताल बहुधन्वी संस्थान नैनीताल में 1963-64 से बन्द किये गये त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम के स्थान पर सिविल

विद्युत एवं यान्त्रिक अभियन्त्रण में द्विवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम चालू किया गया। टेक्निकल कालेज दयालबाग आगरा में आटोमोबाइल इन्जीनियरिंग का एक वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी प्रारम्भ किया गया। इसमें प्रतिवर्ष 30 छात्रों के प्रवेश की सुविधा रखी गई।

इस प्रकार तीसरी योजना की अवधि समाप्त होने तक प्रदेश में डिप्लोमा स्तर पर 4,860 विद्यार्थियों के प्रशिक्षण की व्यवस्था हो गई। सन् 1966-67 में डिप्लोमा स्तर पर कोई नया पालीटेकनिक नहीं खोला गया किन्तु सेन्ट्रल वर्किंग ग्रुप की सिफारिशों के अनुसार राजकीय पालीटेकनिक कानपुर, फैजाबाद, आजमगढ़, बरेली, झांसी तथा मुरादाबाद एवं इलाहाबाद पालीटेकनिक इलाहाबाद, डी0एन0 पालीटेकनिक मेरठ, के0एल0 पालीटेकनिक रुड़की तथा लखनऊ पालीटेकनिक लखनऊ में प्रवेश स्थानों में वृद्धि भी की गई जिसके फलस्वरूप प्रवेश क्षमता में 960 की वृद्धि हुई और सन् 1966-67 के अन्त तक पालीटेकनिकों में विद्यार्थियों की प्रवेश क्षमता 4,860 से बढ़कर 5,690 हो गई।

राजकीय पालीटेकनिक श्रीनगर (गढ़वाल) में वर्ष 1968-69 से प्रशिक्षण कार्य प्रारम्भ किया गया। प्रारम्भ में इस संस्था में 60 छात्रों के प्रवेश की व्यवस्था की गई थी। प्रशिक्षण सुविधायें पूर्ण रूपेण उपलब्ध हो जाने के फलस्वरूप वर्ष 1974-75 से प्रवेश क्षमता 60 से 120 कर दी गई। वर्ष 1968-69 में डिप्लोमा स्तर पर 5,750 छात्रों के प्रवेश की व्यवस्था थी।

चौथी पंचवर्षीय योजना में सिंचाई एवं विद्युत योजनाओं में विकास, सड़कों का निर्माण, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अन्य निर्माण कार्यों में वृद्धि, यातायात में भारी तथा हल्की गाड़ियों के अधिकाधिक उपयोग डीजल तथा पेट्रोल इंजनों का अधिकाधिक प्रयोग, खाद्यान्न उद्योग को एयर-कन्डीशनिंग एवं रेफ्रीजरेशन में कुशल तकनीकियों की आवश्यकता, रेडियो, ट्रांजिस्टर तथा टेली-विजन का उपयोग दिन प्रतिदिन बढ़ने के कारण परम्परागत पाठ्यक्रमों की प्रवेश क्षमता में वृद्धि न करके उद्योगों की आवश्यकतानुसार आटोमोबाइल इन्जीनियरिंग तथा एयर कन्डीशनिंग इलेक्ट्रानिक्स तथा एग्रीकल्चर इन्जीनियरिंग आदि के नये डाइवर्सिफाइड डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाये गये। चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में डिप्लोमा स्तर पर प्रवेश क्षमता 6,240 थी। इस योजनाकाल में वर्षवार निम्न डिप्लोमा एवं पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाये गये:—

क्रम संख्या	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	प्रवेश क्षमता
1	2	3	4	5
1970-71				
1	इलाहाबाद पालीटेकनिक इलाहाबाद।	1—डिजाइन एवं ड्राफ्टिंग (पोस्ट डिप्लोमा)	1	10
		2—इलेक्ट्रानिक्स	3	30
2	राजकीय पालीटेकनिक गोरखपुर।	केमिकल आपरेटर	4	30
3	राजकीय पालीटेकनिक कानपुर।	3—इन्स्ट्रुमेंट टेकना 0 (पो डिप्लोमा)	1	10
4	पी 0 ए म 0 बी 0 पाली 0 मथुरा।	1—आटोमोबाइल इन्जी 0	1	10
1971-72				
1	राजकीय पालीटेकनिक कानपुर के 0 एल 0 पाली 0 रुड़की लखनऊ पाली 0 लखनऊ।	इलेक्ट्रानिक्स	3	30

1	2	3	4	5
2--राजकीय पालीटेकनिक लखनऊ बरेली, झांसी ।		आटोमोबाइल इन्जी 0 ..	3	30
3--इलाहाबाद पाली 0 इलाहाबाद 1972-73		रेफ्रीजरेशन एवं एयरकन्डी 0	1	10
1-पी 0एम 0वी 0पाली 0 मथुरा ..		आटो इन्जीनियरिंग ..	3	30
2--राजकीय पालीटेकनिक खुर्जा ..		ग्लास एवं सेरेमिक्स टेक्ना 0	3	30
3--राजकीय महिला पाली 0 लखनऊ		कास्ट्यूम डिजाइन एवं .. ड्रेसमैकिंग	3	30
4--राजकीय बहुधन्धी संस्था बरेली		रेफ्रीजरेशन एवं एयरकन्डी 0 (पोस्ट डिप्लोमा)	1	10
5--डो 0एन 0पाली 0 मेरठ ..		तदैव	1	10
6--राजकीय पालीटेकनिक झांसी		इलेक्ट्रानिक्स	3	30
7--नैनीताल पाली 0 नैनीताल ..		कार्माशियल प्रैक्टिस ..	2	30
1973-74				
1--इलाहाबाद पाली 0 इलाहाबाद		1--प्रोडक्शन इन्जी 0 ..	3	30
		2--कार्माशियल प्रैक्टिस ..	2	30
		3--आटो 0इन्जीनियरिंग	3	30
		4--कान्सट्रक्शन टेक्ना 0 ..	3	30
		5--इन्सट्रुमेंटेशन एवं कन्ट्रोल	3	30
2--चन्दौली पाली 0 चन्दौली ..		एग्रीकल्चर इन्जी 0 ..	3	30
3--एम 0जी 0पाली 0 हाथरस ..		इन्डस्ट्रियल इलेक्ट्रानिक्स (पोस्ट डिप्लोमा)	1	10
4--राजकीय पाली 0 गोरखपुर ..		रेफ्रीजरेशन एवं एयरकन्डी 0	1	10
5--राजकीय पाली 0 मिर्जापुर ..		इन्डस्ट्रियल इन्जी 0 .. (पी 0 डिप्लोमा)	1	10

डिप्लोमा स्तर की योजनायें जो तृतीय पंचवर्षीय योजना में चालू की गई थी और योजनाकाल में पूरी नहीं हो सकी थी उनके लिये चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में बहुधन्धी संस्थाओं के एकीकरण योजना के अन्तर्गत साज-सज्जा तथा भवन निर्माण का प्राविधान किया गया। परम्परागत पाठ्यक्रमों (सिविल, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल) को उद्योगों के लिये उपयोगी बनाने के उद्देश्य से उनमें प्रयोगात्मक प्रशिक्षण को बढ़ाया गया और इलेक्टिव विषयों का समावेश किया गया। इस पुनरीक्षित पाठ्यक्रम को वर्ष 1969-70 से चालू किया गया।

कैश प्रोग्राम--विभिन्न विभागों में सिविल इन्जीनियरिंग में इन्जीनियरों की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के उद्देश्य से प्रदेश की कई संस्थाओं में कैश प्रोग्राम प्रारम्भ किये गये। इस प्रोग्राम के अन्तर्गत इलेक्ट्रिकल तथा मैकेनिकल इन्जीनियरिंग के डिप्लोमा धारकों को सिविल इन्जीनियरिंग में 8 माह का प्रशिक्षण वर्ष 1973-74 में दिया गया।

वर्ष 1974-75 में भी नई बहुधन्धी संस्थाएँ स्थापित नहीं की गईं परन्तु उद्योग आधारित निम्न डाइवर्सिफाइड डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाये गये और प्रवेश क्षमता 6240 से बढ़कर 6540 हो गई।

		प्रवेश क्षमता
1--राजकीय पाली 0 श्रीनगर (गढ़वाल)	} .. आटोमोबाइल इन्जी 0	30
2--टाउन पाली 0 बलिया		
3--गांधी पाली 0 मुजफ्फरनगर	.. आटोमोबाइल इन्जी 0	30
4--नैनीताल पाली 0 नैनीताल	.. इलेक्ट्रानिक्स	30
5--इलाहाबाद पाली 0 इलाहाबाद	1--पब्लिक हेल्थ इन्जी 0	30
	2--टूल इन्जी 0	30
	3--प्लास्टिक इन्जी 0	30
6--एम 0जी 0पाली 0 हाथरस	.. रेफ्रीजरेशन एवं एयर	30
कन्डीशनिंग।		

वर्ष 1975-76 में प्रदेश के पिछड़े मैदानी एवं पर्वतीय क्षेत्रों में प्राविधिक शिक्षा के प्रसार हेतु मैदानी क्षेत्र में दो सहायता प्राप्त बहुधन्धी संस्थाएँ महमूदाबाद (सीतापुर), रायबरेली, तथा पर्वतीय क्षेत्र में पांच राजकीय बहुधन्धी संस्थाएँ काशीपुर (नैनीताल), द्वारहाट (अल्मोड़ा) नरेंद्रनगर (टिहरी गढ़वाल), उत्तरकाशी तथा लोहाघाट (पिथौरा गढ़) में स्थापित की गईं। इन पालीटेकनिकों में क्षेत्रीय आवश्यकतानुसार लड़कों तथा लड़कियों के लिये नये पाठ्यक्रमों का समावेश किया गया है (पाठ्यक्रमों का विवरण-परिशिष्ट 2 में उल्लिखित है)।

वर्ष 1975-76 में 7 संस्थाओं की स्थापना से डिप्लोमा स्तर की संस्थाओं की संख्या 41 और प्रवेश क्षमता 7640 हो गई।

माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय--उद्योगों को विकसित मस्तिष्क वाले श्रेणी के युवा कुशल कारीगरों को उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण से माध्यमिक तकनीकी स्कूलों का कार्यक्रम भारत सरकार के वैज्ञानिक शोध एवं सांस्कृतिक मामलों के मंत्रालय द्वारा प्रारम्भ किया गया था तदनुसार वर्ष 1959-60 में दौराता, गाजीपुर, जौनपुर, झांसी तथा इलाहाबाद में जूनियर टेकनिकल स्कूलों की स्थापना की गई जिनका नाम बाद में राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय कर दिया गया। प्रत्येक विद्यालय की प्रवेश क्षमता 60 थी।

तृतीय पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत 8 अतिरिक्त माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, लखनऊ, बरेली, मिर्जापुर, आजमगढ़, फैजाबाद, व गोरखपुर, गोंडा एवं मुरादाबाद में राजकीय बहुधन्धी संस्थाओं से सम्बद्ध करके खोले गये।

हिन्दी, अंग्रेजी, गणित तथा विज्ञान विषयों के अतिरिक्त इन संस्थाओं में मशीनशाप, फिटिंग, टर्निंग, ब्लैक स्मिथी, मोल्डिंग, बॉल्डिंग, कारपेन्ट्री तथा शीट मेटल ट्रेड्स में 3 वर्षीय क्राप्टसमें स्तर के सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम पर प्रशिक्षण दिया जाता है। तृतीय पंचवर्षीय के अन्त में इन संस्थाओं की संख्या 13 तथा प्रवेश क्षमता 780 थी।

चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में कोई राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय नहीं खोला गया। इन विद्यालयों में चल रहे पाठ्यक्रमों को हाई स्कूल के समकक्ष मान्यता प्राप्त न होने एवं नेशनल अप्रेंटिसशिप ऐक्ट के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त न होने और औद्योगिक प्रतिष्ठानों में सेवा आदि की कठिनाइयों से प्रदेश में कमी आ जाने के कारण वर्ष 1970-71 से शासन द्वारा बन्द करने का निर्णय लिया गया। हाई स्कूल के समकक्ष तथा नेशनल अप्रेंटिसशिप के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त होने के दृष्टिकोण से इस विषय पर विचार किया गया और वर्ष 1972-73 से राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, जौनपुर को छोड़ कर 12 राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय पुनः चालू किये गये।

राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय जौनपुर वर्ष 1972-73 में ही कृषि विभाग को हस्तान्तरित कर दिया गया। इन विद्यालयों को अधिक उपयोगी बनाने हेतु पाठ्यचर्या में कुछ संशोधन किए गये हैं। जिनमें इलेक्ट्रीशियन ट्रेड का समावेश व विज्ञान प्रयोगशाला की स्थापना प्रमुख है।

इस प्रकार चौथी पंचवर्षीय योजना के अन्त में इन विद्यालयों की संख्या घटकर 12 रह और गई इनकी प्रवेश संख्या 780 के स्थान पर 720 हो गयी।

अंशकालीन पाठ्यक्रम

नौकरीपेशा कारीगरों के ज्ञानवर्धन एवं उद्योगों को कुशल कारीगर उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण से प्रारम्भ में हीवेट पालीटेकनिक लखनऊ तथा राजकीय पालीटेकनिक कानपुर में सिविल, इलेक्ट्रिकल, तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग में 4 वर्षीय अंशकालिक पाठ्यक्रम राज्य की वित्तीय सहायता से प्रारम्भ किये गये थे जिन्हें बाद में बन्द कर दिया गया था। परन्तु वर्ष 1974-75 में प्रदेश की कई अन्य संस्थाओं में भी यह पाठ्यक्रम स्वावलम्बी आधार पर चलाये गये। कुछ संस्थाओं में उपरोक्त पाठ्यक्रम के अन्तर्गत कार्यरत स्टाफ द्वारा विकास कार्य भी प्रारम्भ किये गये हैं। इन पाठ्यक्रमों की कक्षाएँ शाम को लगती हैं जिनमें अधिक संख्या में कारीगर प्रशिक्षण ले रहे हैं। इस प्रशिक्षण से कारीगरों की कार्यकुशलता में वृद्धि ही नहीं होती अपितु जहां पर वह कार्य करते हैं उनमें उन्हें प्रोन्नति के अवसर भी मिलते हैं।

वर्ष 1975-76 में अंशकालिक पाठ्यक्रम निम्न संस्थाओं में चलाये गये :--

- 1--राजकीय पालीटेकनिक, कानपुर
- 2--राजकीय केन्द्रीय वस्त्र संस्थान, कानपुर
- 3--राजकीय पालीटेकनिक, लखनऊ
- 4--इलाहाबाद पालीटेकनिक, इलाहाबाद
- 5--लखनऊ पालीटेकनिक, लखनऊ।

प्रशिक्षण युक्त उत्पादन केन्द्र

डिग्री स्तर की संस्थाओं में से रुड़की विश्वविद्यालय तथा मदन मोहन मालवीय इंजी० कालेज गोरखपुर में पाइलट प्रोजेक्ट प्रशिक्षण एवं उत्पादन केन्द्र की स्थापना की जा चुकी है तथा एच० बी० टी० आई० कानपुर में निकट भविष्य में उक्त केन्द्र की स्थापना प्रस्तावित है।

पालीटेकनिकों के पुनर्गठन एवं विकास के लिये अखिल भारतीय प्राविधिक शिक्षा परिषद की सलाह पर भारत सरकार ने प्रोफेसर जी० आर० दामोदरन की अध्यक्षता में वर्ष 1970-71 में एक विशेष समिति का गठन किया गया था। समिति ने संस्तुति की थी कि डिप्लोमा धारकों को व्यवहारिक प्रशिक्षण देने के लिये पालीटेकनिकों में प्रशिक्षण युक्त उत्पादन केन्द्र स्थापित किये जायें। इन उत्पादन केन्द्रों से औद्योगिक प्रशिक्षण का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों को भी उपलब्ध किया जा सकेगा। प्रदेश में प्रथम कानपुर रोड पर स्थिति लखनऊ पालीटेकनिक लखनऊ ने अपने ही आय स्रोतों से पालीटेकनिक की कर्मशाला में प्रशिक्षण युक्त उत्पादन केन्द्र का भी गणेश किया। संस्था के छात्रों ने अपने शिक्षकों की देख रेख में पावर थ्रू सर हंडहोज पउलर आदि अनेकों कृषि उपयोगी यंत्रों का निर्माण किया है इसके अतिरिक्त यह पालीटेकनिक अपने आस पास के गांवों के किसानों की प्रतिदिन की कृषि इंजीनियरिंग सम्बन्धी समस्याओं को हल करने के परामर्श मरम्मत जुताई, मड़ाई सर्वेक्षण, भूमि परीक्षण, कीट नाशक कृषि संयंत्रों द्वारा दवाओं के छिड़काव आदि की व्यवस्था उपलब्ध कराकर करती है।

चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में इलाहाबाद पालीटेकनिक इलाहाबाद नैनीताल पालीटेकनिक नैनीताल तथा चन्दौली पालीटेकनिक चन्दौली (वाराणसी) में प्रशिक्षण युक्त उत्पादन केन्द्र राजकीय वित्तीय सहायता से प्रारम्भ किये गये और इनमें प्रशिक्षण को उत्पादन आधारित बनाने हेतु मोटर गाड़ियों

रेफ्रीजरेटर रेडियो आदि की सर्विसिंग और उनकी मरम्मत के साथ-साथ थ्रेशर स्टील फर्नीचर टूल डाइज तथा टोचिंग एड्स का उत्पादन भी किया जाता है।

वर्तमान समय में इन केन्द्रों द्वारा निम्नलिखित कार्य किये जा रहे हैं :-

संस्था का नाम	कार्य कलाप
1—राजकीय चर्म संस्थान, कानपुर	.. एक्सपोर्ट क्वालिटी ट्रेनिंग फुटवियर।
2—राजकीय चर्म संस्थान, आगरा	.. फुटवियर एण्ड टैनिंग।
3—राजकीय केन्द्रीय वस्त्र संस्थान, कानपुर	.. कलेन्डरिंग टेक्सटाइल, टैस्टिंग, ड्राई क्लीनिंग एण्ड होजरी मैन्युफैक्चरिंग।
4—इलाहाबाद पालीटेकनिक, इलाहाबाद	.. मैन्युफैक्चरिंग इलेक्ट्रॉनिक्स, एग्रोकल्चर इम्प्लीमेंट्स, फर्नीचर पैटर्न एण्ड क्वालिटी फर्नीचर गियर्स मिनी डाफ्टर्स, ट्रान्सफार्मर्स, टूल्स ड्राइज, जिम्स एण्ड पिक्चसर्स, भूमि परीक्षण एवं निर्माण कार्यों के लिये परामर्श देना, आटोमोबाइल रेफ्रीजरेशन एवं एयर कंडीशनिंग तथा इलेक्ट्रिक मोटर्स की मरम्मत का कार्य।
5—राजकीय पालीटेकनिक, कानपुर	.. शीत भंडारों का निर्माण कार्य, मैन्युफैक्चरिंग टूल डाइज जिम्स एवं पिक्चसर्स का निर्माण रेफ्रीजरेशन एवं इलेक्ट्रिक मोटर्स की मरम्मत का कार्य। भूमि परीक्षण एवं निर्माण कार्यों के लिये परामर्श देना टेलीफोन एक्सचेंज कानपुर से एयर कंडीशनस का मरम्मत एवं रख रखाव के ठेके का कार्य। मेडिकल कालेज एवं कानपुर के समस्त राजकीय अस्पतालों के पम्प मोटर्स एयर कंडीशनर्स रेफ्रीजरेटर्स वाटर कूलर आदि की मरम्मत का कार्य। इनके अतिरिक्त निम्नलिखित वस्तुओं के निर्माण की योजना भी विचाराधीन है और यह शीघ्र ही चालू की जायेगी : 1—सीलिंग फेन एवं फैशनल हार्स पावर मोटर्स। 2—बॉल्डिंग इलेक्ट्रीड्स 3—हैक्सा ब्लेड 4—विभिन्न प्रकार के हीटर्स ओवेंस एवं अन्य इलेक्ट्रिकल उपकरण के लिये नाइकीम हीटिंग एलीमेंट्स।
6—राजकीय पालीटेकनिक लखनऊ	.. भूमि परीक्षण मशीनशाप में जाब चर्क का कार्य।
7—नैनीताल पालीटेकनिक, नैनीताल	.. जीप की बाडी का निर्माण होल वैरोज का निर्माण तथा जाब चर्क।
8—चन्दौली पालीटेकनिक, चन्दौली	.. कृषि उपकरण।

शिक्षक प्रशिक्षण योजना

प्राविधिक शिक्षा के क्रमिक विकास के साथ-साथ उचित स्तर के डिप्लोमा संस्थाओं के अध्यापकों की उपलब्धता में कठिनाई का अनुभव किया गया जिसकी पूर्ति के लिए भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा देश के उत्तरी क्षेत्र चण्डीगढ़ में टीचर्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की स्थापना की गई। उक्त संस्था में पालीटेकनिकों के अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए 28 स्थानों का प्राविधान है।

इस इंस्टीट्यूट में वर्ष 1967-68 से अब तक प्रशिक्षण पाये हुए अध्यापकों की संख्या निम्नवत है ---

1967-68	18
1968-69	15
1969-70	18
1970-71	13
1971-72	12
1972-73	28
1973-74	28
1974-75	5
1975-76	16

इस बीचकालीन प्रशिक्षण के अतिरिक्त इलाहाबाद पालीटेकनिक, इलाहाबाद में अल्पकालीन प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। गत वर्ष लखनऊ पालीटेकनिक, लखनऊ में मीट्रियालाजी विषय में एक शीघ्र कालीन स्कूल का आयोजन किया गया था। अभी तक प्रदेश में लगभग 500 शिक्षकों को अल्पकालीन प्रशिक्षण दिया जा चुका है। संभवतः इतनी संख्या में गत दो दशकों में शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करने का अवसर नहीं प्राप्त हुआ था।

औद्योगिक प्रदर्शनियों का आयोजन

प्रदेश का तकनीकी शिक्षा के विकास के साथ औद्योगिक विकास सम्बन्ध है। अतः तकनीकी शिक्षा तथा उद्योगों के विकास के लिये दोनों में समन्वय होना आवश्यक है। प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शनियों के आयोजन के माध्यम से इस लक्ष्य की पूर्ति होना संभव है। प्रदर्शनियों में संस्थाओं की नई तकनीक तथा उद्योगों के उत्पादन का प्रदर्शन करके उद्योगों एवं तकनीकी शिक्षा पद्धति में करना संभव होगा।

इसी उद्देश्य से वर्ष 1974 में इलाहाबाद बहुधन्धी संस्था, इलाहाबाद में टेकनो 74 "इण्डस्ट्रियल एवं टेक्नालाजिकल प्रदर्शनी" आयोजित की गई। इसकी सफलता को देख कर वर्ष 1975-76 में लखनऊ में टेकनो 75 प्रदर्शनी आयोजित करने का निर्णय लिया गया था।

टेकनो 75 "इण्डस्ट्रियल टेक्नालाजिकल प्रदर्शनी लखनऊ के पोलो ग्राउण्ड में दिनांक 19-11-75 से 17-12-75 तक बहुत बड़े स्तर पर आयोजित की गई तथा लगभग 11 लाख लोगों ने इस प्रदर्शनी को देखा।

पालीटेकनिकों में ग्रामीण सेवा केन्द्रों का प्रारंभ

ग्रामीण क्षेत्रों में प्राविधिक शिक्षा के कार्यकलापों का विकास कर प्राविधिक शिक्षा को नई दिशा दी जा रही है। माननीय प्रधान मंत्री जी द्वारा घोषित 20 सूत्रीय आर्थिक कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राविधिक शिक्षा को एक नई दिशा देकर प्रदेश के पालीटेकनिकों को ग्रामोत्थान में भाग लेने हेतु उनमें ग्राम सेवा केन्द्रों की स्थापना की गई है। इस दिशा में अधिकांश पालीटेकनिकों से उपयोगी

सुझाव प्राप्त हुए हैं और वहाँ के शिक्षक तथा छात्रों ने ग्रामीणों से सम्पर्क स्थापित कर उन्हें लाभान्वित करना आरम्भ कर दिया है। इस दिशा में लखनऊ पालीटेकनिक, लखनऊ तथा इलाहाबाद पालीटेकनिक, इलाहाबाद ने अपने निकटवर्ती कृषकों को सामयिक सहयोग एवं परामर्श देकर कृषि उत्पादन में अपना सहयोग प्रदान किया है। इसके अतिरिक्त इन केन्द्रों द्वारा गांव वालों को सामान, कल पुर्जे, टैंक्टर, पम्प मोटर तथा अन्य प्रकार की मशीन की मरम्मत की सुविधा निःशुल्क प्रदत्त कर इच्छुक व्यक्तियों को मशीनों की मरम्मत तथा रखरखाव के विषय में जानकारी देना भी आरम्भ कर दिया है।

इस प्रकार प्रधान मंत्री जी द्वारा घोषित 20 सूत्रीय आर्थिक कार्यक्रम को अमल में लाया गया है और उत्तर प्रदेश इस दिशा में अग्रणी है।

पालीटेकनिकों एवं अन्य प्राविधिक संस्थाओं में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वाले समाज के पिछड़े वर्ग को निःशुल्क शिक्षा, आवास और पुस्तकीय सहायता देने की बृहद् योजना अपनाई गई है। प्रदेश के पालीटेकनिकों में प्रवेश के लिए 18 प्रतिशत स्थान आरक्षित हैं और छात्रवृत्ति देने की भी व्यवस्था है।

प्रदेश में महिलाओं के लिए प्राविधिक शिक्षा, उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सर्वप्रथम 1963-64 में राजकीय महिला पालीटेकनिक लखनऊ में स्थापित की गई जिसमें इलेक्ट्रॉनिक्स स्टनोग्राफी एवं सेक्रेटेरियल प्रेक्टिस तथा आर्कोटेक्चरल असिस्टेन्टशिप डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का समावेश किया गया। तकनीकी शिक्षा के प्रति महिलाओं की बढ़ती हुई रुचि को देखते हुए प्रदेश में अतिरिक्त महिला पालीटेकनिकों की आवश्यकता का अनुभव पिछले कई वर्षों से किया जा रहा था। रायबरेली पालीटेकनिक रायबरेली, महमूदाबाद पालीटेकनिक महमूदाबाद (सीतापुर) राजकीय पालीटेकनिक देहरादून, गढ़वाल उत्तरकाशी और अल्मोड़ा में भी महिलाओं के प्रशिक्षण के पाठ्यक्रम चलाये गये इनके अतिरिक्त अन्य पालीटेकनिकों में भी वर्ष 1975-76 से महिलाओं के प्रवेश के लिये 10 प्रतिशत स्थान आरक्षित किये गये हैं। इस प्रकार वर्ष 1975-76 में प्रदेश की महिलाओं को प्राविधिक शिक्षा के प्रशिक्षण में समुचित सुविधा प्रदान की गई है।

प्राविधिक शिक्षा के अन्तर्गत प्रदत्त सुविधाएं

(अ) प्राविधिक शिक्षा--

उत्तर प्रदेश शासन ने वर्ष 1950-51 में प्राविधिक शिक्षा ऋण योजना प्रारम्भ की थी। इस योजना को प्रारम्भ करने का शासन का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश के साधनहीन, असहाय मेधावी छात्र को तकनीकी शिक्षा ग्रहण करने के लिए सहायता प्रदान करना था।

योजना के अन्तर्गत सात हजार रुपये तक भारत में और पन्द्रह हजार रुपये तक का ऋण विदेश में प्राविधिक शिक्षा प्राप्त करने के लिए स्वीकृत किया जा सकता है। प्रथम योजना काल में 3.071 लाख रुपये, द्वितीय योजना काल में 20.712 लाख रुपये, तृतीय योजना काल में 91.312 लाख रुपये तथा चतुर्थ पंचवर्षीय योजना काल में 70.885 लाख रुपये का ऋण वितरित किया गया।

पांचवी योजना काल के प्रथम वर्ष (1974-75) में 13.00 लाख रुपये का ऋण वितरित किया गया। वर्ष 1975-76 में इस योजना के अन्तर्गत 10,00,000 रुपये का प्राविधान है।

विदेशों में शिक्षा ग्रहण करने वाले उत्तर प्रदेश के विद्यार्थियों को ऋण की स्वीकृति शासन द्वारा की जाती है। ऋण स्वीकृति हेतु प्राप्त प्रार्थना-पत्र संस्तुति के साथ शासन को प्रेषित कर दिये जाते हैं।

ऋण की वसूली विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम पूर्ण करने के एक वर्ष बाद से प्रारम्भ होती है। विये गये ऋण की पूर्ण धनराशि 7 वार्षिक किरतों में वसूल की जाती है। विशेष परिस्थितियों में प्राविधिक शिक्षा ऋण नियमावली के अन्तर्गत ऋण प्राप्तकर्ता को ऋण की वापसी में 1 वर्ष का समय और प्रदान करने का भी प्राविधान है। दिसम्बर, 1974 तक ऋण प्राप्त कर्ताओं की संख्या 11,345 थी और लगभग 150.00 लाख रुपये की वसूली की गई थी। दिसम्बर 1975 तक ऋण प्राप्तकर्ताओं की कुल संख्या 11,675 हो गई और 166.00 लाख रुपये की वसूली की जा चुकी है।

शुल्क मुक्ति:-

प्राविधिक शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत समस्त बहुधन्धी संस्थाओं एवं डिग्री संस्थानों में 15 प्रतिशत पूर्ण शुल्क तथा 30 प्रतिशत अर्धशुल्क की छूट का प्राविधान है।

वृत्ति एवं छात्र वृत्तियां:-

सम्पूर्ण बहुधन्धी संस्थानों के मेधावी छात्रों को वृत्ति एवं छात्रवृत्तियां दी जाती हैं। राज्य के बाहर प्राविधिक शिक्षा के अध्ययन हेतु जाने वाले छात्रों को वृत्तियों की सुविधायें भी प्रदान की जाती हैं। प्रदेश के बाहर इंडियन स्कूल आफ माइन्स एवं जियोलोजी, धनवाड़, इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइन्स, बंगलौर, इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नालाजी, खरगपुर तथा सर जे 0 जे 0 स्कूल आफ आर्ट्स, बम्बई में अध्ययन करने वाले छात्रों हेतु 50 रु 0 प्रति मास की 30 वृत्तियों का प्राविधान है। माध्यमिक प्राविधिक विद्यालयों में वृत्तियां प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में क्रमशः 20 एवं 30 रु 0 प्रतिमाह की दर से प्रदान की जाती हैं। राजकीय महिला बहुधन्धी संस्थान, लखनऊ में इलेक्ट्रॉनिक्स के लिये वृत्ति की दर 50 रु 0 प्रतिमाह है तथा स्टेनोग्राफी एवं सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस हेतु 20 रु 0 प्रतिमास। मेरिट के कम-मीन्स छात्र वृत्ति योजना के अन्तर्गत 25 रु 0 प्रतिमास की दर से 10 प्रतिशत छात्रों को छात्र वृत्तियां दी जाती हैं।

विद्यार्थियों को सुविधाएं:-

प्रत्येक संस्था में छात्रों के लिये साइकिल स्टेन्ड, डिस्पेन्सरी, एन 0 सी 0 सी 0 ब्लाक तथा कैंटीन की सुविधायें उपलब्ध हैं। इस योजना के अन्तर्गत निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। शेष कार्य को पूरा करने के लिये पांचवीं पंचवर्षीय योजना में 11.300 लाख रुपये का परिव्यय रखा गया है। वर्ष 1976-77 में इस योजना के लिये 2.200 लाख रुपये का प्राविधान रखा गया है।

लगभग सभी संस्थाओं के छात्रों के लिये छात्रावास की सुविधा भी उपलब्ध है।

आवास गृहों का निर्माण:-

प्राविधिक शिक्षा संस्थाओं में आवास गृह का निर्माण कार्य चल रहा है। जिसके लिये पांचवीं योजना में 30,000 लाख रुपये का प्राविधान प्रस्तावित है।

प्रवेश स्थानों का आरक्षण:-

सम्पूर्ण संस्थानों में प्रवेश योग्यता के आधार पर किये जाते हैं। डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के प्रवेश के लिये न्यूनतम शैक्षिक योग्यता गणित तथा विज्ञान (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान) विषयों में कम से कम 40 प्रतिशत प्राप्तांक साथ दसवीं कक्षा उत्तीर्ण तथा प्राविधिक माध्यमिक विद्यालयों में जूनियर

हाई स्कूल अथवा आठवीं कक्षा उत्तीर्ण । राजकीय एवं अनुदानित संस्थानों में प्रवेश के लिये आरक्षित स्थानों का विवरण निम्नवत् है :—

राजाज्ञा सं० तथा तिथि	आरक्षित संस्थानों की संख्या	आरक्षण का स्वरूप/प्रकार
1	2	3
1—3508 ईडी/18-घ- दिनांक 24-9-1965 ।	प्रवेश-स्थानों का 18 प्रतिशत	परिगणित जातिके छात्र ।
2—6763 ईडी/18-घ-400 ईडी-196-आई0 डी0, दिनांक 10-1-1963 ।	12 प्रवेश-स्थान ननीताल पाली- टेकनिक, ननीताल तथा 4 प्रवेश-स्थान अन्य बहुधंधी संस्थानों में ।	सीमान्त क्षेत्र के छात्र ।
3—3793 ईडी/18-घ- दिनांक 18-7-1963 ।	प्रविष्ट प्रति 60 छात्रों में	राजनैतिक पीड़ित एवं स्वतंत्रता सेनानियों के पुत्र तथा अभिरक्षित ।
4—3894 ईडी/ 18-घ- 400-ईडी--67. दिनांक 18-7-63 ।	उत्तर क्षेत्रीय मुद्रण औद्योगिक संस्थान, इलाहाबाद में, राजकीय सेन्ट्रल टेक्सटाइल इन्स्टी० में 20 तथा राजकीय चर्मसंस्थान, कानपुर में 1 (स्थान) ।	सीमान्त क्षेत्र के विद्यार्थी ।
5—4517 (1) ईडी/18- घ-67, दिनांक 7-8-63	राजकीय बहुधंधी संस्था, गोरख- पुर में विद्युत एवं यंत्र अभि- यंत्रण पाठ्यक्रम में 2 स्थान तथा राजकीय सेन्ट्रल टेक्सटाइल इंस्टीट्यूट में टेक्सटाइल टेक० के पाठ्यक्रम में स्थान ।	जम्मू तथा काश्मीर राज्य के छात्र ।
6—310 ईडी/18-घ-322 ईडी/63, दिनांक 3-2-64 ।	राजकीय एवं सहायता प्राप्त प्रत्येक संस्थान में प्रत्येक 60 प्रवेश स्थानों में स्थान/ सुरक्षित ।	सैन्य कर्मचारियों के पुत्र, पुत्री एवं अभिरक्षित ।
7—2420 ईडी/18-घ-	सम्पूर्ण बहुधंधी संस्थानों एवं माध्यमिक प्राविधिक विद्या- लयों में 1 (स्थान) ।	पूर्वोत्तरी देशों तथा सीलोन से आये हुये शरणार्थी छात्र ।
8—3274 ईडी/18-घ- दिनांक 9-11-64 ।	प्रत्येक राजकीय औद्योगिक एवं प्राविधिक संस्थानों में 5 प्रतिशत ।	अक्षय सैन्य कर्मचारियों हेतु ।

1	2	3
9--1964 ईडी/18-ध- 344 ईडी/65, दिनांक 6-7-1965 ।	माध्यमिक प्राविधिक विद्यालयों में 2 स्थान । प्रत्येक 60 छात्रों में 1 स्थान	सीमान्त क्षेत्र के छात्र । राजनैतिक पीड़ित, स्वतंत्रता सेनानी अथवा उनकी स्त्रीधी सन्तरियों हेतु ।
	प्रत्येक 60 छात्रों में 1 स्थान	संन्य कर्मचारियों के अभिरक्षित हेतु ।
10--3033 ईडी/18-ध- 143-ईडी/63, दिनांक 5 जुलाई, 1963 ।	वार्षिक प्रवेश स्थानों का 5 प्रतिशत ।	व्यवसायी स्वर्णकारों के पुत्र तथा अभिरक्षित ।
11--4448 ईडी/18-ध- दिनांक 13-8-1975 ।	प्रवेश स्थानों का 10 प्रतिशत	महिला छात्राओं के लिये आरक्षण ।

भारत सरकार के पत्र संख्या एफ 049/50-एन0 आर0 ओ0 ईडी, दिनांक 21 सितम्बर, 1957 के आदेशानुसार उत्तर क्षेत्रीय मुद्रण औद्योगिक संस्थान, इलाहाबाद में निम्नलिखित आरक्षण स्वीकृत हैं :—

1--उत्तर प्रदेश	..	50	प्रतिशत
2--राजस्थान	..	15	„
3--पंजाब	..	15	„
4--दिल्ली	..	15	„
5--हिमाचल प्रदेश	..	1	„
6--जम्मू एवं काश्मीर	..	4	„

पर्वतीय क्षेत्र का विकास

वर्ष 1974-75 तक पर्वतीय क्षेत्र में एक डिग्री संस्था दो डिप्लोमा संस्थायें चल रही थी जिनकी प्रवेश क्षमता क्रमशः 140, 250 तथा 150 थी । वर्ष 1975-76 में पर्वतीय क्षेत्र के उत्थान हेतु काशीपुर (नैनीताल) द्वारा हाट (अल्मोड़ा), नरेन्द्रनगर (टिहरी गढ़वाल), उत्तरकाशी तथा लोहाघाट (पिथौरागढ़) में राजकीय बहुधंधी संस्थाओं की स्थापना की गई जिनमें लड़कों तथा लड़कियों दोनों के लिये प्रशिक्षण की व्यवस्था है । इन पांचों पालीटेकनिकों में से चार पालीटेकनिकों में 120 छात्र प्रति संस्था तथा एक पालीटेकनिक में 60 छात्रों को प्रवेश देने का लक्ष्य रखा गया है । वर्तमान समय में पर्वतीय क्षेत्र में डिप्लोमा स्तर की 7 संस्थायें हैं जिनमें 900 छात्रों को प्रवेश देने की व्यवस्था है । नये पालीटेकनिकों में टिम्बर टेकनालाजी, षि अभियंत्रण, केमिकल इंजीनियरिंग, ऊल टेकनालाजी, फार्मसी, इलेक्ट्रानिक्स, कस्ट्यूम डिजाइन एवं ड्रेस मॉकिंग, स्टोनोग्राफी एवं सेक्रेट्रियल प्रैक्टिस आदि जैसे उद्योग-पूरक पाठ्यक्रमों का समावेश किया गया है (विवरण परिशिष्ट 2 पर उल्लिखित है) । अभी यह संस्थायें किराये के भवनों पर प्रशिक्षण कार्य कर रही हैं ।

नैनीताल पालीटेकनिक, नैनीताल में प्रशिक्षण युक्त उत्पादन केन्द्रों की स्थापना की गई है । नैनीताल पालीटेकनिक, नैनीताल में इस केन्द्र के अन्तर्गत जीप गाड़ी का निर्माण, होल बेराज का निर्माण तथा अन्य जाब वर्क के कार्य किये जा रहे हैं ।

ननीताल पालीटेकनिक, ननीताल में चल रहे सिविल, इलेक्ट्रिकल तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग परम्परागत डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त वर्ष 1972-73 में कामर्शियल प्रैक्टिस तथा वर्ष 1974-75 में इलेक्ट्रानिक्स में डाइक्सीफाइड डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाये गये। राजकीय पालीटेकनिक, श्रीनगर (गढ़वाल) में वर्ष 1974-75 में आटोमोबाइल इंजिनियरिंग में 3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया है।

इस प्रकार अधिकाधिक शिक्षा संस्थाओं के माध्यम से पर्वतीय क्षेत्र को प्रशिक्षण सुविधायें प्रवृत्त कर क्षेत्रीय लोगों के आर्थिक ढांचे को ऊंचा उठाने का प्रयत्न किया जा रहा है।

वर्ष 1976-77 के कार्य-क्रम

पर्वतीय क्षेत्र में वर्ष 1976-77 से निम्नलिखित नये पाठ्यक्रम चलाने का प्रस्ताव है :—

1—स्टेनोग्राफी एवं सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस में दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम 30 प्रवेश क्षमता राजकीय पालीटेकनिक, काशीपुर (ननीताल)।

2—लेडर टेकनालाजी में दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम राजकीय पाली- 30
टेकनिक, लोहाघाट (पिथौरागढ़)।

10—श्रौद्योगिक सम्पर्क परिषद्

प्रदेश में प्राविधिक संस्थाओं एवं उद्योगों के मध्य घनिष्ठ सम्पर्क स्थापित करने के लिये 24 जुलाई, 1972 को निदेशालय प्राविधिक शिक्षा के अन्तर्गत माननीय मुख्य मंत्री जी की अध्यक्षता में श्रौद्योगिक सम्पर्क परिषद् की स्थापना की गई थी। इसके सदस्य सचिव, निदेशक प्राविधिक शिक्षा है। श्रौद्योगिक सम्पर्क परिषद् की स्थापना का मुख्य उद्देश्य निम्नवत है :—

1—प्राविधिक संस्थानों के विद्यार्थियों, नये स्नातकों एवं डिप्लोमा प्राप्त व्यक्तियों तथा अध्यापकों के लिये उद्योग में प्रशिक्षण कार्यक्रमों की व्यवस्था तथा संस्तुति करना।

2—अनुसंधान, परिकल्प (डिजाइन), विकास एवं उत्पादन पर उद्योग की समस्यायें मांगना तथा संस्तुति करना एवं उपयुक्त संस्थाओं को सौंपना।

3—उद्योगों तथा प्राविधिक संस्थाओं के मध्य कार्मिकों के विनिमय की व्यवस्था तथा संस्तुति करना।

4—प्राविधिक शिक्षकों के कंसेल्टी प्रैक्टिस के निमित्त उद्योग एवं संस्थाओं के मध्य सम्पर्क विकसित एवं संस्तुति करना।

5—उद्योग के सहयोग से सैन्डविच अथवा सहकारी पाठ्यक्रमों को सूचित करना।

6—प्राविधिक संस्थाओं के सहयोग से कतिपय आधुनिक विषयों पर कार्य कर प्राविधिक कार्मिकों के लिये रिफ्रेशर कोर्सों की व्यवस्था तथा संस्तुति करना।

7—संबंधित उद्योगों में रोजगार दिलाने वाले तथा उक्त पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों के प्रवेश के विषय में परामर्श करना और उद्योगों में डिप्लोमा अथवा डिग्री स्तर के अंशकालिक पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे उनके कार्मिकों हेतु आवश्यक सुविधाओं तथा रियायतों की व्यवस्था के लिये उनका सहयोग प्राप्त करना।

8—संस्थाओं के शैक्षिक कार्यक्रमों में उद्योगों के सुयोग्य कर्मचारियों को आमंत्रित करना वार्ता नेताओं/परीक्षकों आदि की हैसियत से भाग लेने के लिये उनसे उन्हें छोड़ने हेतु समन्वय मांगना एवं संस्तुति करना।

9--समय समय पर अपेक्षित ग्रध्ययनों को विभिन्न शाखाओं की स्थाई समितियाँ, नामिकाओं, ग्रध्ययन समुदायों तथा उपसमितियों को उन समितियों की संस्तुतियों एवं निर्णयों को चलाते रहने के लिये नियुक्ति करना ।

परिषद् के कार्य कलापों को अधिक उपयोगी एवं प्रगतिशील बनाने के उद्देश्य से निम्नलिखित क्षेत्रीय समितियाँ स्थापित की गई हैं जिनसे उनके सम्मुख उल्लिखित बहुधंधी संस्थाओं को सम्बद्ध किया गया है :--

क्रमांक	इंजीनियरिंग कालेज का नाम	सम्बद्ध पोलिटेकनिकों का नाम
1	2	3
1	एल 0 एच 0 इंजीनियरिंग कालेज, मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़ ।	1--सेठ गंगा सागर अटिया पोलिटेकनिक, खुर्जा । 2--गांधी पोलिटेकनिक, मुजफ्फरनगर । 3--डी 0 एन 0 पोलिटेकनिक, मेरठ । 4--डी 0 जे 0 पोलिटेकनिक, बड़ौत ।
2	इन्स्टीट्यूट्स आफ टेक्नालाजी, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, बाराणसी	1--चन्दौली पोलिटेकनिक, चन्दौली । 2--राजकीय पोलिटेकनिक, मिर्जापुर । 3--राजकीय पोलिटेकनिक, फँजाबाद । 4--टाउन पोलिटेकनिक, बलिया ।
3	मोतीलाल नेहरू रीजनल इंजीनियरिंग कालेज, इलाहाबाद	1--इलाहाबाद पोलिटेकनिक, इलाहाबाद । 2--हँडिया पोलिटेकनिक, हँडिया । 3--एन 0 आर 0 इन्स्टीट्यूट्स आफ प्रिंटिंग टेकनालाजी, इलाहाबाद ।
4	मदनमोहन मालवीय इंजीनियरिंग कालेज, गोरखपुर ।	1--राजकीय पोलिटेकनिक, गोरखपुर । 2--राजकीय पोलिटेकनिक, गोंडा । 3--राजकीय पोलिटेकनिक, बस्ती । 4--राजकीय पोलिटेकनिक, आजमगढ़ । 5--एम 0 पी 0 पोलिटेकनिक, गोरखपुर ।
5	रूड़की यूनिवर्सिटी रूड़की (उ 0 प्र 0)	1--राजकीय पोलिटेकनिक, मुरादाबाद । 2--के 0 एल 0 पोलिटेकनिक, रूड़की । 3--स्कूल आफ पेपर टेकनालाजी, सहारनपुर । 4--राजकीय पोलिटेकनिक, उत्तर काशी । 5--सेठ जै प्रकाश मुकुन्दलाल पोलिटेकनिक, गाजियाबाद । 6--राजकीय पोलिटेकनिक, टिहरी-गढ़वाल ।
6	इंजीनियरिंग कालेज, दयालबाग, आगरा ।	1--राजकीय चर्म संस्थान, आगरा । 2--पी 0 एम 0 बी 0 पोलिटेकनिक, मथुरा । 3--टेकनिकल कालेज, दयालबाग, आगरा । 4--एम 0 जी 0 पोलिटेकनिक, हाथरस ।
7	जी 0 बी 0 पंत कालेज, आफ इंजीनियरिंग एवं टेकनालाजी, पंतनगर, नैनीताल ।	1--नैनीताल पोलिटेकनिक, नैनीताल । 2--राजकीय पोलिटेकनिक, धीनगर (गढ़वाल) । 3--राजकीय पोलिटेकनिक, बरेली । 4--राजकीय पोलिटेकनिक, काशीपुर । 5--राजकीय पोलिटेकनिक, अल्मोड़ा ।

1	2	3
	एच 0वी 0टी 0 आई, कानपुर	6--राजकीय पोलिटेकनिक, लोहाघाट । 1--राजकीय चर्म संस्थान, कानपुर । 2--राजकीय वस्त्र संस्थान, कानपुर । 3--राजकीय पोलिटेकनिक, कानपुर । 4--हीवेट पोलिटेकनिक, लखनऊ । 5--लखनऊ पोलिटेकनिक, लखनऊ । 6--राजकीय महिला पोलिटेकनिक, लखनऊ । 7--राजकीय पोलिटेकनिक, लखनऊ । 8--राजकीय पोलिटेकनिक, झांसी । 9--महमूदाबाद पोलिटेकनिक, महमूदाबाद । 10--रायबरेली पोलिटेकनिक, रायबरेली ।

इन समितियों की एक एक बैठक तथा रुड़की विश्वविद्यालय की दो बैठकें हो चुकी हैं। बैठकों में अधिकांशतः यह विचार किया गया कि औद्योगिक प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधि तकनीकी संस्थानों में जाकर देखें कि वह उनसे क्या क्या सुविधायें प्राप्त कर सकते हैं तथा किन-किन समस्याओं का समाधान करने में सक्षम हैं।

वर्ष 1976-77 के प्रस्तावित कार्यक्रम

उत्तर प्रदेश इस समय सामाजिक क्रान्ति की अवस्था में है अतएव यह प्रयत्न किया जा रहा है कि आगे आने वाले वर्षों में तकनीकी शिक्षा गांव-गांव और घर-घर तक पहुंच सके जिससे नागरिक तकनीकी शिक्षा का लाभ उठा सकें और उनका सामाजिक एवं आर्थिक स्तर ऊंचा उठ सके। प्राविधिक शिक्षा को नई दिशा देने, प्रभावशाली एवं उपयोगी बनाने के उद्देश्य से वर्ष 1976-77 से तकनीकी शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर निम्नलिखित कार्यक्रम प्रस्तावित है :-

डिग्री स्तर :-

वर्ष 1976-77 में राजकीय चर्मकला संस्थान, कानपुर में बी 0 टेक 0 लेदर एवं स्कूल आफ पेपर टेकनालाजी, सहारनपुर में पेपर टेकनालाजी में डिग्री स्तर के पाठ्यक्रम चलाना प्रस्तावित है। इनकी प्रवेश क्षमता क्रमशः 10 एवं 30 होगी।

नये डाइवर्सिफाइड पाठ्यक्रमों का प्रारम्भ :-

वर्ष 1976-77 में प्रदेश की विभिन्न संस्थाओं में निम्नलिखित डाइवर्सिफाइड पाठ्यक्रम चलाना भी प्रस्तावित है :-

प्रवेश क्षमता

1--एम 0 जी 0 पालीटेकनिक, हाथरस ..	कृषि अभियंत्रण में 3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम ।	30
2--एम 0 जी 0 पालीटेकनिक, हाथरस ..	इलेक्ट्रानिक्स में 3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम ।	30
3--गांधी पालीटेकनिक, मुजफ्फरनगर ..	स्टेनोग्राफी एवं सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस में 27 30 प्रति संस्था वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम ।	
4--एम 0 पी 0 पालीटेकनिक, गोरखपुर ..	कार्मशियल प्रैक्टिस में 2 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	30

5--स्कूल ग्राफ पेपर टेकनालाजी, सहारनपुर	इस्ट्रूमेंटेशन में 2 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम ।	30
6--राजकीय महिला पालीटेकनिक	आर्कीटेक्चरल असिस्टेंटशिप में 3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम ।	30
7--महमूदाबाद पालीटेकनिक, महमूदाबाद (सीतापुर) ।	इलैक्ट्रानिक्स एवं आटोमैकेनिक्स पाठ्य-क्रम ।	50

प्रधान मंत्री जी का 20 सूत्रीय आर्थिक कार्यक्रम

बुक बैंक की योजना--

(1) प्राविधिक शिक्षा निवेशालय के अन्तर्गत प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं के 'लिये बुक बैंक की स्थापना के संबंध में कार्यवाही की जा रही है। योजना के अन्तर्गत प्राविधिक संस्थाओं के 15 प्रतिशत निर्धन एवं मेधावी छात्रों को बुक बैंक से 150 रु0 तक की पाठ्य पुस्तकें (Text Books) पढ़ने के लिये देने का प्रस्ताव है। साल के अन्त में छात्रों द्वारा पुस्तकें बुक बैंक को वापस कर दी जायेंगी।

(2) जहां तक डिग्री संस्थाओं का प्रश्न है रुड़की विश्वविद्यालय, रुड़की मोतीलाल नेहरू इंजी-नियरिंग कालेज, इलाहाबाद, पंत कालेज ग्राफ टेकनालाजी, पंतनगर (नैनीताल) तथा भवनमोहन मालवीय इंजिनियरिंग कालेज, गोरखपुर में योजना पहले ही से चल रही है। इस योजना द्वारा पुस्तक ऋण निर्धन छात्रों को बुक बैंक से उपलब्ध करायी जा रही है शेष संस्थाओं में पुस्तक बैंकों की स्थापना हेतु अनुपूरक मांग के माध्यम से धन की व्यवस्था की जा रही है।

छात्रावासों में रहने वाले छात्रों को अथशयक वस्तुयें कन्ट्रोल दर पर उपलब्ध कराना--

प्राविधिक शिक्षा निवेशालय के अन्तर्गत डिप्लोमा संस्थाओं में जहां छात्रावास हैं वहां कन्ट्रोल दर पर राशन कार्डस द्वारा आवश्यक खाद्य सामग्री विद्यार्थियों को उपलब्ध कराने के संबंध में कार्यवाही की जा रही है।

छात्रों को पुस्तकें तथा स्टेशनरी आदि कन्ट्रोल दर पर उपलब्ध कराना--

प्राविधिक शिक्षा निवेशालय के अन्तर्गत 11 डिप्लोमा संस्थाओं में सहकारी समिति स्थापित की जा चुकी है, जिनके द्वारा अधिकतम संभव छूट के साथ पुस्तकें, लेखन सामग्री प्रिंटेडकल इक्यूमेन्टस आदि छात्रों को उपलब्ध करायी जा रही है। शेष संस्थाओं में सहकारी समितियां स्थापित करने के संबंध में निदेशक प्राविधिक शिक्षा कानपुर द्वारा संस्थाओं के प्रधानाचार्यों को निर्देश दिये गये हैं।

परिशिष्ट
डिग्री संस्थायें

क्रम- संख्या	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम का नाम	स्वीकृत प्रवेश क्षमता
1	इंजीनियरिंग कालेज, दयालबाग, आगरा	1—विद्युत् अभियन्त्रण	.. 30
		2—यांत्रिक अभियन्त्रण	.. 30
			योग .. 60
2	मोतीलाल नेहरू रीजनल इंजीनियरिंग कालेज, इलाहाबाद।	1—नागरिक अभियन्त्रण	.. 80
		2—विद्युत् अभियन्त्रण	.. 60
		3—यांत्रिक अभियन्त्रण	.. 60
			योग .. 200
3	मदन मोहन मालवीय इंजीनियरिंग, कालेज, गोरखपुर।	1—नागरिक अभियन्त्रण	.. 50
		2—विद्युत् अभियन्त्रण	.. 35
		3—यांत्रिक अभियन्त्रण	.. 35
		4—इलेक्ट्रानिक्स 20
			योग .. 140
4	पन्त कालेज आफ इंजीनियरिंग टेकनालाजी, पन्तनगर।	1—सिविल अभियन्त्रण	.. 30
		2—विद्युत् अभियन्त्रण	.. 20
		3—यांत्रिक अभियन्त्रण	.. 30
			योग .. 80
5	रुड़की विश्वविद्यालय रुड़की,	1—सिविल अभियांत्रिक	.. 45
		2—वातावरण अभियांत्रिकी	.. 15
		3—विद्युत् अभियन्त्रण	.. 60
		4—यांत्रिक अभियन्त्रण	.. 40
		5—इंडस्ट्रियल अभियांत्रिकी	.. 20
		6—इलेक्ट्रानिक्स एवं कम्प्युनिकेशन	.. 35
		7—आर्कोटेक्चर 25
		8—कॉमिकल इंजीनियरिंग	.. 35
		9—मेटलर्जी 30
			योग .. 305

क्रम संख्या	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम का नाम	स्वीकृत प्रवेश
6	एच 0बी 0टी 0आई 0, कानपुर ..	1—नागरिक अभियन्त्रण ..	20
		2—विद्युत् अभियन्त्रण ..	30
		3—यांत्रिक अभियन्त्रण ..	30
		4—केमिकल इंजीनियरिंग ..	40
		5—वार्ड केमिकल टेक्नालाजी ..	15
		6—प्लास्टिक आयल फूड एवं पेट्स	60
		योग ..	195
7	राजकीय फेडरल बल्ड संस्थान, कानपुर।	1—टेक्सटाइल टेक्नालाजी ..	20
		2—टेक्सटाइल केमिस्ट्री ..	10
		3—सेनसेड फाइबर ..	10
		योग ..	40
कुल योग ..			1,020

परिशिष्ट 2

वर्ष 1975-76 में डिप्लोमा स्तर पर चल रहे पाठ्यक्रमों की प्रस्तावित प्रवेश क्षमता

संस्था का नाम	पाठ्यक्रम	प्रवेश क्षमता	वास्तविक प्रवेश
1	2	3	4
1—राजकीय बहुधंधी संस्था, लखनऊ ।	.. नागरिक अभियन्त्रण	.. 90	96
	विद्युत् अभियन्त्रण	.. 105	134
	यांत्रिक अभियन्त्रण	.. 105	128
	आटोमोबाइल अभियन्त्रण	.. 30	35
	योग ..	330	393
2—राजकीय बहुधंधी संस्था, गोरखपुर ।	.. नागरिक अभियन्त्रण	.. 90	105
	विद्युत् अभियन्त्रण	.. 105	111
	यांत्रिक अभियन्त्रण	.. 105	115
	केमिकल आपरेटर	.. 10	11
	आटोमोबाइल अभियन्त्रण	.. 30	37
योग ..	340	379	
3—राजकीय बहुधंधी संस्था, बरेली	नागरिक अभियन्त्रण	.. 60	66
	विद्युत् अभियन्त्रण	.. 90	99
	यांत्रिक अभियन्त्रण	.. 90	99
	आटोमोबाइल अभियन्त्रण	.. 30	33
योग ..	270	297	
4—राजकीय बहुधंधी संस्था, झांसी ।	.. नागरिक अभियन्त्रण	.. 60	62
	विद्युत् अभियन्त्रण	.. 90	100
	यांत्रिक अभियन्त्रण	.. 90	110
	आटोमोबाइल अभियन्त्रण	.. 30	34
	इलेक्ट्रानिक्स 30	31
योग ..	300	337	
5—राजकीय बहुधंधी संस्था, कानपुर ।	.. नागरिक अभियन्त्रण	.. 60	69
	विद्युत् अभियन्त्रण	.. 120	134
	यांत्रिक अभियन्त्रण	.. 120	140

1	2	3	4
	केमिकल आपरेटर ..	10	09
	इलेक्ट्रानिक्स ..	30	33
	पोस्ट डिप्लोमा इन्स्ट्रुमेन्ट ..	10	05
	टेक 0		
	योग ..	350	390
6--राजकीय बहुधंधी संस्था, फैजाबाद।	नागरिक अभियन्त्रण ..	30	70
	विद्युत् अभियन्त्रण ..	75	70
	यांत्रिक अभियन्त्रण ..	75	71
	योग ..	180	211
7--राजकीय बहुधंधी संस्था, मिर्जापुर।	नागरिक अभियन्त्रण ..	30	67
	विद्युत् अभियन्त्रण ..	75	74
	यांत्रिक अभियन्त्रण ..	75	73
	योग ..	180	214
8--सेठ गंगासागर जाटिया पोली 0 खुर्जा।	नागरिक अभियन्त्रण ..	60	62
	विद्युत् अभियन्त्रण ..	60	66
	यांत्रिक अभियन्त्रण ..	60	65
	सिरेमिक्स टेक्नालोजी ..	30	37
	योग ..	210	230
9--राजकीय पोलीटेकनिक, आजमगढ़।	नागरिक अभियन्त्रण ..	30	35
	विद्युत् अभियन्त्रण ..	75	82
	यांत्रिक अभियन्त्रण ..	75	82
	योग ..	180	199
10--राजकीय बहुधंधी संस्था, गोंडा।	नागरिक अभियन्त्रण ..	30	33
	विद्युत् अभियन्त्रण ..	45	51
	यांत्रिक अभियन्त्रण ..	45	48
	योग ..	120	132

1	2	3	4
11—राजकीय बहुधंधी संस्था, बस्ती ।	.. नागरिक अभियन्त्रण ..	30	36
	.. विद्युत् अभियन्त्रण ..	45	62
	.. यांत्रिक अभियन्त्रण ..	45	66
	योग ..	120	164
12—राजकीय बहुधंधी संस्था, मुरादाबाद ।	.. नागरिक अभियन्त्रण ..	60	62
	.. विद्युत् अभियन्त्रण ..	90	92
	.. यांत्रिक अभियन्त्रण ..	90	115
	योग ..	240	269
13—राजकीय बहुधंधी संस्था, श्रीनगर (गढ़वाल) ।	.. नागरिक अभियन्त्रण ..	30	30
	.. विद्युत् अभियन्त्रण ..	45	45
	.. यांत्रिक अभियन्त्रण ..	45	45
	.. आटोमोबाइल इंजी० ..	30	29
	योग ..	150	149
14—राजकीय बहुधंधी संस्था, काशीपुर, (मैनीताल) ।	टिम्बर टेकनालाजी ..	30	..
	केमिकल इंजी० ..	30	50
	एप्रोक्लचरल इंजी० ..	30	50
	योग ..	90	100
15—राजकीय पोलिटेकनिक, देहरी- गढ़वाल ।	प्रोडक्शन टेकनालाजी ..	30	..*
	इलेक्ट्रानिक्स ..	30	30
	कस्ट्यूम डिजाइन एवं ड्रेस मॉकिंग ..	30	21
	मशीन टूल टेकनालाजी ..	30	..*
	योग ..	120	51
16—राजकीय पोलिटेकनिक, अल्मोड़ा	ऊल टेकनालाजी ..	30	..*
	कामशियल प्रैक्टिस ..	30	17
	फारमेली ..	30	30
	कस्ट्यूम डिजाइन एवं ड्रेस मॉकिंग ..	30	..*
	योग ..	120	47

1	2	3	4
17—राजकीय पोलिटेकनिक, उत्तर-काशी	कामर्शियल प्रैक्टिस ..	30	30
	ऊल टेकनालाजी ..	30	28
	फारमेली ..	30	30
	कस्ट्यूम डिजाइन एवं ड्रेस मॉकिंग ..	30	18
	योग ..	120	106
18—राजकीय पोलिटेकनिक, लोहाघाट (विश्वारागढ़)	सिविल इंजीनियरिंग ..	30	30
	स्टेनोग्राफी एवं सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस	30	25
	योग ..	60	55
19—एम० जी० पोलिटेकनिक, हाथरस	नागरिक अभियंत्रण ..	60	60
	विद्युत् अभियंत्रण ..	60	60
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	60	60
	इलेक्ट्रानिक्स ..	30	30
	रेफ्रीजरेशन एवं एअर कन्डीशनिंग	30	30
	रेफ्रीजरेशन मेकेनिक (प्रमाण-पत्र)	20	20
	योग ..	260	260
20—हृण्डिया पोलिटेकनिक, हृण्डिया	नागरिक अभियंत्रण ..	30	42
	विद्युत् अभियंत्रण ..	45	45
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	45	49
	योग ..	120	136
21—पी० एम० डी० पोलि०, मथुरा	नागरिक अभियंत्रण ..	60	61
	विद्युत् अभियंत्रण ..	60	61
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	60	61
	आटोमोबाइल अभियंत्रण ..	30	30
	योग ..	210	213
22—अम्बौली पोलिटेकनिक, अम्बौली	नागरिक अभियंत्रण ..	30	66
	विद्युत् अभियंत्रण ..	45	34
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	45	33
	एथ्रीकलचरल अभियंत्रण ..	30	33
	योग ..	150	166

1	2	3	4
23--के० ए० ल० पोलीटेकनिक, रुड़की	नागरिक अभियंत्रण ..	60	64
	विद्युत् अभियंत्रण ..	90	66
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	90	68
	इलेक्ट्रानिक्स ..	30	30
	योग ..	270	228
24--गांधी पोलीटेकनिक, मुजफ्फर- नगर ।	नागरिक अभियंत्रण ..	30	66
	विद्युत् अभियंत्रण ..	45	34
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	45	33
	आटोमोबाइल अभियंत्रण] ..	30	27
	योग ..	150	160
25--डी० जे० पोलीटेकनिक, वड़ोत (मेरठ) ।	नागरिक अभियंत्रण ..	30	40
	विद्युत् अभियंत्रण ..	45	49
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	45	54
	योग ..	120	143
26--डी० एन० पोलीटेकनिक, मेरठ	नागरिक अभियंत्रण ..	30	45
	विद्युत् अभियंत्रण ..	75	46
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	75	34
	योग ..	180	125
27--इलाहाबाद पोलीटेकनिक, इलाहाबाद ।	नागरिक अभियंत्रण ..	60	87
	विद्युत् अभियंत्रण ..	90	115
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	120	108
	इलेक्ट्रानिक्स ..	30	98
	इन्डस्ट्रियल इलेक्ट्रानिक्स (पोस्ट डिप्लोमा) ।	10	7
	डिजाइन एवं ड्राफ्टिंग ..	10	8
	आटोमोबाइल (पोस्ट डिप्लोमा) ..	30	34
	कामाशियल प्रैक्टिस ..	30	29
	प्रोडक्शन इंजीनियरिंग ..	30	28
	फन्सट्रक्शन टेकनालाजी ..	30	36
	इन्स्ट्रुक्शन एवं कन्ट्रोल ..	30	41
	पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग ..	30	30
	रेफ्रीजरेशन ..	30	39

1	2	3	4
	दूल इंजीनियरिंग	.. 30	30
	प्लास्टिक टेक्नालाजी	.. 30	37
	ट्यू बवेल इंजीनियरिंग	.. 30	30
	मेटेरियल मॅनेजमेन्ट	.. 20	23
	सेल्स मॅनशिप	.. 20	11
	योग	.. 660	791
28--एम 0 पी 0 पोलिटेक्निक, गोरखपुर	नागरिक अभियंत्रण	.. 30	70
	विद्युत अभियंत्रण	.. 45	35
	यांत्रिक अभियंत्रण	.. 45	34
	योग	.. 120	139
29--टाउन पोलिटेक्निक, बलिया	नागरिक अभियंत्रण	.. 30	70
	विद्युत अभियंत्रण	.. 45	34
	यांत्रिक अभियंत्रण	.. 45	33
	आटोमोबाइल अभियंत्रण	.. 30	30
	योग	.. 150	167
30--लखनऊ पोलिटेक्निक, लखनऊ	नागरिक अभियंत्रण	.. 60	87
	विद्युत अभियंत्रण	.. 90	86
	यांत्रिक अभियंत्रण	.. 90	82
	इलेक्ट्रॉनिक्स	.. 30	29
	योग	.. 270	284
31--हीवेट पोलिटेक्निक, लखनऊ	नागरिक अभियंत्रण	.. 60	89
	विद्युत अभियंत्रण	.. 120	105
	यांत्रिक अभियंत्रण	.. 120	108
	योग	.. 300	302
32--टेक्निकल कालेज दयालबाग, आगरा	विद्युत अभियंत्रण	.. 55	79
	यांत्रिक अभियंत्रण	.. 55	68
	आटोमोबाइल	.. 40	33
	योग	.. 150	180

1	2	3	4
33—नेनीताल पोलिटेक्निक, नेनीताल	नागरिक अभियंत्रण ..	60	60
	विद्युत् अभियंत्रण ..	60	62
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	60	62
	इलेक्ट्रानिक्स ..	30	30
	कामाशियल प्रैक्टिस ..	30	अनुपलब्ध
	योग ..	240	214
34—रायबरेली पोलिटेक्निक, राय- बरेली।	मैकेनिकल इंजीनियरिंग ..	30	31
	इलेक्ट्रानिक्स ..	30	33
	इन्स्ट्रुमेंटेशन एण्ड कंट्रोल ..	30	31
	होम साइंस ..	30	..*
	योग ..	120	95
35—महमूदाबाद पोलिटेक्निक, मह- मूदाबाद।	एप्लीकेशन इंजीनियरिंग ..	30	40
	कास्ट्यूम डिजाइन एण्ड ड्रेस मेकिंग ..	30	17
	इलेक्ट्रिशियन (प्रमाण-पत्र स्तर) ..	20	26
	पम्प मैकेनिक (प्रमाण-पत्र स्तर) ..	20	..*
	प्लम्बिंग (प्रमाण-पत्र स्तर) ..	20	..*
योग ..	120	83	
36—राजकीय केंद्रीय वस्त्र संस्थान, कानपुर।	टेक्सटाइल टेक्नालाजी ..	20	33
	टेक्सटाइल केमिस्ट्री ..	10	
	योग ..	30	33
37—राजकीय चर्म संस्थान, कानपुर	स्किन टेक्नालाजी ..	10	13
	फुटवियर टेक्नालाजी ..	20	24
	योग ..	30	37
38—राजकीय चर्म संस्थान, आगरा	लेदर टेक्नालाजी (टैनिंग) ..	10	10
	फुटवियर टेक्नालाजी ..	20	20
	योग ..	30	30

1	2	3	4
39--नर्दन रोजनल इंस्टीट्यूट आफ प्रिंटिंग टेकनालाजी इलाहाबाद	प्रिंटिंग टेकनालाजी ..	60	69
	टाइप फाउन्ड्री ..	20	..*
	एडवरटिजमेन्ट एण्ड डिस्प्ले ..	20	..*
	योग ..	100	69
40--स्कूल आफ पेपर टेकनालाजी, सहारनपुर	पल्प टेकनालाजी (डिप्लोमा)		
	पल्प टेकनालाजी (सर्टिफिकेट) ..	100	92
	योग ..	100	92
41--राजकीय महिला बहुधन्वी संस्थान, लखनऊ	इलेक्ट्रानिक्स ..	30	33
	कास्ट्यूम डिजाइन एवं ड्रेस मेकिंग ..	30	30
	स्टेनोग्राफरी एवं सेक्रेटोरियल प्रॉक्टिस	30	42
	इन्टीरियरल डेकोरेशन ..	30	..*
	होम साइंस ..	30	..*
	एडवरटिजमेन्ट एवं डिस्प्ले ..	30	..*
योग ..	180	105	
कुल योग,		7,640	7,775

नोट:--*पाठ्यक्रम प्रारम्भ नहीं किये गये ।

परिशिष्ट 3

राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय

- 1--राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, दौराला (मेरठ) ।
- 2--राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, इलाहाबाद ।
- 3--राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, गाजीपुर ।
- 4--राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, झांसी ।
- 5--राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, भिर्जापुर ।
- 6--राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, आजमगढ़ ।
- 7--राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, गोरखपुर ।
- 8--राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, बरेली।
- 9--राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, फैजाबाद ।
- 10--राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, लखनऊ ।
- 11--राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, गोंडा ।
- 12--राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, मुरादाबाद ।

प्राविधिक शिक्षा परिषद् की प्रगति रिपोर्ट

प्राविधिक शिक्षा परिषद्, उ०प्र०, का गठन प्राविधिक शिक्षा अधिनियम 1962 के अन्तर्गत हुआ था। राज्य सरकार को प्राविधिक शिक्षा के समन्वित विकास के बारे में परामर्श देना तथा परिषद् से सम्बद्ध चल रहे संस्थाओं के डिप्लोमा तथा सर्टीफिकेट पाठ्यक्रमों को तैयार करके परीक्षा लेना तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट प्रदान करना इसका मुख्य कार्य है। इन मुख्य कार्यों के सम्पादन में विभिन्न पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्याओं को तैयार करना, शिक्षक की अर्हतायें निश्चित करना, साज-सज्जा एवं भवन आदि के मान दण्ड निश्चित करना, संस्थाओं का निरीक्षण करना, तथा निर्धारित मान-दण्डों का संस्था द्वारा पालन कराना इसके प्रमुख कार्यों के उपांग हैं।

परिषद् से सम्बद्ध संस्थाओं की संख्या गत वर्ष तक 49 थी, जिनमें से 37 संस्थाओं में डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रम तथा 12 संस्थाओं में सर्टीफिकेट स्तर के पाठ्यक्रम चल रहे हैं। इस वर्ष 8 नयी संस्थाएँ, जिनमें से 3 सहायता प्राप्त तथा 5 राजकीय संस्थाएँ हैं, डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रम संचालन करने हेतु प्रारम्भ हुई हैं। इस प्रकार परिषद् से सम्बद्ध संस्थाओं की संख्या 57 हो जायगी।

परिषद् से सम्बद्ध 12 राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय हैं, जिनमें गत वर्ष तक केवल टर्निंग फिटिंग, बेल्टिंग तथा इलेक्ट्रिशियन ट्रेडों में ही कक्षा आठ के पश्चात् तीन वर्षीय सर्टीफिकेट स्तर के पाठ्यक्रमों की अंतिम वर्ष की परीक्षाएँ परिषद् द्वारा सम्पन्न की गयी थीं। इस वर्ष इन ट्रेडों के अतिरिक्त मशीनिस्ट ट्रेड में भी परीक्षाएँ सम्पन्न की जायेंगी, जो सत्र 1973-74 से प्रारम्भ किया गया था। इन संस्थाओं में गत वर्ष डापटसमैन, मेकेनिक और डापटसमैन सिविल तथा मोल्डिंग ट्रेडों में भी पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गये थे। इस वर्ष नये तथा पुराने ट्रेडों को मिलाकर माध्यमिक प्राविधिक विद्यालयों में 12 ट्रेड चल रहे हैं, जिनकी सूची तालिका "3" पर दी गयी है।

1—राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालयों की लोकप्रियता में अनुभव की गयी कमी को ध्यान में रखते हुये परिषद् ने इन विद्यालयों में चल रहे तीन वर्षीय सर्टीफिकेट स्तर के पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्याओं आदि को संशोधित कर इसको लोकप्रिय बना दिया है। अब इन विद्यालयों से प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के पश्चात् विद्यार्थी डिप्लोमा संस्थाओं में संबंधित ट्रेड में सीधा प्रवेश पा सकता है।

2—वे माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उ०प्र०, इलाहाबाद के इन्टरमीडिएट पाठ्यक्रम में प्रथम वर्ष के विज्ञान वर्ग में प्रवेश पा सकता है, क्योंकि इन प्रमाण पत्रों को माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उ०प्र० इलाहाबाद द्वारा हाई स्कूल विज्ञान वर्ग के समकक्ष मान्यता प्राप्त हो गयी है।

3—वे राज्य सरकार में प्रत्येक पद के लिये, जिसके लिये सर्टीफिकेट परीक्षा उत्तीर्ण अर्हता निर्धारित है, नौकरी पा सकते हैं।

इन संस्थाओं के अतिरिक्त माध्यमिक प्राविधिक विद्यालयों के प्रमाण पत्रों को भारत सरकार के एप्रेंटिसशिप ऐक्ट के अन्तर्गत आई० टी० आई० की भांति मान्यता प्राप्त करने के भी प्रयास किये जा रहे हैं।

सर्टीफिकेट स्तर का तीन वर्षीय पाठ्यक्रम, जिसमें प्रवेश अर्हता हाई-स्कूल परीक्षा उत्तीर्ण है, "ब्लूप एंड पेपर टेक्नालाजी" का इंस्टीट्यूट आफ पेपर टेक्नालाजी, सहारनपुर में भी पहले से चल रहा है, जिसकी लोकप्रियता एवं महत्ता डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रम के समान है।

डिप्लोमा तथा सर्टीफिकेट स्तर के सभी पाठ्यक्रमों की संहत (Consolidated) सूची तालिका "क" पर दी गयी है, जिसमें गत तीन वर्षों में अन्तिम वर्ष में उत्तीर्ण छात्रों का व्योरा भी दिया गया है।

विकसित तकनीकी तथा उद्योग एवं व्यवसाय के अनुरूप समय-समय पर पाठ्यक्रमों तथा पाठ्यचर्याओं में संशोधन करने पर भी परिषद् ध्यान रखती है। इसी को ध्यान में रखते हुये परिषद् ने विभिन्न पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्याओं में संशोधन गत वर्ष से लागू किया था। परिषद् को अपने इस कार्य में पाठ्यक्रम

विकास केन्द्र, इलाहाबाद पालीटेक्निक, इलाहाबाद से भी विशेष सहायता मिलने लगी है। उद्योगों एवं व्यवसायों की आवश्यकताओं तथा तकनीकी विज्ञान में प्रगति को ध्यान में रखते हुये, प्रचलित पाठ्य-चर्याओं में समुचित संशोधन करने का कार्य भी पाठ्यक्रम विकास केन्द्र, इलाहाबाद कर रही है तथा परिषद् को इस बारे में समुचित सहयोग प्रदान कर रही है।

सत्र 1974-75 से छात्रों की संस्था में नियमित उपस्थिति, छात्रों को नियमित रूप से सैत्रिक अंक प्रदान किये जाने तथा संस्थाओं में अनुशासन से संबंधित कई निर्देश परिषद ने अपने सम्बद्ध संस्थाओं को दिये हैं और उनके अनुपालन देखने के लिये आकस्मिक निरीक्षण का भी प्रबन्ध किया है। अनुचित साधन प्रयोग करने की प्रवृत्ति को समाप्त करने की दृष्टि से परिषद् ने परीक्षा काल में उड़न-दस्तों द्वारा छापा मारने का कार्य भी गत वर्ष से प्रारम्भ किया था, जिसमें काफी सफलता प्राप्त हुई है। इसके अतिरिक्त परीक्षा के प्रश्न-पत्रों को भी नये ढंग से आब्जेक्टिव टाइप के बनाने का कार्य परिषद् ने इसी दृष्टि से किया है, कि विद्यार्थियों को अनुचित साधन प्रयोग करने का कम से कम अवसर प्राप्त हो।

आशा है कि तकनीकी शिक्षा के प्रसार, प्रशैक्षिक स्तर की उन्नति तथा विद्यार्थियों में अनुशासन उत्पन्न करने के प्रयासों में परिषद् को उत्साहप्रद सफलता मिलती रहेगी।

तालिका 'क'

सत्र 1975-76 में चल रहे डिप्लोमा तथा सर्टिफिकेट स्तर के सभी पाठ्यक्रमों की संहत (कनसोलिडेटेड) सूची, जिसके गत तीन वर्षों के अंतिम वर्ष के उत्तीर्ण छात्रों का व्योरा

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम	वर्ष		
		1973	1974	1975
1	कैमिकल आपरेटर .. 4 वर्षीय	..	9	8
2	सिविल इंजीनियरिंग .. 3 वर्षीय	467	747	1085
3	इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग .. 3 वर्षीय	658	744	667
4	मैकनिकल इंजीनियरिंग .. 3 वर्षीय	665	754	494
5	इलैक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग .. 3 वर्षीय	41	142	160
6	टैक्सटाइल टेक्नालाजी .. 3 वर्षीय	13	14	14
7	टैक्सटाइल कैमैस्ट्री .. 3 वर्षीय	5	6	4
8	प्रिंटिंग टैक्नालाजी (लीथोग्राफी) 3 वर्षीय	21	..	31
9	प्रिंटिंग टैक्नालाजी (लेटरप्रेस) 3 वर्षीय	33	..	18
10	आर्कीटेक्चरल आसिस्टेंटशिप 3 वर्षीय	22	9	2
11	आटोमोबाइल इंजीनियरिंग .. 3 वर्षीय	39	90	71
12	सिविल एंड रुरल इंजीनियरिंग 3 वर्षीय	13	22	19
13	सिरेमिक्स इंजीनियरिंग .. 3 वर्षीय
14	कन्स्ट्रक्शन टैक्नालाजी .. 3 वर्षीय
15	इंस्ट्रुमेंटेशन एंड कंट्रोल .. 3 वर्षीय
16	कृषि अभियन्त्रण .. 3 वर्षीय
17	प्रोडक्शन इंजीनियरिंग .. 3 वर्षीय
18	टूल इंजीनियरिंग .. 3 वर्षीय
19	पब्लिक हेवी इंजीनियरिंग .. 3 वर्षीय
20	प्लास्टिक टैक्नालाजी .. 3 वर्षीय
21	रैफ्रीजरेशन एण्ड एयरकंडीशनिंग 3 वर्षीय
22	टूल टैक्नालाजी .. 3 वर्षीय
23	कैमिकल टैक्नालाजी .. 3 वर्षीय
24	ट्यूबवेल इंजीनियरिंग .. 3 वर्षीय
25	लैडर टैक्नालाजी (टैनिंग) .. 2 वर्षीय	14	12	21
26	स्टेनोग्राफी एंड सेक्रेटैरियल प्रैक्टिस 2 वर्षीय	9	10	22
27	पल्प एंड पेपर टैक्नालाजी .. 2 वर्षीय	26	54	53
28	फुटवियर टैक्नालाजी एंड गुड्स मैन्युफैक्चरिंग 2 वर्षीय	11	10	30
29	कार्माशियल प्रैक्टिस .. 2 वर्षीय	..	9	11
30	कस्टम डिजाइन एंड ड्रेस मेकिंग 2 वर्षीय	..	26	19
31	मैटोरियल मैनेजमेंट .. 2 वर्षीय
32	सेल्समैनशिप .. 2 वर्षीय
33	फार्मोसी .. 2 वर्षीय

क्रमांक	पाठ्यक्रम			वर्ष		
				1973	1974	1975
34	होमसाइंस ..	2	वर्षीय
35	रेफ्रीजरेशन एंड एयरकंडीशनिंग पोस्ट डिप्लोमा	1	वर्षीय	20	7	..
36	इण्डस्ट्रियल इलेक्ट्रानिक्स पोस्ट डिप्लोमा	1	वर्षीय	8
37	स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग पोस्ट डिप्लोमा	1	वर्षीय	6
38	इंस्ट्रमेंटेशन ..	1	वर्षीय	7	1	2
<u>अंशकालीन पाठ्यक्रम</u>						
39	सिविल इंजीनियरिंग अंशकालीन	4	वर्षीय	1	1	..
40	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग ..	4	वर्षीय	4
41	मैकनिकल इंजीनियरिंग ..	4	वर्षीय	12	4	..
42	इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग ..	4	वर्षीय
43	प्रिंटिंग टेक्नालाजी (लेटरप्रेस)	4	वर्षीय	3
44	प्रिंटिंग टेक्नालाजी (लीथोग्राफी)	4	वर्षीय	4	..	4
45	टेक्सटाइल टेक्नालाजी ..	4	वर्षीय
46	टेक्सटाइल केमिस्ट्री ...	4	वर्षीय
<u>सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम</u>						
47	पल्प एंड पेपर टेक्नालाजी ..	3	वर्षीय	11	..	16
48	टॉनिंग ..	3	वर्षीय	4	3	110
49	फिटिंग ..	3	वर्षीय			
50	मोल्डिंग ..	3	वर्षीय			
51	इलेक्ट्रिशियन ..	3	वर्षीय			
52	मशीनिंग ..	3	वर्षीय
53	ड्राफ्टमैन (सिविल)	3	वर्षीय
54	ड्राफ्टमैन (मैकेनिकल)	3	वर्षीय
55	फाउन्ड्री ..	3	वर्षीय
56	प्लम्बिंग ..	3	वर्षीय
57	रेफ्रीजरेशन मैकेनिक ..	3	वर्षीय
58	आटो मैकेनिक ..	3	वर्षीय
59	टाइपराइटर मैकेनिक ..	3	वर्षीय
योग				2,111	2,674	2,864